

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail: tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web: www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,रविवार 22 नवंबर 2026 ■ कार्तिक शुक्ल पक्ष-13 ■ वर्ष -42 ■ अंक-232 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 23 नवंबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद पटवारियों की हड़ताल स्थगित

मुख्यमंत्री ने पटवारियों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए उच्चस्तरीय समिति गठित करने के दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर 22 नवंबर.मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल और सकारात्मक संवाद के बाद छत्तीसगढ़ पटवारी संघ ने अपनी राज्यव्यापी हड़ताल स्थगित करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आज मुख्यमंत्री निवास में पटवारी संघ के पदाधिकारियों की औपचारिक मुलाकात हुई । पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से चर्चा करते हुए अपनी मांगों के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने उनकी समस्याओं को पूरे धैर्य और सहानुभूति के साथ सुना। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कर्मचारियों की उचित मांगों का समाधान संवाद और आपसी समझ से ही होना चाहिए। राज्य सरकार अपने कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है। मुख्यमंत्री श्री साय ने पटवारियों की वेतन विसंगति एवं पदोन्नति संबंधी मांगों के परीक्षण के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए। यह समिति संबंधित मांगों के विभिन्न पहलुओं का परीक्षण कर उनके निराकरण के संबंध में अपनी अनुशंसाएं प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने हड़ताल अवधि में हुई



कार्यवाहियों के सम्बन्ध में सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान संवाद और आपसी समझ के माध्यम से किया जाना चाहिए। राज्य सरकार कर्मचारियों की उचित मांगों और समस्याओं के निराकरण के प्रति संवेदनशील है। छत्तीसगढ़ पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा उनकी मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाने तथा उच्चस्तरीय समिति गठित करने के निर्देश दिए जाने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है ।

नाबालिग ने चाकू मारकर की हत्या

जगदलपुर,22 नवंबर। जगदलपुर के पनारा पारा इलाके में चाकूबाजी की घटना में शख्स की मौत हो गई. घटना से आक्रोशित लोगों ने आरोपी नाबालिग के घर का घेराव कर जमकर पत्थरबाजी की. हालात को देखते हुए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है. जानकारी के अनुसार, पुरानी रंजिश के चलते एक नाबालिग पर 40 वर्षीय मुन्ना कश्यप की चाकू मारकर हत्या करने का आरोप लगा है. घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया. आक्रोशित स्थानीय लोगों ने कथित आरोपी के घर का घेराव करते हुए जमकर पत्थरबाजी की. कोतवाली थाना क्षेत्र में घटित घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए. शुरुआती जानकारी के अनुसार, हत्या के पीछे पुरानी रंजिश के साथ प्रेम प्रसंग का मामला भी सामने आ रहा है. बताया जा रहा है कि घटना के बाद नाबालिग आरोपी मौके से फरार है. फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है, वहीं इलाके में तनाव को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है.

चार दिन से लापता ASI के बेटे की डेम में मिली लाश

कोरबा,22 नवंबर। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में दर्री डेम से 21 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बांगो थाना में पदस्थ ASI धनंजय सिंह के बेटे अर्जुन सिंह के रूप में हुई है। अर्जुन 18 नवंबर से लापता था। उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, फिलहाल इसका खुलासा नहीं हो पाया है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को कुछ मछुआरे मछली पकड़ने के लिए प्रगतिनगर स्थित दर्री डेम पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने पानी में एक शव तैरता देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची दर्री थाना पुलिस ने मछुआरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। बाद में मौके पर पहुंचे ASI धनंजय सिंह ने शव की पहचान अपने बेटे अर्जुन के रूप में की। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया कि अर्जुन 18 नवंबर को बाइक से कॉलेज जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन कॉलेज नहीं पहुंचा। इसके बाद से परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। शुरुआती जांच में उसका मोबाइल आखिरी बार दर्री डेम के पास लोकेशन पर मिला है। हालांकि, पुलिस को अब तक उसका मोबाइल और बाइक नहीं मिले हैं। एएसपी लखन पटले के मुताबिक, मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि अर्जुन किन परिस्थितियों में डेम तक पहुंचा।

मंडई में चाऊमीन खाने के बाद 118 बच्चे बीमार

बालाघाट,22 नवंबर। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में मंडई के दौरान चाऊमीन खाना बच्चों की सेहत पर भारी पड़ गया। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम हिर्री में शनिवार रात चाऊमीन खाने के बाद 118 बच्चे फूड पॉइजनिंग के शिकार हो गए। बच्चों को पेट दर्द की शिकायत के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर में भर्ती कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए 45 बच्चों को बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय बालाघाट रेफर किया गया।

महंगाई और बेरोजगारी पर भूपेश ने केंद्र को घेरा

■ तरुण छत्तीसगढ़

भिलाई,22 नवंबर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल निजी कार्यक्रम में शामिल होने दुर्ग पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए देश की आर्थिक स्थिति, 7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि के दावे और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से जीडीपी के आंकड़ों को लेकर भले ही सकारात्मक बातें कही जा रही हों, लेकिन आम जनता की आर्थिक स्थिति कुछ और ही कहानी बयां कर रही है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऑपरेशन सिंदूर रुकवाने और सीजफायर कराने संबंधी दावों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत सरकार की ओर से इस पर कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं आती। वहीं, दूसरी तरफ अमेरिका की ओर से भारत की आर्थिक प्रगति और जीडीपी को लेकर तारीफ की जा रही है उन्होंने कहा कि अमेरिका बिना स्वार्थ के कोई बात नहीं करता। उसे भारत के साथ ट्रेड डील फाइनल करनी है, इसलिए इस तरह की तारीफ की जा रही है। बघेल ने देश की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि रोजगार के नए अवसर नहीं मिल रहे हैं और मनरेगा में भी पर्याप्त काम नहीं चल रहा है। खाने का तेल, शक्कर, पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और बिजली की दरों में बढ़ोतरी से आम जनता महंगाई की मार झेल रही है वहीं, राजस्थान में पंचायत चुनावों में कांग्रेस की जीत को लेकर उन्होंने कहा कि इसका पूरे देश में संदेश गया है। उन्होंने भाजपा के प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए राजस्थान के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बधाई और शुभकामनाएं दीं।



घूमने निकले 10 युवाओं की कार ट्रेलर में घुसी, युवती की मौत

2 गंभीर, 8 घायल, झपकी ने छीन ली ज़िंदगी, ट्रेलर में फंसी ईको कार घिसटती रही

बिलासपुर,22 नवंबर। बिलासपुर-अंबिकापुर हाईवे पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवती की मौत हो गई, जबकि 2 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में कुल 10 लोग घायल हुए हैं। रायपुर से घूमने निकले 5 युवक और 5 युवतियों से भरी ईको कार तेज रफ्तार में आगे चल रहे ट्रेलर के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार ट्रेलर में फंस गई और उसके साथ कार ट्रेलर में बुरी तरह फंस गई। बताया जा रहा है कि ट्रेलर चालक को कार के फंसने की जानकारी तत्काल नहीं हो सकी और वह वाहन को आगे बढ़ाता रहा। ईको कार ट्रेलर के साथ घिसटती हुई तेज रफ्तार में काफी दूर तक चली गई। पीछे से अन्य लोगों द्वारा ट्रेलर चालक को हादसे की जानकारी देने पर उसने वाहन रोका, लेकिन तब तक कार सवारों में चीख-पुकार मच चुकी थी और एक युवती की जान जा चुकी थी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस और एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को रतनपुर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार शुरू किया गया। गंभीर रूप से घायल 2 लोगों की हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए सिम्स रेफर किया गया है। अन्य घायलों का भी अस्पताल में इलाज जारी है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर लंबी दूरी की यात्रा के दौरान वाहन चालकों की थकान और झपकी से होने वाले खतरे को उजागर कर दिया है। कुछ पल की लापरवाही ने घूमने निकले युवाओं की खुशियों को मातम में बदल दिया।

जमीन के रिकॉर्ड में नाम दर्ज होना मालिकाना हक का अंतिम प्रमाण नहीं : हाईकोर्ट

नामांतरण से किसी को स्वतः नहीं मिलता संपत्ति का अधिकार, स्वामित्व विवाद का फैसला सिविल कोर्ट में होगा

बिलासपुर, 22 नवंबर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने जमीन के स्वामित्व और राजस्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि राजस्व अभिलेखों में किसी व्यक्ति का नाम दर्ज होना संबंधित जमीन का वास्तविक मालिक होने का अंतिम प्रमाण नहीं है। नामांतरण की प्रक्रिया का उद्देश्य केवल राजस्व संबंधी व्यवस्था बनाए रखना है। इससे किसी व्यक्ति को स्वतः संपत्ति का मालिकाना अधिकार नहीं मिल जाता। जमीन के वास्तविक स्वामित्व को लेकर विवाद होने पर उसका अंतिम निर्णय सक्षम दीवानी न्यायालय ही कर सकता है।

जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की एकलपीठ ने धमतरी जिले की जमीन से जुड़े विवाद की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। मामले में संतोष तिवारी और राजनांदगांव निवासी शुभेंद्र कुमार शर्मा के बीच स्वर्गीय भगवंतिन बाई की संपत्ति को लेकर विवाद था। भगवंतिन बाई, संतोष तिवारी की बुआ थीं। वहीं शुभेंद्र शर्मा ने 9 जून 1997 को तैयार गोदनामे के आधार पर दावा किया था कि भगवंतिन बाई ने उन्हें गोद लिया था। दस्तावेज तैयार होने के समय उनकी उम्र करीब 20 वर्ष थी। भगवंतिन बाई का निधन 10 अक्टूबर 2014 को हुआ था। इसके बाद शुभेंद्र शर्मा ने गोदनामे के आधार पर जमीन अपने नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए आवेदन किया। तहसीलदार धमतरी ने आवेदन स्वीकार कर नामांतरण की अनुमति दे दी। इस फैसले को संतोष तिवारी ने चुनौती देते हुए गोदनामे की प्रामाणिकता पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 15 के तहत संबंधित संपत्ति पर उनका उत्तराधिकार बनता है। उन्होंने गोदनामे को फर्जी बताते हुए उसके आधार पर नामांतरण किए जाने का विरोध किया।

राजस्व अधिकारियों के फैसलों में हुआ बदलाव–तहसीलदार के आदेश के खिलाफ संतोष तिवारी ने राजस्व अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष अपील की, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली। इसके बाद मामला अतिरिक्त आयुक्त, रायपुर संभाग पहुंचा। अतिरिक्त आयुक्त ने 22 जून 2021 को संतोष की अपील स्वीकार करते हुए नामांतरण आदेश निरस्त कर दिया। हालांकि, राजस्व मंडल ने 22 दिसंबर 2021 को अतिरिक्त आयुक्त का फैसला पलटते हुए तहसीलदार के नामांतरण आदेश को फिर से प्रभावी कर दिया। इसके बाद संतोष तिवारी ने राजस्व मंडल के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

जमीन बेचने का मामला भी आया सामने–सुनवाई के दौरान शुभेंद्र शर्मा की ओर से बताया गया कि संतोष तिवारी संबंधित जमीन पहले ही बेच चुके हैं। उनके अधिवक्ता ने दलील दी कि 20 अक्टूबर 2021 को पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से जमीन लेखनारायण और होरीलाल के नाम कर दी गई थी। ऐसे में जमीन बेचने के बाद संतोष को नामांतरण आदेश के खिलाफ चुनौती देने के अधिकार पर भी सवाल उठाया गया।

छग की बेटी सृष्टि शर्मा ने बनाया विश्व रिकॉर्ड

6.86 सेकंड में 50 मीटर लिम्बो स्केटिंग कर रचा इतिहास

रायपुर,22 नवंबर। भारत की होनहार बेटी सृष्टि धर्मेंद्र शर्मा ने लिम्बो स्केटिंग में विश्व रिकॉर्ड बनाकर देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने महज 6.86 सेकंड में 50 मीटर की दूरी तय कर असाधारण उपलब्धि हासिल की, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में मान्यता मिली है। सृष्टि की इस ऐतिहासिक सफलता पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सृष्टि की मेहनत, अनुशासन, अद्भुत कौशल और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए इसे देश के लिए गर्व का क्षण बताया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि सृष्टि की यह उपलब्धि साबित करती है कि कड़ी मेहनत, आत्मविश्वास और मजबूत इच्छाशक्ति से बड़े से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।



क्रिकेटर युजवेंद्र चहल भाजपा में शामिल

नई दिल्ली,22 नवंबर। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल ने क्रिकेट के मैदान से बाहर अपनी नई पारी की शुरुआत कर दी है। टीम इंडिया के लिए वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके चहल शनिवार, 21 नवंबर को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। पार्टी ने उन्हें भाजपा के ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया है। भाजपा के ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद अमर पाल मौर्य ने चहल को यह जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी की ओर से जारी नई नियुक्तियों की सूची में चहल का नाम दिल्ली से शामिल किया गया है। इस नियुक्ति के साथ ही उन्होंने औपचारिक रूप से राजनीतिक पारी का आगाज कर दिया है। भाजपा में शामिल होने और नई जिम्मेदारी मिलने के बाद युजवेंद्र चहल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमर पाल मौर्य को धन्यवाद दिया। चहल ने भाजपा परिवार में स्थान और सम्मान देने के लिए पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। भाजपा ने अपने राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा की कार्यसमिति में कई बड़े बदलावों का ऐलान किया है। इसी के तहत भारतीय क्रिकेटर और 36 वर्षीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को भी नई जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें दिल्ली प्रदेश से राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा की कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। भाजपा की इस नियुक्ति के बाद क्रिकेट जगत में भी चहल की नई भूमिका को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हरियाणा के गुरुग्राम से ताल्लुक रखने वाले युजवेंद्र चहल लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देश का प्रतिनिधित्व किया है। युजवेंद्र चहल ने जून 2016 में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था।

जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में पाकिस्तानी घुसपैठिया पकड़ाया

श्रीनगर,22 नवंबर। जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास BSF और पुलिस ने एक 20 वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा. ये युवक तारबंदी को पार करके करीब डेढ़ किलोमीटर भारतीय सीमा में घुस आया था. पुलिस युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है और पता लगाने की कोशिश में है कि वो कैसे अंदर घुसा था. ये युवक यूं ही इधर उधर घूम रहा था, लोगों को शक हुआ तो उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया. पुलिस युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है और पता लगाने की कोशिश में है कि वो कैसे अंदर घुसा था. फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है.भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सतर्क सुरक्षा बलों ने जम्मू के अरनिया क्षेत्र से एक 20 वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है. सही इलाके से हिरासत में लिए गए युवक का नाम अवल्स राजा है. वह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लेय्या जिले का रहने वाला बताया जा रहा है. दरअसल, ये पाकिस्तानी युवक सीमा पर हुई तारबंदी को पार करके करीब डेढ़ किलोमीटर भारतीय सीमा में घुस आया था. इलाके में घूम रहे एक अनजान शख्स को जैसे ही गांववालों ने पकड़ा और उसकी तलाशी ली तो उसके पास से कई पाकिस्तानी दस्तावेज बरामद हुए. जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि वह किन परिस्थितियों में भारतीय सीमा में दाखिल हुआ और भारत आने के पीछे उसका क्या उद्देश्य था. फिलहाल उसके सीमा पार करने से जुड़े पहलुओं की जांच की जा रही है. गिरफ्तारी के समय उसके पास से कोई संदिग्ध या आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ. शुरुआती जांच में उसकी पाकिस्तानी नागरिकता की पुष्टि हुई है.

अब अग्निवीर भी कर सकेंगे शादी, सरकार ने बदल दिया नियम

नई दिल्ली,22 नवंबर। अग्निपथ योजना के तहत भर्ती होने वाले अग्निवीरों के शादी के नियमों को लेकर सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। पहले अग्निवीर के तौर पर सेवा के दौरान शादी की अनुमति नहीं थी। हालांकि अब दो साल का सेवा विस्तार लेने वाले अग्निवीरों को शादी करने की भी इजाजत होगी। हालांकि ट्रेनिंग पूरी करने के बाद ही वे शादी कर सकेंगे। इसे 'Second Tour of duty' कहा जाता है। जाहिर तौर पर यह अग्निवीरों के परिवार के लिए राहत की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स में विश्वसनीय सूत्रों के हवाले से इसकी पुष्टि की गई है। अभी इसपर आधिकारिक घोषणा सामने नहीं आई है। पहले नियम यही था कि भर्ती के वक्त अग्निवीर अविवाहित होने चाहिए। इसके अलावा सेवा के दौरान भी वे शादी नहीं कर सकते। पहले भर्ती भी केवल चार साल के लिए की जा रही थीं। चार साल के सेवा विस्तार पाने वाले अग्निवीरों को लगभग एक महीने की ट्रेनिंग पूरी करनी होगी। इसके



बाद वे शादी भी कर सकते हैं। अग्निवीरों के पहले बैच ने चार साल की सेवा पूरी कर ली है। सबसे पहले नेवी में अग्निवीरों की भर्ती की गई थी। मेरिट के आधार पर 25 फीसदी अग्निवीरों को परमिनेंट कर दिया गया है। वहीं बाकी को दो साल सेवा विस्तार का विकल्प दिया गया है। जल्द ही आर्मी और एयरफोर्स का पहला बैच भी 4 साल की सेवा पूरी करने वाला है। उन्हें भी इसी तरह का मौका दिया जाएगा। अभी चार नवबंर को ही केंद्रीय कैबिनेट ने दो साल के सेवा विस्तार वाले प्रस्ताल को मंजूरी दी थी। इसमें यह भी कहा गया है कि 6 साल की सेवा के बाद 75 फीसदी अग्निवीरों को परमानेंट किया जा सकता है।

अग्निवीरों की छुट्टी के नियमों में भी बदलाव हो सकता है। दो साल की सेवा के दौरान अग्निवीरों को पहले से ज्यादा छुट्टियां दी जा सकती हैं। पहले एक साल में 30 ही छुट्टियां मिलती थीं जबकि सेवा विस्तार के बाद सालभर में 90 छुट्टियां दी जा सकती हैं। सेना अनुशासन का भी ध्यान रखेगी और जवानों की पारिवारिक जिम्मेदारियों का भी ध्यान रखेगी। सरकार जल्द ही इन बदलावों की आधिकारिक घोषणा कर सकती है। भारतीय वायु सेना और दिल्ली स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने वायु सेना में शामिल अग्निवीरों के लिए योग में संरचित शिक्षा और प्रमाणन के अवसरों तक पहुंच को सुगम बनाने के मकसद से हाथ मिलाया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

नेतन्याहू फिर से होंगे इजरायल के प्रधानमंत्री

यरूशलम,22 नवंबर। इजरायल में गादी आइजनकोट सरकार बनाने के लिए हर संभव कदम उठा रहे हैं, लेकिन कहीं न कहीं मामला फंस जा रहा है. इस बीच आइजनकोट की पार्टी ने लिकुड पार्टी के नेता बेंजामिन नेतन्याहू को गठबंधन पर चर्चा करने के लिए न्योता दिया है. आज दोनों दलों के बीच बैठक होगी. आइसेनकोट ने संकेत दिया है कि वे नेतन्याहू की 'लिकुड' पार्टी के सदस्यों के साथ मिलकर सरकार बनाने के लिए तैयार हैं.इजराइल में नई सरकार बनाने के लिए याशार पार्टी के प्रमुख गादी आइजनकोट ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड को बुलाया है.इजरायल में नई सरकार बनाने की कवायद तेजी से आगे बढ़ रही है. हाल में ही यशर पार्टी के नेता गादी आइजनकोट ने लिकुड पार्टी के नेता बेंजामिन नेतन्याहू को न्योता दिया और गठबंधन के विषय पर चर्चा के लिए बुलाया. लेकिन याशार पार्टी के प्रमुख गादी आइजनकोट ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि वे नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार में काम नहीं करेंगे.

गौठानों में पैरादान की अपील, गौसेवा और फसलों की सुरक्षा का आह्वान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

पाटन, 22 नवंबर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन के मीडिया प्रभारी एवं ग्राम महुदा निवासी परस राम साहू ने क्षेत्र के किसानों से पैरादान महाभियान के तहत गांवों के गौठानों में पैरा दान करने की अपील की है। प्रेस विज्ञप्ति जारी कर साहू ने कहा कि वर्तमान में फसलों की कटाई का कार्य प्रारंभ हो चुका है। ऐसे में गांवों में मवेशियों के खुले में घूमने से सड़कों पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। वहीं, मवेशियों के खेतों में पहुंचने से खड़ी फसलों को भी नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यकाल में गौमाता की सेवा और संरक्षण के उद्देश्य से गांव-गांव में गौठानों का निर्माण कराया गया था, लेकिन वर्तमान सरकार इनके समुचित रखरखाव में विफल साबित हो रही है। ग्राम पंचायतों एवं सरपंचों के खातों में पर्याप्त राशि नहीं



होने के कारण गौठानों की व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। साहू ने चिंता जताते हुए कहा कि यदि समय रहते मवेशियों के संरक्षण और फसलों की सुरक्षा के लिए ठोस इंतजाम नहीं किए गए, तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि फसल कटाई के बाद खेतों में पैरा न जलाएं और न ही उसे निजी कंपनियों को बेचें, बल्कि गौठानों में पैरादान करें। इससे गौवंश के लिए चारे की व्यवस्था होगी तथा गौसेवा के साथ-साथ किसानों की फसलों की सुरक्षा में भी सहयोग मिलेगा। उन्होंने पैरादान महाभियान को जनसहभागिता से सफल बनाने का आह्वान किया।

बापू की रायपुर यात्रा की याद में 23 को कार्यक्रम

रायपुर 22 नवंबर। महात्मागांधी की ऐतिहासिक यात्रा को याद करने के लिए 23 नवंबर को बाल आश्रम एवं राष्ट्रीय विद्यालय के अध्यक्ष अजय तिवारी एवं संचालन समिति के सदस्यों द्वारा ऐ समारोह आयोजित किया जा रहा है। इसके साथ इतिहास अध्ययनशाला, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर एवं छत्तीसगढ़ इतिहास परिषद के पदाधिकारी भी आयोजक के रूपा सम्मिलित होंगे। इस समारोह में शिक्षक शोधार्थी छात्र-छाआएं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी एवं नगर के गणमान्य नागरिक भी शामिल होंगे।

नौ म्यूल खाताधारकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 नवंबर। कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते साइबर ठगों को उपलब्ध कराने वाले नौ म्यूल खाताधारकों को दुर्ग पुलिस ने गिरफ्तार किया है आरोपियों ने महज 5 से 15 हजार रुपए के बदले बैंक खाते, पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और सिम कार्ड ठगों को सौंप दिए थे, जिनका इस्तेमाल ठगी की लाखों रुपए की रकम खपाने हो रहा था में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) शोभराज अग्रवाल ने बताया कि भिलाई नगर थाना और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने अपराध क्रमांक 522/2026 व 523/2026 की



विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर यह कार्रवाई की जांच में पंजाब एंड सिंध बैंक तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के नौ खाताधारकों की भूमिका उजागर हुई टेकेश्वर साहू (21 साल), रौनक अग्रवाल (23 साल), तीरथ राम ठाकुर (33 साल), राजीव कुमार (23), प्रदीप कुमार (27 साल), इंद्रजीत सिंह (23 साल), नीलेश चक्रधारी (23 साल), परमजीत सिंह (55 साल) और गुरमेल सिंह (36 साल) को गिरफ्तार कर संबंधित दस्तावेज व मोबाइल जब्त किए हैं कई स्तरों पर ट्रांसफर कर छिपाते थे ठगी की रकम पुलिस जांच में सामने आया कि एजेंटों के माध्यम से आम लोगों को कमीशन का झांसा देकर खाते हासिल किए जाते थे और ठगी की रकम को कई खातों में घुमाकर उसका वास्तविक स्रोत छिपाया जाता था। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि कमीशन के लालच में बैंक खाता या सिम कार्ड किसी को न दें, अन्यथा कार्रवाई होगी। ठगी होने पर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करें 349 गिरफ्तारियां, 876 खातों पर कार्रवाई शेष दुर्ग जिले में म्यूल खातों के विरुद्ध जारी अभियान में अब तक 3,322 खातों की जांच हुई है, जिनमें से 3,162 पर कार्रवाई की गई पुलिस ने 1,668 खातों से जुड़े मामलों में 63 एफआईआर दर्ज कर 349 खाताधारकों व एजेंटों सहित 2 बैंक अधिकारियों को गिरफ्तार किया है ।

एक नजर

ठगी के मामले में महिला-पुरुष के खिलाफ जुर्म दर्ज

भिलाई, 22 नवंबर (तछसं.)। भिलाई बैंक का लोन किश्त पटाने का झांसा देकर ठगी करने वाले महिला पुरुष के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है घटना पुलगांव थाना क्षेत्र का है पुलिस ने बताया कि पूर्व ग्राम सिरसाखुर्द निवासी ललिता राजपूत, बलराम राजपूत अपनी बेटी की शादी में कर्ज हो जाने से परेशान हूँ कहकर पीड़िता से मदद करने का झांसा देकर क.क.ऋ.छ. बैंक सेक्टर 9 भिलाई के खाता के लोन एकाउंट खुलवाकर बचत खाता से 1.60 लाख ट्रांसफर करवाकर रकम को आहरित कराकर रख लिया। किर्ति ढीमर, कौशल्या सार्वे, उर्मिला सार्वे, गोमती धीवर, पेमीन ढीमर, डोमिन सार्वे, मनीष सार्वे, उतरा गोस्वामी का उक्त रुपयें धोखा। अन्य महिलाओं के साथ भी लोन की रकम को स्वयं जमा करूंगी कहकर झांसा देते हुए कुछ दिनों तक लोन का किस्त जमा करती रही और लोन किश्त जमा नहीं किया ललिता राजपूत और उसके पति बलराम राजपूत के द्वारा बैंक से लोन निकलवाकर अपने पास रखकर ठगी किया जेवरा सिरसा पुलिस ने शिकायत के बाद ललिता और बलराम के खिलाफ अपराध दर्ज किया है बहरहाल पुलिस मामले में विवेचना कर रही है।

शराब जब्त

भिलाई, 22 नवंबर (तछसं.)। युवक से तीस लीटर कच्चा और देशी मदिरा शराब पुलिस ने जब्त किया है रानीतराई पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर बाइक को रोक कर पूछताछ किया गया। बाइक में घोरारी, थाना रानीतराई निवासी नवीन कुमार नीरगे सवार था उसके पास से पुलिस ने कच्ची महुआ शराब 30 लीटर, 3,000 रुपये, देशी प्लेन मदिरा 15 नग 1,200 रुपये, देशी मसाला शराब 24 2,400 रुपये, बाइक सीजी 07 डीडी 3039 जिसकी कीमत 80 हजार, मोबाइल 30,000 रुपए, नगद 25 हजार रुपए बरामद किया है। पुलिस ने ग्राम - अशोगा धान सोसायटी के पास श्मशान घाट रोड पर - घेराबंदी कर युवक को पकड़ा है। जिले में अवैध शराब - के निर्माण, संग्रहण, परिवहन, बिक्री के खिलाफ अभियान चलाकर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। संदिग्ध मोटरसाइकिल हीरो एक्सट्रीम क्रमांक को रोककर तलाशी लेने पर पीछे रखे तीन प्लास्टिक डिब्बों में कुल 30 लीटर कच्ची महुआ शराब तथा सफेद रंग के प्लास्टिक थैले में 15 नग देशी प्लेन शराब एवं 24 नग देशी मसाला शराब बरामद हुई ।

कलेक्टर के संवेदनशील एवं प्रभावी नेतृत्व में जीरो रकबा सुधार अभियान को मिली गति

बालोद, 22 नवंबर, 22 नवंबर। किसानों को समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो और प्रत्येक पात्र किसान को शासन की धान खरीदी योजना का लाभ मिल सके, इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के संवेदनशील एवं प्रभावी नेतृत्व तथा निर्देशानुसार जिले में जीरो रकबा (शून्य रकबा) की समस्या के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इस दिशा में बालोद जिले ने प्रदेश में विशेष पहल करते हुए अब तक सबसे अधिक प्रमुखता से शून्य रकबे की समस्या के निराकरण के लिए कार्य किया है। इसके परिणामस्वरूप 3,140 किसानों के रकबे में सुधार किया जा चुका है।

आध्यात्मिक शक्तियों से संपन्न बनकर करें विश्व कल्याण:राजयोगिनी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 नवंबर। वर्तमान समय की चुनौतियों और विश्व में तेजी से घटित हो रही घटनाओं के बीच प्रत्येक मनुष्य को आध्यात्मिक शक्तियों से संपन्न बनकर अन्य आत्माओं के परिवर्तन का निमित्त बनना होगा। विश्व में अनेक हलचलें एवं आपदाओं के दौर में परमात्म अवतरण के साथ देवभूमि भारत विश्व की आध्यात्मिक शक्तियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। इसके लिए प्रत्येक आत्मा को मनसा, वाचा और कर्मणा तीनों स्तरों पर शक्तिशाली बनना आवश्यक है। उक्त विचार अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती दीदी ने सेक्टर-7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए।उन्होंने कहा कि



राजयोग के माध्यम से परमात्मा से सर्व संबंध जोड़कर अपने संस्कारों को श्रेष्ठ एवं दिव्य बनाना है। हमारे विचार ही हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं। इसलिए व्यर्थ एवं नकारात्मक विचारों से दूर रहकर सकारात्मक विचारों का सृजन करना चाहिए। बाहरी परिस्थितियां कैसी भी हों, मन को शांत, स्थिर और एकाग्र बनाए रखना आवश्यक है। प्रत्येक कर्म में श्रेष्ठ भावना, सत्यता, प्रेम, नम्रता एवं निर्मलता का समावेश होना चाहिए। जयंती दीदी ने कहा कि शांति की शक्ति अर्थात पावर ऑफ साइलेंस के अभ्यास से पहले स्वयं का परिवर्तन करना होगा, तभी हम दूसरों के परिवर्तन का माध्यम बन सकेंगे। विश्व में घटित होने वाली घटनाओं और समाचारों का प्रभाव अपनी मनःस्थिति पर नहीं पड़ने देना चाहिए। यदि हमारा मन ही व्यर्थ विचारों में उलझा रहेगा, तो हम दूसरों की मदद कैसे कर पाएंगे? उन्होंने धैर्य, दया, शांति एवं सत्यता जैसे परमात्मा के दिव्य गुणों को जीवन में धारण करने का आह्वान किया। शुभारंभ डिवाइन ग्रुप के बच्चों द्वारा समर्पण को तेरे प्रणाम गीत पर प्रस्तुत मनमोहक स्वागत नृत्य से हुआ। इस अवसर पर भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कहा कि देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर दीदियों का भिलाई आगमन सभी के लिए सौभाग्य की बात है। प्रयागराज से पधारीं धार्मिक प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका राजयोगिनी मनोरमा दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में आबू पर्वत से पधारीं ब्रह्माकुमारी हंसा दीदी, देवी दीदी एवं राखी दीदी की उपस्थिति रही।

कटाई के बाद खेत में रखी फसल को भी बीमा सुरक्षा, नुकसान की सूचना देने के लिए किसानों को किया जा रहा जागरूक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,22 नवंबर। वर्तमान में बेमौसम बारिश, चक्रवात एवं अतिवृष्टि की संभावित स्थिति को देखते हुए किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान से राहत दिलाने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। किसानों से अपील की गई है कि बेमौसम बारिश, चक्रवात अथवा अतिवृष्टि के कारण फसल को नुकसान होने पर इसकी सूचना तत्काल टोल फ्री नंबर 14447 पर दें। नुकसान की सूचना घटना के 72 घंटे के भीतर देना अनिवार्य है।जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार कटाई के बाद खेत में रखी फसल (करपा) को बेमौसम बारिश एवं चक्रवात के कारण होने वाले नुकसान की स्थिति में कटाई से 14 दिनों तक बीमा दावा मान्य रहेगा। इसी तरह अतिवृष्टि के कारण खेत में जलभराव होने से फसल को नुकसान पहुंचने पर भी किसान इसकी सूचना दर्ज करा सकते हैं।फसल नुकसान की सूचना देते समय किसानों को अपना नाम, मोबाइल नंबर, ग्राम का नाम, खसरा नंबर, बीमित फसल, पॉलिसी नंबर, नुकसान का कारण एवं नुकसान होने की तारीख जैसी आवश्यक जानकारी तैयार रखनी होगी। सूचना दर्ज होने के बाद 48 घंटे के भीतर सर्वेयर की नियुक्ति, 10 दिनों के भीतर सर्वेक्षण तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार 15 दिनों में दावा राशि सीधे किसान के बैंक खाते में अंतरित किए जाने का प्रावधान है।

किसान टोल फ्री नंबर 14447 के अलावा क्रॉप इंश्योरेंस ऐप अथवा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की आधिकारिक वेबसाइट pmfby.gov.in के माध्यम से भी फसल नुकसान की सूचना दर्ज करा सकते हैं।मैदानी अमले को निर्देशित किया गया है कि वे गांव-गांव तक पहुंचकर किसानों को इन प्रावधानों की जानकारी दें तथा कृषक समूहों, ग्राम पंचायत समूहों एवं सहकारी समितियों के माध्यम से इसका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। प्रभावित किसानों को नुकसान की सूचना दर्ज कराने में आवश्यक सहयोग भी प्रदान करें।किसान भाइयों से अपील है कि फसल नुकसान होने पर देरी न करें। घटना के 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 14447 पर सूचना दर्ज कराएं, ताकि समय पर सर्वेक्षण एवं बीमा दावा प्रक्रिया पूरी की जा सके।

जिला न्यायालय बालोद में विशेष लोक अदालत का हुआ आयोजन

बालोद, 22 नवंबर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार जिले के सभी न्यायालयों में 21 नवंबर 2026 को स्पेशल लोक अदालत (धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम) का आयोजन किया गया। जिनमें राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सहमति व सुलह समझौता से निराकृत किये गये है। प्रकरणों के पक्षकारों की भौतिक तथा वर्चुअल दोनों ही माध्यमों से उनकी उपस्थिति में निराकृत किये जाने संबंधित प्रकरणों को निराकृत किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी लगातार अधिक से अधिक मामलों को निराकृत किये जाने हेतु प्रेरित किया।

खानकाह में अकीदत के साथ मनाया गया बाबा भोला शफी शाह का उर्स



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 नवंबर। नंदिनी एयरोड्रम के समीप स्थित सूफी खानकाह में प्रसिद्ध सूफी संत हजरत बाबा भोला शफी शाह रहमतुल्लाह अलैहि, सलेमपुर (उत्तर प्रदेश) का उर्स पाक अकीदत, मोहब्बत और भाईचारे के साथ मनाया गया। तीन दिवसीय आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे जायरीनों ने शिरकत कर दुआएं मांगीं। उर्स के पहले दिन अलम शरीफ की रस्म के बाद महफिल मिलाद शरीफ का आयोजन हुआ। इसमें मौलाना गुलाम मोहिउद्दीन, नूरी मस्जिद के इमाम एवं खतीब शराफत हुसैन सहित अन्य मौलानाओं ने खानकाह की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए नात शरीफ पेश की। दूसरे दिन गागर शरीफ की रस्म अदा की गई, जिसमें जायरीनों ने सिर पर गागर उठाकर खानकाह तक अकीदत का इजहार किया। रात में समा-ए-महफिल और कव्वाली का आयोजन हुआ। मशहूर सूफी कव्वाल मंजूर आलम साबरी, जुबैर अहमद साबरी उर्फ पहलवान पैंटर तथा टाटानगर के उभरते कव्वाल ने सूफियाना कलाम, भजन, गजल और सलाम पेश कर समां बांधा। अंतिम दिन गद्दी एवं कुल शरीफ की रस्म अदा की गई। फातिहा और नजर-ओ-नियाज के बाद देश की तरक्की, अमन-चैन और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं। आयोजन हजरत कायम शाह वली की अगुवाई में संपन्न हुआ, जो बाबा भोला शफी शाह के खलीफा एवं फरजंद हैं। उर्स के समापन पर खानकाह की ओर से हाजी एम.एच. सिद्दीकी ने सभी जायरीनों को मुबारकबाद दी। आयोजन की सफलता में हसन अंसारी, साबिर, प्रमोद, फिरोज, नासिर, सलाम, शरफू, परमानंद, निजाम, असलम, आफताब, शोयब, बाबू सहित पीर भाइयों एवं पीर बहनों का विशेष योगदान रहा।

निदेशक प्रभारी ने कार्मिकों से किया सीधा संवाद, शून्य दुर्घटना का लक्ष्य दोहराया



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 नवंबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा संस्कृति को मजबूत बनाने के उद्देश्य से 7वें लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन का आयोजन 21 नवंबर को किया गया। इसमें निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार तथा कार्यकारी कार्यपालक निदेशक बी.के. बेहेरा ने अधिकारियों, कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों, ठेका श्रमिकों एवं सेफ्टी वॉरियर्स से सीधा संवाद किया। कार्यक्रम में मेरा क्षेत्र, मेरी जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करने तथा सुरक्षा सर्वोपरि के सिद्धांत को व्यवहार में अपनाने पर जोर दिया गया। निदेशक प्रभारी सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षा प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी असुरक्षित स्थिति की तत्काल सूचना देने और सुरक्षा संबंधी सुझाव साझा करने के लिए कार्मिकों को प्रेरित किया गया। साथ ही शून्य दुर्घटना का लक्ष्य हासिल करने और प्रत्येक पाली के बाद सभी कार्मिकों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। मुख्य महाप्रबंधक सुश्री पुष्पा एम्ब्रोस ने सुरक्षित कार्य पद्धतियों एवं सुरक्षा संबंधी पहलों पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन सुश्री नवनीता चौहान तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रशांत ओझा ने दिया।

नादोत्सव-2026 का शुभारंभ, नृत्य प्रस्तुतियों ने मोहा दर्शकों का मन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 नवंबर। जैन कला केंद्र संगीत महाविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय नृत्य, गायन एवं वादन प्रतियोगिता नादोत्सव-2026 का शुभारंभ जैन भवन, त्रिवेणी जैन तीर्थ में समारोह के साथ हुआ। मुख्य अतिथि निर्मल कोचर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह की अध्यक्षता हुकुमचंद ओसवाल ने की।

इस अवसर पर जैन मिलन के मंत्री मुकेश जैन, संगीत महाविद्यालय के प्राचार्य व्यास सर तथा निर्णायक मंडल की सदस्य कुमारी शैली मोगरे, डॉली उइके एवं शुभिका धारी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। तीन दिवसीय इस आयोजन में सब-जूनियर, जूनियर, सीनियर एवं ओपन वर्ग के प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। प्रतियोगिता के प्रथम दिन नृत्य स्पर्धा आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने मनमोहक एवं आकर्षक प्रस्तुतियों से दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। नादोत्सव के दूसरे दिन 21 नवंबर को गायन (वोकल) प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागी अपनी सुरीली प्रस्तुतियों के माध्यम से संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। आयोजन का समापन 22 नवंबर को वादन (इंस्ट्रूमेंट) प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र, मोमेंटो एवं आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही विशेष नादमणि अवॉर्ड से भी प्रतिभा को सम्मानित किया गया ।

जामुल नगर पालिका में 1.59 करोड़ के दो टेंडर जारी, सत्ताधारी दल के सदस्य ने किया विरोध

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग, 22 नवंबर। दुर्ग जिले की जामुल नगर पालिका में करीब 1.59 करोड़ रुपये के दो टेंडर को लेकर विवाद शुरू हो गया है। नगर पालिका अध्यक्ष ईश्वर ठाकुर और पीआईसी सदस्यों के प्रस्ताव के बाद एसीसी अडानी सीमेंट प्लांट की टाउनशिप में रंग-रोगन, सीमेंट आर्ट, बैकलेन पेंटिंग और ड्रेन कवर के लिए 67 लाख और 92 लाख रुपये के टेंडर जारी किए गए हैं। इन टेंडरों का विरोध सत्ताधारी दल से जुड़े भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के मंडल अध्यक्ष यशवंत राजपूत ने किया है। उन्होंने नगर पालिका के इस फैसले पर सवाल उठाते हुए जनता के पैसों के दुरुपयोग और कमीशनखोरी के आरोप लगाए हैं।

जामुल में चुनावी गतिविधियों के बीच टेंडर जारी होने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, उपमुख्यमंत्री अरुण साव 22 नवंबर को जामुल पहुंचकर करीब 12 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करने वाले हैं। इसी बीच नगर पालिका क्षेत्र में स्थित एसीसी अडानी सीमेंट प्लांट की टाउनशिप की दीवारों के सौंदर्यीकरण के लिए जारी टेंडर विवाद का विषय बन गया है। यशवंत राजपूत ने सीएमओ रमाकांत साहू पर भी सवाल उठाए हैं।

चित्र देखें-कविता लिखें प्रतियोगिता में अमृता गंगराडे प्रथम



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 नवंबर। भिलाई इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) स्तरीय चित्र देखें-कविता लिखें प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह मानव संसाधन विकास केंद्र के सभागार में संपन्न हुआ। मैकॉन लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार पिल्लै मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र की महाप्रबंधक सुश्री अमृता गंगराडे ने प्रथम, बीएसएनएल दुर्ग के राजदत गजभिये ने द्वितीय तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के अपु बेहेरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छह प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि पिल्लै ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि नराकास द्वारा आयोजित ऐसी प्रतियोगिताएं हिंदी के प्रचार-प्रसार और राजभाषा के प्रभावी कियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निर्णायक मंडल के सदस्यों एस.आर. विश्वनाथन एवं सुश्री शिवानी जत्रेले ने प्रतिभागियों को रचनाओं की सराहना करते हुए लेखन संबंधी सुझाव दिए। उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से हिंदी के प्रति अनुराग बढ़ने के साथ सदस्य संस्थानों के कार्मिकों में समन्वय एवं सहयोग की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हिंदी प्रेमी कार्मिक उपस्थित रहे।

बेमेतरा जिले में पहली बार मार्कफेड के माध्यम से चयनित केंद्रों पर होगी लघु धान्य फसलों की खरीदी

बेमेतरा, 22 नवंबर। बेमेतरा जिले के किसानों के लिए खरीफ वर्ष 2026 में खेती से आय बढ़ाने और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। अब धान के साथ-साथ कोदो, कुटकी एवं रागी जैसी लघु धान्य फसलों की भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी। बेमेतरा जिले में पहली बार इन फसलों का उपार्जन मार्कफेड के माध्यम से चयनित खरीदी केंद्रों पर किया जाएगा। इस पहल से लघु धान्य फसलों की खेती करने वाले किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए एक व्यवस्थित व्यवस्था उपलब्ध होगी तथा उन्हें निर्धारित समर्थन मूल्य का लाभ मिल सकेगा।कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार खरीफ वर्ष 2026 में कोदो, कुटकी एवं रागी की खरीदी के लिए समर्थन मूल्य निर्धारित कर दिया गया है। इसके अंतर्गत कोदो का समर्थन मूल्य 3200 रुपये प्रति क्विंटल, कुटकी का 3350 रुपये प्रति क्विंटल तथा रागी का 5205 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इन फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी से किसानों को उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने में सहायता



मिलेगी। साथ ही जिले में परंपरागत धान की खेती के अतिरिक्त अन्य फसलों के उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा।

30 दिसंबर तक पंजीयन कराना अनिवार्य

कृषि विभाग ने बताया कि कोदो, कुटकी एवं रागी की समर्थन मूल्य पर खरीदी का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों को एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। पंजीयन की अंतिम तिथि 30 दिसंबर 2026 निर्धारित की गई है। विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय रहते अपना पंजीयन सुनिश्चित कर लें, ताकि खरीदी प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। किसानों को सलाह दी गई है कि वे पंजीयन संबंधी आवश्यक जानकारी और प्रक्रिया के लिए अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अथवा नजदीकी कृषि कार्यालय से संपर्क करें। समय पर पंजीयन कराने वाले पात्र किसान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चयनित उपार्जन केंद्रों में अपनी उपज का विक्रय कर सकेंगे।कृषि विभाग ने किसानों को धान के साथ-साथ कोदो, कुटकी एवं रागी जैसी लघु धान्य फसलों की खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है। इन फसलों की खेती से किसानों को अपनी कृषि गतिविधियों में विविधता लाने और आय के अतिरिक्त अवसर विकसित करने में सहायता मिल सकती है। विशेष रूप से कम पानी की उपलब्धता वाले क्षेत्रों में उपयुक्त भूमि एवं मौसम की परिस्थितियों के अनुसार लघु धान्य फसलों की खेती एक उपयोगी विकल्प साबित हो सकती है। कोदो, कुटकी और रागी की खेती अपेक्षाकृत कम पानी में भी की जा सकती है। इन फसलों की कुछ किस्में प्रतिकूल मौसम और सीमित संसाधनों वाली परिस्थितियों के प्रति अधिक सहनशील होती हैं। ऐसे में इनकी खेती को बढ़ावा देना जल संरक्षण, टिकाऊ कृषि और फसल विविधीकरण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लघु धान्य फसलें केवल किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम ही नहीं, बल्कि पोषण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। कोदो, कुटकी एवं रागी में आहार रेशा सहित अनेक उपयोगी पोषक तत्व पाए जाते हैं। विशेष रूप से रागी कैल्शियम का अच्छा स्रोत मानी जाती है। इन अनाजों को संतुलित आहार में शामिल करने से भोजन में पोषण संबंधी विविधता बढ़ाई जा सकती है। वर्तमान समय में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण मोटे अनाजों और उनसे तैयार खाद्य पदार्थों के प्रति लोगों की रुचि बढ़ रही है। कोदो, कुटकी एवं रागी से विभिन्न प्रकार के पारंपरिक और आधुनिक खाद्य उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। ऐसे में इन फसलों की खेती के विस्तार से स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन की संभावनाओं को भी बढ़ावा मिल सकता है। जिले में पहली बार मार्कफेड के माध्यम से लघु धान्य फसलों की खरीदी की व्यवस्था किसानों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। चयनित उपार्जन केंद्रों में समर्थन मूल्य पर खरीदी होने से किसानों को अपनी उपज के विपणन के लिए एक अतिरिक्त माध्यम उपलब्ध होगा। इससे लघु धान्य उत्पादन के प्रति किसानों का रुझान बढ़ने की संभावना है। कृषि विभाग ने कहा है कि किसान अपनी भूमि की प्रकृति, सिंचाई सुविधाओं और स्थानीय कृषि परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कोदो, कुटकी एवं रागी की खेती को अपनाएं। इन फसलों की खेती से संबंधित तकनीकी मार्गदर्शन तथा समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए पंजीयन की जानकारी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों और कृषि कार्यालयों से प्राप्त की जा सकती है। कृषि विभाग ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे लघु धान्य फसलों की खेती के अवसरों का लाभ उठाएं और 30 दिसंबर 2026 तक एकीकृत किसान पोर्टल में अपना पंजीयन अनिवार्य रूप से कराएं। समर्थन मूल्य पर खरीदी की इस नई व्यवस्था से जिले में फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन मिलने के साथ किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

महापौर ने निरीक्षण कर मेले के पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्था पूर्ण करने के दिये निर्देश

राजनांदगांव 22 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दिनांक 23,24 व 25 नवम्बर को तीन दिनों तक मोहारा मेला का आयोजन होगा। नगर निगम का अमला मेला स्थल में किये जा रहे तैयारी को मूर्त रूप देने में लगा हुआ है। तैयारी का महापौर श्री मधुसूदन यादव ने आज शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य श्री अलोक श्रोती, उप नेता प्रतिपक्ष श्री मुकेश साहू, पार्षद श्री संजय रजक व श्री चंद्रकृत साहू के साथ जायजा लेकर सभी आवश्यक व्यवस्था को मेला के पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। महापौर श्री यादव ने निगम द्वारा किये जा रहे तैयारी का जायजा



लेकर कहा कि मेला के एक दिन पूर्व मेला स्थल की सफाई, पेयजल के लिए स्टेन पोल लगाने, विद्युत की पर्याप्त व्यवस्था, रोड के दोनो ओर पसरा लगाने मार्किंग पार्किंग स्थल जैसे महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण कर लिया जावें। उन्होंने नदी के मोहारा एंव हल्दी घाट की सफाई कर पुन्नी स्नान के दौरान महिलाओ के लिए अस्थाई चेजिंग रूम भी बनाने कहा, जिससे प्रातः स्नान के लिए किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि दो दिनो तक संध्या के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसके लिये भी सभी तैयारी कर लिया जावे। इसके अलावा मेले के दौरान जल सर्यंत्रगृह में सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाये, कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति के प्रवेश न करे, पेयजल जैसे अति आवश्यक सेवा में लापरवाही न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाये, संबधित अधिकारी व कर्मचारी अपने अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वाहन करेंगे, मेला स्थल में कोई कमी न हो तथा किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित न हो इसका भी ध्यान रखा जाये। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता (सिंदा) श्री यू.के.रामटेके, सहायक अभियंता श्रीमती ज्योति साहू, प्र.उप अभियंता श्री चिराग मेश्राम सहित तकनीकि व स्वास्थ्य अमला उपस्थित थे।

गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर भक्ति में रंगेगी संस्कारधानी

राजनांदगांव 22 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़)। सिख धर्म के संस्थापक एवं प्रथम गुरु, मानवता, प्रेम, समानता और भाईचारे का संदेश देने वाले श्री गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व सिख समाज द्वारा श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस पावन अवसर पर राजनांदगांव स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में कई दिनों से धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों की श्रृंखला जारी है। प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में रविवार 22 नवंबर को



दोपहर 3 बजे भव्य शोभायात्रा एवं विशाल नगर कीर्तन निकाला जाएगा। वहीं, प्रकाश पर्व का मुख्य आयोजन 24 नवंबर को गुरुद्वारा साहिब में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न होगा।गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा द्वारा समूची सिख संगत के सहयोग से प्रकाश पर्व की तैयारियां व्यापक स्तर पर की गई हैं। गुरुद्वारा साहिब में पिछले दो माह से श्री गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ की परंपरा जारी है। वहीं, विगत 11 दिनों से प्रतिदिन सुबह 5 बजे प्रभात फेरियां निकाली जा रही हैं। प्रभात फेरियों में सिख समाज के महिला-पुरुष, बुजुर्गों एवं युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिल रही है। गुरुबाणी और शबद कीर्तन के माध्यम से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। रविवार को दोपहर 3 बजे गुरद्वारा साहिब से अरदास के पश्चात पंज प्यारों की अगुवाई में भव्य नगर कीर्तन प्रारंभ होगा। शोभायात्रा में सिख समाज के महिला-पुरुष, बच्चे और विभिन्न कीर्तनी जत्थे शामिल होंगे। कीर्तनी जत्थों द्वारा गुरुबाणी एवं शबद कीर्तन की मधुर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इस अवसर पर आकर्षक विद्युत सज्जा से सुसज्जित विशाल वाहन विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। वाहन में डॉगमार साहिब गुरुद्वारा, सिक्किम के गुरुद्वारा साहिब का आकर्षक मॉडल तैयार किया गया है, जिसे रंग-बिरंगी लाइटों और विद्युत झालरों से सजाया गया है। नगर कीर्तन में पुष्प वर्षा करती तोप गाड़ी, निशान साहिब की सेवा करते सुसज्जित छोटे बच्चे तथा शबद कीर्तन करते कीर्तनी जत्थे शोभायात्रा की भव्यता बढ़ाएंगे। नगर कीर्तन के दौरान श्रद्धालु गुरु नानक देव जी के बताए सत्य, सेवा, सिमरन और मानवता के मार्ग का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे। नगर कीर्तन गुरुद्वारा साहिब से प्रारंभ होकर मानव मंदिर चौक, सिनेमा लाइन, गंज लाइन, पुराना बस स्टैंड, जीई रोड, भगत सिंह चौक और गुरुनानक चौक होते हुए शाम करीब 7 बजे पुनः गुरुद्वारा साहिब पहुंचेगा। शोभायात्रा को लेकर पूरे मार्ग में विशेष सजावट की गई है। जगह-जगह आकर्षक स्वागत द्वार बनाए गए हैं तथा गुरुद्वारा साहिब को भी रंग-बिरंगी विद्युत झालरों से सजाया गया है। नगर कीर्तन के समापन के बाद गुरुद्वारा साहिब में रात्रि दीवान सजाया जाएगा। इसमें लुधियाना से विशेष रूप से आमंत्रित पंथ प्रसिद्ध रागी जत्थे भाई वीर पारस सिंह जी लुधियाना वाले तथा हजूरी रागी जत्थे के भाई गुरप्रीत सिंह 'शहूर' जी द्वारा शबद कीर्तन की प्रस्तुति दी जाएगी। रात्रि दीवान में श्रद्धालु गुरु वाणी का श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त करेंगे। इसके पश्चात अरदास, सुखासन और गुरु का लंगर वितरित किया जाएगा। प्रकाश पर्व के अवसर पर आमंत्रित रागी जत्थे भाई वीर पारस सिंह जी द्वारा 22 नवंबर की रात्रि के दीवान के साथ ही 23 नवंबर को सुबह एवं रात्रि के दीवान में भी भक्तिमय शबद कीर्तन की प्रस्तुति दी जाएगी। इन आयोजनों के लिए गुरुद्वारा साहिब में विशेष तैयारियां की गई हैं।

जशपुर के पांच युवा बनेंगे अंतरराष्ट्रीय रॉक क्लाइंबिंग गाइड

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 22 नवम्बर.मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने और स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी कड़ी में जशपुर जिले के पांच आदिवासी युवाओं का अमेरिका की प्रतिष्ठित संस्था प्रोफेशनल क्लाइंबिंग गाइड्स इंस्टीट्यूट (PCGI) के अंतरराष्ट्रीय रॉक क्लाइंबिंग गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चयन हुआ है। यह उपलब्धि जशपुर जिले को साहसिक पर्यटन के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रशिक्षण के लिए चयनित युवाओं में तेजल भगत, रुसनाथ भगत, सचिन कुजूर, प्रतीक नायक और रवि सिंह शामिल हैं। इन युवाओं को दिसंबर माह में बेंगलुरु में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में रॉक क्लाइंबिंग की आधुनिक तकनीकों, सुरक्षा मानकों और पेशेवर गाइडिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण भारत के प्रमुख रॉक क्लाइंबिंग आयोजनों में शामिल ROMP के साथ आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद चार युवाओं को PCGI लेवल-1 तथा एक युवा को उन्नत लेवल-2 प्रमाणन मिलने की उम्मीद है। इस पहल की सफलता के साथ जशपुर मध्य भारत का पहला ऐसा पर्यटन स्थल बनने की दिशा में अग्रसर है, जहां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित रॉक क्लाईबिंग गाइडों की समर्पित टीम उपलब्ध होगी। इससे जिले में साहसिक पर्यटन गतिविधियों का विस्तार होने के



साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर विकसित होंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गाइड प्रमाणन की सुविधा उपलब्ध होने के साथ जशपुर यह उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है कि दूरदर्शी प्रशासन और समुदाय की भागीदारी से किस तरह भारत को वैश्विक स्तर पर एक भरोसेमंद साहसिक पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय क्षेत्रों की प्राकृतिक संपदा, स्थानीय प्रतिभाओं और पर्यटन की संभावनाओं को आजीविका के स्थायी अवसरों से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रही है। जशपुर के युवाओं का अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के लिए चयन इसी दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में प्रशिक्षित गाइडों की उपलब्धता और सुरक्षा मानकों का पालन अत्यंत महत्वपूर्ण है। रॉक क्लाईबिंग जैसी गतिविधियों में तकनीकी दक्षता, सुरक्षा उपकरणों की जानकारी और जोखिम प्रबंधन की विशेष आवश्यकता होती है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण और प्रमाणन की सीमित उपलब्धता भारत में साहसिक पर्यटन के विस्तार की चुनौतियों में शामिल रही है। PCGI के प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जशपुर के युवाओं को रॉक क्लाईबिंग गाइडिंग की आधुनिक तकनीकों, सुरक्षा प्रक्रियाओं और पेशेवर कार्यप्रणाली का प्रशिक्षण प्राप्त होगा।

महेन्द्र एवं प्रभात नगर में आंगनबाड़ी भवन का महापौर ने किया लोकार्पण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 22नवम्बर। नगर निगम द्वारा शहर विकास की कडी में गुरूगोविंद सिंह वार्ड नं. 23 के महेन्द्र नगर एवं प्रभात नगर में महिला एंव बाल विकास परियोजना अंतर्गत 12-12 लाख रूपये की लागत से आंगनबाड़ी भवन का निर्माण किया गया है। जिसका आज महापौर श्री मधुसूदन यादव ने दोनो जगह एक संक्षिप्त एवं गरिमामय आयोजन में फीता काटकर पट्टीका का अनावरण कर लोकार्पण किया। कार्यक्रम में राजस्व विभाग के प्रभारी सदस्य एवं वार्ड पार्षद श्री राजा माखीजा, पूर्व पार्षद श्री गुरूमुखदास वाधवा, के अलावा सर्वश्री राजकुमार डुलानी, अरूण डुलानी, प्रकाश वाधवानी, गंभीर जैन, आलोक बिंदल, हिमांशु सोनी, श्रीमती श्यामाबाई नायक की विशेष उपस्थिति रही। लोकार्पण कार्यक्रम में अपने संबोधन में महापौर श्री यादव ने वार्डवासियों को बधाई देते हुए कहा कि, वार्डवासियें की मांग पर इस वार्ड में बच्चों के



लिये सर्वसुविधा युक्त दो आंगनबाड़ी भवन बनाया गया है, जिसमें वार्ड के बच्चे स्वयं के भवन में प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण करेंगे, वही बच्चे एवं गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य वर्धक पोषक आहार मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे नगर के यशस्वी विधायक डॉ. रमन सिंह एवं सांसद श्री संतोष पाण्डे की अनुशंसा पर शासन द्वारा नगर विकास के लिये दिये गये राशि से शहर में विकास कार्य कराये जा रहे है। उन्होंने कहा कि इस वार्ड में हाउसिंग बोर्ड उद्यान का जीणोंद्धार एवं वार्ड के विभिन्न हिस्सो में नाली निर्माण भी कराया जायेगा, जिसका औपचारिक रूप से भूमिपूजन किया गया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप इसी प्रकार के विकास कार्य सभी वार्डों में कराये जायेंगे।

दोनों स्थानों में आयोजित कार्यक्रम के पूर्व आंगनबाडी कार्यकर्ता एवं सहायिका तथा वार्डवासियो ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। तत्पश्चात अतिथियों ने पूजा अर्चनाकर आंगनबाडी भवनो का विधिवत लोकार्पण किया। लोकार्पण अवसर पर उप अभियंता श्री तिलक राज ध्रुव सहित निगम का अमला व वार्डवासी उपस्थित थे।

हैंडबॉल में राजनांदगांव की बेटियों का जलवा

राजनांदगांव,22नवंबर। जिले की बालिका हैंडबॉल खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राजनांदगांव की 10 बालिकाओं का 48वीं एच.एच.आई. जूनियर बालिका राष्ट्रीय हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। यह प्रतियोगिता 25 से 29 नवंबर 2026 तक मस्तुआना साहिब, संगरूर, पंजाब में आयोजित होगी। चयनित खिलाड़ी रविवार को छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना होंगी और राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगी। विगत दिनों हैंडबॉल एसोसिएशन जिला राजनांदगांव द्वारा कृष्णा पब्लिक स्कूल, राजनांदगांव में राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। उक्त प्रतियोगिता में राजनांदगांव एसोसिएशन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि राजनांदगांव क्लब की टीम चौथे स्थान पर रही। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं खेल कौशल के आधार पर जिले की 10 बालिकाओं का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों में भावना(शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बुचाटोला), नंदनी(शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी कालेज छुरिया), फुलेश्वरी (शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी कालेज छुरिया), भाग्यश्री (शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बुचाटोला), चंदानी(शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बुचाटोला)।

भाजपाईयों ने किया देवी-देवताओं का अपमान: कुलबीर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव,22 नवंबर। मां कालिका, गणेश व भैरव बाबा की प्रतिमा के विसर्जन के लिए नगर पालिक निगम द्वारा अनुपयुक्त वाहन (काउकेचर) उपलब्ध कराया गया। जिस पर आपत्ति जताते हुए 21 नवंबर शनिवार को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने प्रेसवार्ता ली।श्री छाबड़ा ने प्रेस को बताया कि मां आदिशक्ति जगदम्बा काली की प्रतिमा, भगवान गणेश की प्रतिमा एवं भैरव जी कि प्रतिमा को विसर्जन के लिए राजनांदगांव नगर पालिक निगम के गंदे एवं अनुपयुक्त वाहन (काउकेचर) के माध्यम से ले जाया जा रहा है, यह दृश्य अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण, आपत्तिजनक एवं श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करने वाला है। जिस मां आदिशक्ति जगदम्बा काली की पूजा-अर्चना पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ की जाती है। भगवान गणेश रिद्धी-सिद्धी के दाता की पूजा पहले की जाती है, भैरव जी की पूजा की जाती है, उनकी प्रतिमा को इस तरह के अनुपयुक्त वाहन से ले जाना करोड़ों भक्तजनों के आस्थाओं में चोट है। मां काली, भगवान गणेश जी, भैरव जी की पूजा के लिये लाखों-करोड़ों लोग उपवास रखकर अपनी आस्था, विश्वास और धार्मिक भावनाओं से अपनी आस्थाएं मातारानी के चरणों में भगवान के चरणों में रखते है उन आस्थाओं को निगम की सत्ताधारियों ने सत्ता के नशे में चुर होकर आस्थाओं को चोट पहुंचाई है। जबकि धार्मिक आयोजनों में प्रतिमा



की स्थापना से लेकर पूजा-अर्चना और विसर्जन तक प्रत्येक प्रक्रिया में विधि-विधान, मर्यादा, स्वच्छता और सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाता है। ऐसे महत्वपूर्ण विषय धार्मिक कार्य के दौरान नगर निगम के गंदे एवं अनुपयुक्त वाहन (काउकेचर) में इस प्रकार जगत जननी मां काली की प्रतिमा और देवताओं की प्रतिमा का विसर्जन करवाना भाजपाईयों की गलत मानसिकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, महापौर मधुसूदन यादव जैसे भाजपाइयों की फोटो इस वाहन में लगी है। निगम प्रशासन घुटने के बल पर भाजपाई सताधारियों के चरणों में बैठा हुआ है। इसी कारण नगर निगम का वाहन रात के 09 बजे अनुमति/बिना अनुमति के गया यह भी प्रश्न है कुछ समय पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नगर निगम द्वारा आस्थाओं पे चोट करने का बयान दिया था तब नगर निगम के महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि अनुपयुक्त वाहन में आस्थाओं से संबंधित चोट पहुंचाने का काम नहीं हुआ है। यदि ऐसा है तो मैं राजनीति छोड़ दुंगा। मेरे द्वारा ये प्रमाण दिया जा रहा है कि नगर निगम के अनुपयुक्त वाहन (काउकेचर) में जगजननी मां आदिशक्ति जगदम्बा काली, भगवान गणेश, भैरव जी का विसर्जन 13 नवंबर को हुआ है। तो क्या अब मधुसूदन यादव अपनी जबान में कायम रहकर राजनीति छोड़ेगे या भूपेश बघेल के दंड शरण में जाकर अपने दिये गये बयान की माफी मांगेगे।

अखिल भारतीय तेलुगु सम्मेलन का शुभारंभ, मुख्यमंत्री हुए शामिल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर,22 नवंबर। आंध्रा एसोसिएशन द्वारा राष्ट्रीय 11वें अखिल भारतीय तेलुगु सम्मेलन का आयोजन 21 नवंबर को दो चरणों में किया जा रहा है। सम्मेलन के प्रथम चरण का विधिवत शुभारंभ श्री बालाजी विद्या मंदिर, देवेंद्र नगर, रायपुर में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रीय 11वें अखिल भारतीय तेलुगु सम्मेलन की सराहना करते हुए आंध्रा एसोसिएशन को 50वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के कारण रायपुर से विशाखापत्तनम की दूरी कम हुई है, जिससे तेलुगु भाषी समाज के लोगों के बीच संपर्क और मजबूत होगा। यह मार्ग दोनों क्षेत्रों के बीच सेतु का काम करेगा। उन्होंने कहा कि व्यापार, उद्योग एवं शिक्षा के क्षेत्र में आंध्र प्रदेश के लोगों का छत्तीसगढ़ के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से तेलुगु भाषा, साहित्य एवं संस्कृति से जुड़े साहित्यकार, विद्वान, गणमान्य नागरिक एवं प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान तेलुगु भाषा, साहित्य और संस्कृति



से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा विद्वानों ने अपने विचार रखे।सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में बरहामपुर (ओडिशा) से आए कलाकारों ने कुचिपुड़ी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं, शालेय विद्यार्थियों ने दक्षिण भारतीय शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया।इस अवसर पर श्रीनिवास मद्दी (बेवरेज कॉरपोरेशन), रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे, उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, पूर्व विधायक श्री कुलदीप जुनेजा, श्री आर. सुभाष राव, राष्ट्रतारा तेलुगु समाख्या के अध्यक्ष श्री आर. सुंदर राव, हैदराबाद से आए प्रसिद्ध अभिनेता श्री गौतम राजू, सुब्बाई शर्मा संस्था के अध्यक्ष श्री जी. स्वामी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।आंध्रा एसोसिएशन की प्रबंधन समिति के सदस्य वाई.सी. राव, पी. प्रसाद, टी. श्रीनिवास रेड्डी, जी. नागेश, टी. सुरेश, मोहन के. नायडू, सी. साई गोपाल, के. भानोज कुमार, वेंकट राव मारोती, के.वी. राव, टी. बाबू राव, हरी वल्लभ, के. वेंकट राव, संस्था के सदस्य के. रामकृष्णा एवं तिरुमल राव, महिला विंग की सदस्याएं, शाला की प्राचार्या डॉ. फ्रेनी जयप्रकाश तथा शिक्षकगण भी उपस्थित थे।

नशामुक्त युवा ही विकसित और सशक्त भारत की मजबूत नींव : डॉ. प्रकाश खूंटे

साल्हेवारा,22 नवंबर। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत माई भारत, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के तत्वावधान में शनिवार 21 नवंबर को रानी दुर्गावती महाविद्यालय, साल्हेवारा में 'माई भारत आस-पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम 'युवा जुड़ाव, विकसित भारत के लिए' रही। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशामुक्त, जागरूक, स्वस्थ, सशक्त एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका खम्पन ताम्रकार तथा विशेष अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री विक्रांत सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता साल्हेवारा सरपंच दशरथ पटेल ने की। विशिष्ट वक्ता के रूप में मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव के एमडी डॉ. प्रकाश खूंटे, साल्हेवारा थाना प्रभारी निरीक्षक सागर तथा शिक्षक तुलसवर सेन ने युवाओं को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी सुभजीत डे सहित माई भारत के अधिकारी-कर्मचारी भी आमंत्रित रहे। कार्यक्रम के समन्वयक शिव कुमार गातेकर, एनवाईवाई, छुईखदान ब्लॉक रहे।कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रकाश खूंटे ने नशामुक्ति को स्वस्थ समाज और विकसित राष्ट्र की अनिवार्य आवश्यकता बताते हुए कहा कि जब युवा नशे से दूर रहेंगे, तभी हम भारत को पुनः सोने की चिड़िया बनाने के संकल्प को साकार कर सकेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से संवादात्मक तरीके से पूछा कि नशे के सेवन से शरीर के कौन-कौन से अंग प्रभावित होते हैं। सही जवाब देने वाले छात्र-छात्राओं को तत्काल पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। उन्होंने कहा कि लंबी और स्वस्थ आयु के लिए नशे से दूरी बनाना बेहद जरूरी है। युवावस्था में अपनाई गई अच्छी आदतें ही भविष्य के स्वस्थ जीवन का आधार बनती हैं।डॉ. खूंटे ने विद्यार्थियों को ओवरथिंकिंग अर्थात जरूरत से अधिक सोचने की प्रवृत्ति से बचने, सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और मानसिक रूप से प्रसन्न रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए प्रतिदिन कम से कम 45 मिनट शारीरिक गतिविधियां करने की सलाह दी। उन्होंने सूर्य के साथ दिनचर्या शुरू करने, प्रकृति से जुड़ने और सकारात्मक ऊर्जा के साथ अपने दैनिक कार्यों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।उन्होंने वर्तमान समय में युवाओं और विद्यार्थियों के बीच बढ़ते मोबाइल



उप मुख्यमंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल,जनजातीय समाज के उत्थान, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण पर दिया जोर

उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस

रायपुर. 22 नवम्बर.भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में आज जिला मुख्यालय कांकेर में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। उप मुख्यमंत्री एवं कांकेर जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में इसमें शामिल हुए। सांसद श्री भोजराज नाग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विधायक श्री आशाराम नेताम और श्री विक्रम देव उसेंडी तथा बस्तर संभाग गोंडवाना समाज के अध्यक्ष श्री सुमेर सिंह नाग सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग भी कार्यक्रम में मौजूद थे। जनजातीय गौरव दिवस में शामिल होने कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आदिवासी समाज के आंगादेव का परंपरानुसार पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने भगवान बिरसा मुंडा के अदम्य साहस, त्याग, तपस्या और संघर्ष का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि झारखंड के एक गरीब परिवार में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व करते हुए जनजातीय समाज को एकजुट करने का कार्य किया। उन्होंने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों तथा आदिवासी



समाज के हितों के लिए संघर्ष किया। उनके योगदान और बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ के वीर शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर एवं शहीद गैंदसिंह के योगदान का भी उल्लेख किया। श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की, ताकि देश के जनजातीय नायकों के योगदान, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को राष्ट्रीय पहचान मिल सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय समाज के उत्थान और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, सड़क, रोजगार एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पीएम जनमन योजना, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय तथा अन्य योजनाओं के माध्यम से विशेष रूप से जनजातीय समुदायों को लाभान्वित किया जा रहा है।

जो संख्या में ज्यादा होते हैं,वही बचे रहते हैं

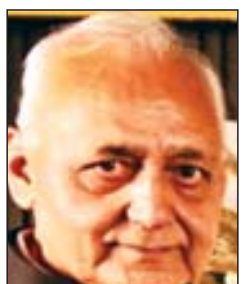
किसी भी देश का वक्त व नेतृत्व बदलता है तो उसके साथ देश की सोच भी बदलती है।कई बार ऐसा भी होता है कि पुराने समय में ,पुराना नेतृत्व जिसे देश के लिए समस्या मानता है, देश को नुकसान समझता है तो बदलते वक्त के साथ नया नेतृत्व उसे देश के लिए फायदा मानता है,वह समझता है कि ऐसा करने पर देश को फायदा होगा। जैसे देश की आबादी की बात की जाए तो दो दशक पहले तक देश का राजनीतिक नेतृत्व देश की बढ़ती आबादी को देश के लिए सबसे गंभीर समस्या समझता था,उसका जो देश की आबादी को कम करने पर रहता था, इसके लिए सरकारी तौर पर योजना बनाई गई। लोगों से कहा गया कि वह परिवार नियोजन करें यानी परिवार छोटा रखें,एक या दो बच्चे बहुत हैं। तब नारा दिया जाता था कि बच्चे दो ही अच्छे। आज देश की बड़ी आबादी को देश के लिए पूंजी की तरह देखा जाता है। यानी बड़ी आबादी है तो देश को कई तरह से फायदा है।अब पहले की तरह अत्यधिक जनसंख्या को देश के लिए बोझ और हर समस्या का कारण नहीं माना जाता है आज बढ़ती जनसंख्या को जनसांख्यिकीय लाभांश यानी डेमोग्राफिक डिविडेंट माना जाता है।आज देश की आबादी जितनी बढ़नी चाहिए उनती नही बढ़ रही है बल्कि पता चलता है कि भारत की आबादी धीमी गति से बढ़ रही है।इसलिए देश का नेतृत्व चाहता है कि देश की आबादी बढ़नी चाहिए इसकी एक वजह यह भी है कि दूसरे लोगों की आबादी तेजी से बढ़ रही है।उनके बीच अपने आपको बनाए व बचाए रखना है तो देश की आबादी तो बढ़ानी ही होगी और उन नीतियों को भी बदलना होगा जो देश की आबादी कम करने के हिसाब से बनाई गई थीं। आबादी की बात होती है तो देश के स्तर के अलावा विश्व स्तर भी जब धर्म के आधार पर आबादी की बात होती है और पता चलता है कि इस समय सभी धर्मों के लोगों की कितनी आबादी है और अगले पचास साल मे किस धर्म की कितनी आबादी होगी तो उस हिसाब से भी जिस धर्म के लोगों की आबादी कम है और भविष्य मे और कम होना है तो उनको अपनी आबादी बढ़ाने के लिए तो सोचना ही होगा।प्यू रिसर्च सेंटर की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस वक्त विश्व में ईसाई समुदाय की आबादी सबसे ज्यादा है। दूसरे नंबर पर इस्लाम को मानने वाले समुदाय की आबादी है।इसी रिपोर्ट के मुताबिक २०२० में मुस्लिम आबादी २.०२ अरब थी जो २०३५ में बढ़कर २.५७ अरब हो जाएगी।वहीं ईसाई आबादी जो २०२० में २.५२अरब है,वह कम होकर २.२७ अरब होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक २०२० से २०७० के बीच विश्व की आबादी २९ प्रतिशत बढ़ेगी,इस दौरान मुस्लिम ८० प्रतिशत बढ़कर३.६ अरब से ज्यादा होंगे।ईसाई ३० प्रतिशत बढ़कर २.९६ अरब रहेंगे।वैश्विक आबादी में मुस्लिम २६ प्रतिशत से बढ़कर ३६ हो जाएंगे और ईसाई २९ प्रतिशत पर ही स्थिर रहेंगे। इसकी वजह साफ है कि वैश्विक स्तर पर मुस्लिमों में प्रजजन दर सबसे ज्यादा है,एक मुस्लिम महिला तीन या तीन से ज्यादा बच्चे पैदा करती है।गैर मुस्लिमों में यह दो बच्चे है। यानी मुस्लिमों महिलाओं से २५ करोड़ तो ईसाइयों में २० करोड़ बच्चे पैदा हुए। यानी पांच करोड़ बच्चे ज्यादा।बाकी समुदायों में आबादी स्थिर रहेगी या घटने का अनुमान है।जहां तक भारत का सवाल है तो २०७० तक भारत में हिंदुओं की संख्या १.१८ अरब से बढ़कर १.३८ अरब होगी।दुनिया के मुकाबले सबसे ज्यादा हिंदू भारत में होंगे।यानी सबसे ज्यादा हिंदू आबादी वाला देश भारत ही रहेगा।वहीं २०७० तक इंडोनेशिया को पीछे छोड़कर पाकिस्तान सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश होगा।भारत दूसरे नंबर पर रहेगा। आने वाले समय में अमरीका में ईसाई जो आज ६२ प्रतिशत है,वह २०६५ तक ५० प्रतिशत रह जाएंगे।यूरोप में ईसाई २०७० तक घटकर ३२ करोड़ रह जाएंगे। भारत में हिंदू आज भी बहुसंख्यक हैं और ७० में भी बहुसंख्यक रहेंगे लेकिन आबादी हिंदुओं की जितनी बढेगी,उससे ज्यादा मुस्लिमों की बढ़ेगी।इसलिए हिंदुओं की आबादी बढ़ाना है तो अब सरकार के साथ ही समाज को भी गंभीरता से सोचना होगा कि एक दो बच्चे नहीं कम से कम तीन बच्चे परिवार में होने चाहिए। दो बच्चे लोगों को परिवार के लिए पैदा करना चाहिए और तीसरा बच्चा देश के लिए पैदा करना चाहिए। देश में हिंदुओं का भला तो तब ही हो सकता है जब उनकी आबादी हमेशा बाकी समुदायों से ज्यादा रहे। इससे उनका हर क्षेत्र में ज्यादा प्रभाव रहेगा और वह अपने हित में सरकार को फैसला करने के लिए मजबूर कर सकेंगे।ज्यादा आबादी का परिणाम यह होता है कि सत्ता पर उसका हिस्सा ज्यादा रहता है। उसका राजनीतिक नेतृत्व प्रभावी रहता है।ज्यादा आबादी मतलब ज्यादा लंबे समय तक समुदाय बना रहेगा,बचा रहेगा।यह प्रकृति का नियम है जो संख्या में ज्यादा होते हैं, वह बचे रहते हैं। विश्व में बचे रहने के लिए अपनी संख्या ज्यादा रखने का प्रयास सब करते हैं,हिदुओं को भी करना होगा।

प्रासंगिक

तो इन्हें है देश के सम्मान की चिंता ?

तनवीर जाफ़री

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के निशाने पर हैं। दरअसल पिछले दिनों न्यूयॉर्क स्थित अमेरिका की



कोलंबिया यूनिवर्सिटी में संवाद के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि भारत "आर्थिक संकट " के मुहाने पर खड़ा है और यहाँ बेरोज़गारी, शिक्षा व्यवस्था तथा चुनावी प्रक्रिया को लेकर गंभीर समस्याएं हैं। भाजपा राहुल गाँधी द्वारा विदेश जाकर की जाने वाली ऐसी आलोचनाओं को सहन नहीं कर पाती और इसे देश विरोधी प्रचार बताती है। राहुल गांधी के भाषण पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने इसे देश को बदनाम करने वाला बताया और उनके इस इस दावे को भी ख़ारिज किया कि भारत की अर्थव्यवस्था ख़त्म हो चुकी है या आर्थिक संकट में है। रिजिजू ने यह आरोप भी लगाया कि राहुल गांधी ने भारत की सभ्यता, परंपराओं, लोकतंत्र और संविधान को कमज़ोर करने वाली मानसिकता बना ली है। उन्होंने यह संगीन आरोप भी लगाया कि देश-विरोधी और वामपंथी विचारधारा वाली ताक़तें उन्हें प्रभावित कर रही हैं या उकसा रही हैं। रिजिजू ने राहुल को सुझाव दिए कि वे भारतीय अर्थव्यवस्था को "मृत" या ख़त्म बताने वाले झूठे दावे करना बंद करें। भाजपा के अन्य कई नेता पहले भी राहुल गांधी की विदेश में की जानी वाली इसतरह की टिप्पणी पर अपनी ऐसी ही तीखी प्रतिक्रिया देते रहे हैं। सवाल यह है कि क्या भारतीय अर्थव्यवस्था पर मंडराते संकट की बात केवल राहुल गांधी ही कहते हैं या देश के अन्य कई प्रमुख अर्थशास्त्री भी ऐसे ही विचार रखते हैं ? सच तो यह है कि पहले भी भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर देश और दुनिया के कई प्रमुख अर्थशास्त्रियों, पूर्व नीति-निर्माताओं और राजनेताओं ने समय-समय पर गंभीर चेतावनियां दी हैं। वे भी देश में अर्थव्यवस्था को लेकर संरचनात्मक संकट, बेरोज़गारी और धीमे निजी निवेश जैसे शब्दों का प्रयोग कर चुके हैं। उदाहरणार्थ पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन भारत के जीडीपी आंकड़ों की गणना पद्धति, निजी निवेश में सुस्ती, रोज़गार सृजन की कमी और जीएसटी के बाद अनौपचारिक क्षेत्र को हुए नुक़सान पर लगातार गंभीर चिंता जताते रहे हैं । नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अभिजीत बनर्जी ने मध्यम वर्ग की स्थिर या घटती वास्तविक आय और महंगाई के कारण बढ़ रहे आर्थिक दबाव को लेकर चेतावनी दी है। इसी तरह पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने ऊर्जा आयात पर निर्भरता, रुपये की गिरावट और विदेशी पूंजी के बाहर जाने जैसे मुद्दों को उठाते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था की संवेदनशीलता पर चिंता व्यक्त की है। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन और कौशिक बसु जैसे अर्थशास्त्रियों ने भी अलग-अलग समय पर नोटबंदी के असर, जीडीपी की गणना में संभावित विसंगतियों, घटते निर्यात और रोज़गार संकट को लेकर सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना की है। इसके अतिरिक्त भाजपा नेता व अर्थशास्त्री सुब्रमण्यम स्वामी भी अपनी ही पार्टी की सरकार की कई आर्थिक नीतियों—विशेषकर जीएसटी, नोटबंदी और बैंकिंग नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए अर्थव्यवस्था के सामने गंभीर संकट की चेतावनी देते रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री व अर्थशास्त्री स्व डॉ. मनमोहन सिंह व पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम बेरोज़गारी, महंगाई और मध्यम वर्ग की थमी हुई आय को देश की तीन सबसे बड़ी आर्थिक चुनौतियां बता चुके हैं। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने तो नोटबंदी और जीएसटी के क्रियान्वयन को देश की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका बताया था। इतना ही नहीं बल्कि विदेशी पोर्टफ़ोलियो निवेशकों ने जनवरी से अक्टूबर 2026 के बीच भारतीय शेयर बाज़ार से लगभग 2.95 लाख करोड़ अर्थात क़रीब 35 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निवेश वापस निकाला है। हालांकि नवंबर 2026 में इन विदेशी निवेशकों द्वारा पुनः क़रीब 10.6 अरब की रिकॉर्ड वापसी भी की गयी है। फ़रवरी 2026 में ईरान पर हुए हमले और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक निवेशकों ने ज़ोख़िम भरे बाज़ारों से पैसा निकालना शुरू किया। इसी लिए अकेले मार्च महीने में ही रिकॉर्ड 13 अरब डॉलर की निकासी हुई। वैश्विक अस्थिरता के कारण कच्चे तेल के दाम बढ़े, जिससे भारत का आयात बिल बढ़ने और महंगाई की आशंका पैदा हुई।



10-साल के अमेरिकी सरकारी बॉन्ड पर 5.2% से अधिक का सुरक्षित रिटर्न मिलने के कारण निवेशकों ने भारतीय बाज़ार के मुक़ाबले अमेरिका में पैसा लगाना अधिक फ़ायदेमंद समझा। परन्तु सरकार का दावा है कि भारत 7% या उससे अधिक की दर से बढ़ने वाली दुनिया की सबसे तेज़ प्रमुख अर्थव्यवस्था है और पिछले 12-13 वर्षों में लगभग 50 करोड़ लोग ग़रीबी से बाहर आए हैं। दूसरी यही सरकार यह कहकर भी अपनी पीठ स्वयं थपथपाती रहती है कि वह देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन उपलब्ध करा रही है। अब रहा सवाल विदेश की धरती पर भारत की बदनामी कराने का तो इस बदनामी का मापदंड आख़िर कौन तय करेगा ? याद कीजिये मई 2015 में चीन के शंघाई और दक्षिण कोरिया के सियोल में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह टिप्पणी जिसमें उन्होंने कहा था कि 'एक दौर ऐसा था जब लोग सोचते थे कि उन्होंने पिछले जन्म में कौन-सा पाप किया था जो भारत में पैदा हुए,यह कैसा देश है और कैसी सरकार है, और लोग बाहर चले जाना चाहते थे।' प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी पर भारत में तीखी राजनीतिक बहस हुई थी। उस समय कई विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान की आलोचना करते हुए कहा था कि विदेश में जाकर यह कहना कि भारत में जन्म लेना किसी पिछले पाप या अभिशाप जैसा माना जाता था, राष्ट्रीय गौरव को ठेस पहुँचाने वाला है। इसी तरह भाजपा और उसके समर्थक जवाहरलाल नेहरू की कई नीतियों और निर्णयों का मूल्यांकन करते हुए उनकी आलोचना करते हैं। जबकि कांग्रेस नेताओं का कहना है कि नेहरू ने आधुनिक भारत, लोकतांत्रिक संस्थाओं, सार्वजनिक उपक्रमों और शैक्षणिक संस्थानों की नींव रखी, और उनके योगदान को नज़रअंदाज़ कर उन पर लगातार हमले किए जाते हैं।विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी के ही ऐसे और भी कई बयानों व गतिविधियों को देश की बदनामी करने वाली बताता है। जैसे कि अप्रैल 2015 में कनाडा के टोरंटो में प्रवासी भारतीयों की सभा में मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा था—"जिनको गंदगी करनी थी, गंदगी करके चले गए, हम सफ़ाई करके जाएंगे" और "हमारा मिशन 'स्किल इंडिया' है, न कि 'स्कैम इंडिया'।" उस समय कांग्रेस नेताओं ने इसे विदेशी धरती पर देश की पिछली उपलब्धियों और लोकतांत्रिक परंपरा का अपमान क़रार दिया। इसी तरह दिसंबर 2015 में मॉस्को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ़ ऑनर के दौरान जब भारतीय राष्ट्रगान बज रहा था, तब मोदी अनजाने में आगे बढ़ने लगे थे तब एक रूसी अधिकारी ने उन्हें हाथ पकड़कर पीछे रोका था। विपक्ष ने इसे प्रोटोकॉल की चूक और असहज करने वाली घटना बताया था। अभी हाल ही में गत 17 नवंबर को फिलीपींस के मनीला में क्वाड शिखर सम्मेलन के ग्रुप फोटो सेशन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फर्श पर रखा एक स्पॉट मार्कर उठाकर अपनी जेब में रख लिया था। आलोचकों ने इसे लेकर सवाल उठाए। आयोजकों ने ग्रुप फोटो के दौरान नेताओं के खड़े होने की जगह तय करने के लिए फर्श पर देश के झंडे वाले छोटे मार्कर/कार्ड लगाए थे। 2015 व 2019 के ब्रिक्स सम्मेलनों में भी फर्श पर झंडे के मार्कर होने के कारण उन्हें नहीं उठाया गया था। विपक्ष के नेताओं व आलोचकों द्वारा इसे भी वैश्विक मंच पर देश की शर्मिंदगी करने वाला बताया गया। इसलिए विपक्ष पूछता है कि समय समय पर देश का अपमान करने वालों को आख़िर देश के सम्मान की चिंता क्यों सताती रहती है ?

राशिफल

मेष राशिः नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को मनचाही खबर मिल सकती है। लंबे समय से प्रतीक्षित अवसर मिलने के योग हैं। अविवाहित लोगों की मुलाकात किसी खास व्यक्ति से हो सकती है। परिवार और रिश्तेदारों का सहयोग आत्मविश्वास बढ़ाएगा। बेवजह की बहस से बचें। विद्यार्थियों की एकाग्रता बढ़ेगी और पढ़ाई में मन लगेगा।

वृषभ राशिः मन में बेचैनी या असमंजस रह सकता है, लेकिन मेहनत और समझदारी से आर्थिक स्थिति संभालने में सफल रहेंगे। निवेश संबंधी जानकारी गोपनीय रखें। शेयर बाजार में सोच-समझकर कदम उठाएं। किसी करीबी के अचानक आने से खुशी मिलेगी। शाम को दोस्तों के साथ समय बिताने का अवसर मिल सकता है।

मिथुन राशिः लंबे समय से की जा रही मेहनत रंग ला सकती है। कार्यक्षेत्र में सफलता और सराहना मिलने के संकेत हैं। पुराने मित्र से मुलाकात सुखद रहेगी। संतान के लिए खरीदारी पर खर्च बढ़ सकता है। अनजान लोगों की मीठी बातों में आकर भरोसा न करें और पूरी जानकारी के बाद ही निर्णय लें।

कर्क राशिः कुछ मामलों में उलझन रह सकती है, इसलिए जल्दबाजी से बचें। परिवार में मतभेद होने की आशंका है। बातचीत और आपसी समझ से विवाद सुलझाने का प्रयास करें। संपत्ति और कर्ज से जुड़े मामलों में सकारात्मक प्रगति हो सकती है। सरकारी कामकाज में देरी संभव है।

सिंह राशिः आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा। लंबे समय से अटके काम पूरे होने से राहत मिलेगी। कारोबारी साझेदार के साथ नई योजनाओं पर चर्चा हो सकती है। निवेश के नए विकल्प सामने आएंगे, लेकिन जल्दबाजी में पैसा लगाने से बचें। बचत और भविष्य की जरूरतों का ध्यान रखें।

कन्या राशिः किसी बड़े लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हो सकती है। जरूरतमंद की मदद करने का अवसर मिलेगा। यात्रा की योजना फिलहाल टालना बेहतर रहेगा। माता-पिता की सलाह उपयोगी साबित होगी। संतान के भविष्य या करियर से जुड़ा महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है।

तुला राशिः सूझबूझ और सतर्कता से विरोधियों की कोशिशों को नाकाम कर सकते हैं। किसी बड़ी इच्छा के पूरी होने से मन प्रसन्न रहेगा। आय का नया स्रोत मिलने के संकेत हैं। सामाजिक सेवा या परोपकार के काम में योगदान देने पर सम्मान और सराहना मिल सकती है।

वृश्चिक राशिः परिवार और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। जीवनसाथी के साथ छोटी बात पर अनबन हो सकती है, जिसे बातचीत से सुलझा सकते हैं। कारोबारियों को बड़ा ऑर्डर या नया अवसर मिलने की संभावना है। वाहन चलाते समय सावधानी रखें और गैरजरूरी खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखें।

धनु राशिः समाज में मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। घर में मांगलिक आयोजन की तैयारियों से खुशी का माहौल रहेगा। सरकारी कामकाज में प्रगति के संकेत हैं। दूर रह रहे प्रियजन की याद भावुक कर सकती है। संतान के करियर से जुड़े फैसले सोच-समझकर लें।

मकर राशिः मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके अनुशासन और जिम्मेदारी की सराहना होगी। सामाजिक कार्यों में योगदान से प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पुरानी गलतियों से सीख लेकर बेहतर फैसले कर पाएंगे। कार्यस्थल पर सतर्क रहें और आर्थिक लेन-देन में सावधानी बरतें।

कुंभ राशिः नए काम की शुरुआत के लिए अवसर मिल सकते हैं। रिश्तेदारों से छोटी बात पर मतभेद होने की आशंका है, लेकिन परिवार के बड़ों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में महिला मित्रों या सहयोगियों से लाभ हो सकता है। यात्रा के दौरान उपयोगी जानकारी मिलेगी। वाहन खरीदने की इच्छा पूरी होने के योग हैं।

मीन राशिः मन में दुविधा रह सकती है, इसलिए महत्वपूर्ण फैसले सोच-समझकर लें। कारोबार की कोई बड़ी डील अटक सकती है। कार्यक्षेत्र में तनाव बढ़ाने वाले लोगों से दूरी रखें। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में अनावश्यक बहस से बचें और खानपान व स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

जनगणना के नए नियम पर विवाद क्यों

छह साल की देरी से हो रही जनगणना के लिए इसके नियमों में संशोधन किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आने वाले भारत के महापंजीयक कार्यालय ने जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 18 की उपधारा एक के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए जनगणना नियम 1990 में कुछ और बदलाव करने के लिए निर्देश जारी किए हैं। इनमें प्रस्तावित बदलावों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने आपत्ति दर्ज कराई है। कांग्रेस की आपत्तियों पर बात करने से पहले उन दो बदलावों को रेखांकित करने की आवश्यकता है, जो अपनी प्रकृति में बिल्कुल नई हैं। पहला, महापंजीयक कार्यालय ने पहली बार सरकारी स्कूलों व कार्यालयों के कर्मियों के साथ साथ निजी स्कूलों और ट्रस्टों के कर्मियों को भी जनगणना के काम में शामिल करने का प्रस्ताव किया है और दूसरा, किसी सामान्य नागरिक को भी बतौर वॉलंटियर इसमें शामिल करने का प्रस्ताव है। महापंजीयक कार्यालय की ओर से 16 अक्टूबर को जारी अधिसूचना के मुताबिक, 'ऐसा कोई व्यक्ति, जिसे राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन, प्रगणक के रूप में कर्तव्यों का निष्पादन करने के लिए उपयुक्त समझे उसे जनगणना के काम में लगाया जा सकता है।कांग्रेस ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति की है। कांग्रेस का कहना है कि राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के लोगों को जनगणना के काम में शामिल करने के लिए यह बदलाव किया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया है कि इस साल 10 से 12 जुलाई को कर्नाटक के बेलगाम में आरएसएस के कार्यकर्ताओं का एक बड़ा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था, जिसका एकमात्र एजेंडा जनगणना 2027 था। उनका कनहा है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 26 मई 2026 को देश की बदलती डेमोग्राफी पर सुझाव देने के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया था। उस कमेटी में सभी सदस्य आरएसएस हैं और उसके सुझाव पर ही जनगणना के नियमों में बदलाव किया जा रहा है। कांग्रेस को आशंका है कि डेमोग्राफी पर बनी कमेटी और आरएसएस के लोगों को जनगणना में शामिल करके एसआईआर की तरह जनगणना के आंकड़ों में भी खतरनाक तरीके से हेरफेर किया जाएगा। हालांकि खतरनाक रूप से क्या हेराफेरी हो सकती है यह कांग्रेस ने नहीं बताया है। फिर भी कांग्रेस की आशंका को आधारहीन बता कर खारिज नहीं किया जा सकता है। लेकिन सवाल है कि क्या भारत में ऐसी एक व्यवस्था की आवश्यकता नहीं है, जहां वालंटियर्स यानी स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं की मदद से जनगणना, मतदाता सूची के पुनरीक्षण, सामाजिक व आर्थिक सर्वेक्षण, नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे जैसे काम कराए जाएं?

ध्यान रहे दुनिया भर के देशों में ऐसी व्यवस्था है। पता नहीं कांग्रेस और दूसरी पार्टियों ने कभी इसका अध्ययन करने का प्रयास किया है या नहीं कि अमेरिका में लगभग पूरा चुनाव वालंटियर्स की देखरेख में होता है। वहां भारत के चुनाव आयोग जैसी कोई केंद्रीय संस्था नहीं है। राज्यों में अपनी अपनी संस्थाएं हैं। लेकिन उनमें भी बहुत लंबी चौड़ी वर्क फोर्स नहीं है और न चुनाव कराने के लिए स्कूलों के शिक्षक व सरकारी कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर शामिल किया जाता है। थोड़े से सरकारी कर्मचारी और ढेर सारे वॉलंटियर मिल कर चुनाव कराते हैं। दशकों से ऐसे ही चुनाव होते हैं और डोनाल्ड ट्रंप के आने से पहले किसी ने चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप भी नहीं लगाए थे। भारत में इस तरह की व्यवस्था बनाने की बहुत आवश्यकता है।भारत में आजादी के बाद से ही तदर्थ प्रक्रिया चल रही है। सरकारी कर्मचारियों को और उसमें भी सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को किसी भी तरह की ड्यूटी में लगा दिया जाता है। मतदाता सूची का 'संक्षिप्त या 'विशेष संक्षिप्त या 'विशेष गहन पुनरीक्षण होना है तो सरकारी शिक्षक करेंगे, मतदान कराना है तो सरकारी शिक्षक कराएंगे, मतगणना करनी है तो सरकारी शिक्षक करेंगे, सामाजिक व आर्थिक सर्वे करना हो, नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे करना हो, पशुओं की गिनती करनी हो, टीकाकरण करना हो, कोरोना या बाढ़ जैसी कोई महामारी में राहत बांटना हो, सारे काम सरकारी शिक्षकों को करने होते हैं। कुछ दिन पहले ही एक शिक्षक ने सोशल मीडिया में तंज करते हुए कहा कि वह तो अच्छा है कि सरकार कृषि कार्य नहीं कराती है अन्यथा फसलों की बुवाई, कटाई भी सरकारी स्कूल के शिक्षक करते। सचमुच ऐसी ही स्थिति है। इसका सीधा असर शिक्षा व्यवस्था पर पड़ता है।

अब्बू की गोदी में अम्मी के किस्से

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

हाल ही में मुल्क के एक बेहद मशहूर सियासी खानदान की बड़ी बहू की लिखी किताब का शाही जलसा हुआ। जलसे की रौनक तब दोगुनी हो गई जब उनके साहबजादे ने स्टेज पे से अपने बचपन की एक ऐसी मीठी याद सुना दी कि सुनने वालों के चेहरों पे गुदगुदी सी दौड़ गई। साहबजादे ने बड़े मासूम अंदाज में फरमाया कि जब वे छोटे थे, तो हर बार खाने की मेज पर उनकी अम्मी जान उनके अब्बा हुजूर की गोद में बैठ के ही खाना खाया करती थीं। अब यारो, हम हैदराबादी मिजाज के लोगों के लिए तो यह खबर किसी शाही दावत की खुशबू से कम नहीं थी। चारमीनार के कमान से लेके हुसैन सागर के किनारे टहलने वाले बुजुर्गों तक, हर गली और चौरस्ते पर इसी 'गोद-ए-खास' के अफसाने पर ऐसी-ऐसी चटपटी गुफ्तगू शुरू हुई कि क्या बोलना!

हमारे मोहल्ले के पुराने ईरानी कैफे वाले उस्ताद रहमान की दुकान पे तो सुबह से ही लोगों का हुजूम लगा हुआ है। उस्ताद रहमान कपड़े की छन्नी से उबलती चाय छानते हुए अपने खास दक्कनी लहजे में बोले, "अरे इस्माइल भाई, सुने तुम क्या चल रहा सो है? बड़े घरों के नखरे और मोहब्बत के अंदाज भी एकदम निराले रहते जी। हमारे पास तो घरवाली अगर किचन से पानी का गिलास भी लाके दे दी तो हम खुद को बहुत खुशनसीब मानते, और वहां खाने की मेज पर बाकायदा गोद का तख्त-ए-ताऊस सजा रहता था। हौले-हौले निवाले चल रहे सो हैं और नीचे कुर्सी भी 'सब ठीक है' बोल के खामोश बैठी है!"

पास ही लकड़ी की चरमराती बेंच पे बैठे मास्टर मजीद साहब ने अपना मोटा चश्मा नाक की नोक पे सरकाया और लंबी आह भरते हुए बोले, "भाई रहमान, तुम ठहरे खालिस देसी आदमी, तुम क्या जानो विलायती नजाकत और शाही मोहब्बत के तौर-तरीके। अरे हम तो जब से शादी करके लाए हैं, हमारी बेगम साहिबा ने आज तक हमें अपनी खुद की कुर्सी पे भी सुकून से बैठने नहीं दिया, गोद में बिठाना तो बहुत दूर की बात है। कल ही की बात है, हमने जरा सा अखबार खोला ही था कि बेगम साहिबा ने झाड़ू का ऐसा तिरछा इशारा किया कि हम खुद ही अपनी कुर्सी छोड़ के कोने में खिसक गए। अब बताओ, ऐसे में हम कहां से शाही दस्तरख्वान के ख्वाब देखें? हमारे घर में तो गोद सिर्फ एक ही है...अखबार की, जिसमें हम रोज अपनी किस्मत का रोना रोते हैं।"

इतने में मोहल्ले के सबसे बुजुर्ग, हरफनमौला और फलसफी मिजाज के नवाब जहांगीर खान अपनी चांदी की मूठ वाली छड़ी टेकते हुए आ पहुंचे। जहांगीर खान की खासियत है कि वे हर मामूली बात में भी पुराने जमाने की नफासत और फलसफा ढूंढ ही लेते हैं। उन्होंने पान की गिलौरी मुंह में दबाई, पीक को सलीके से संभाला और आंखें नचाते हुए फरमाया,



"अरे मियां, इस बात का इतना बतंगड़ काहे को बना रहे हो? अरे मोहब्बत का तकाजा ही यही है कि मियां-बीवी में इतनी नजदीकी रहे कि दाल-चावल भी एक ही प्लेट और एक ही कुर्सी पर नसीब हो जाए। मगर हां, जरा उस मंजर का खयाल तो करो कि जब दस्तरख्वान पर दम की बिरयानी, मटन कोरमा, खट्टे का सालन और गरम रुमाली रोटियां सजी हों, और बेगम साहिबा शौहर की गोद में बैठ के निवाला तोड़ रही हों। इसमें सबसे बड़ा इम्तिहान तो उस बेचारे शौहर की कमर और घुटनों का होता होगा। एक तरफ दाएं हाथ से निवाला मुंह में डालना है और दूसरी तरफ कुर्सी और घुटनों का बैलेंस भी संभाल के रखना है। जरा सी चूक हुई नहीं कि मिर्ची का सालन सीधे जरीदार शेरवानी पे! इसी को बोलते हैं...ऊपर शेरवानी, अंदर परेशानी। सारी नजाकत धरी की धरी रह जाए और बाद में ड्राई-क्लीनर के पास जाके 'हौ मियां, जरा दाग निकालो' बोलना पड़े।"

जहांगीर खान की इस बात पर पूरे कैफे में ऐसा जोरदार ठहाका गूंजा कि बाहर छज्जे पर बैठे कबूतर भी घबरा के फड़फड़ाते हुए उड़ गए। तभी वहां से गुजरते हुए सेठ वेंकट राव भी अपनी भारी-भरकम तोंद संभालते हुए रुक गए। वेंकट राव का वजन इतना है कि वे अकेले बैठें तो पूरी की पूरी सागौन की बेंच भी रहम की भीख मांगने लगती है। उन्होंने बड़ी मायूसी से कहा, "भैया जहांगीर खान, यह सब दुबले-पतले और सुक्खे बदन वालों के ही चोंचले हैं। जरा सोचो, अगर हमारी घरवाली पद्मावती ने यह खबर पढ़ ली और कल सुबह नाश्ते के टाइम हमारी गोद में बैठने की जिद पकड़ ली, तो हमारा क्या हाल होगा? अरे लुखमी और उस्मानिया बिस्किट तो पेट में जाने से रहे, उल्टा हमारे दोनों घुटनों का कचूमर निकल जाएगा और मोहल्ले के हकीम साहब के पास हमें चारपाई पर लाद के ले जाना पड़ेगा। वैसे भी आजकल के जमाने में तो कुर्सियां भी इतनी कमजोर आती हैं कि दो लोगों का बोझ उठाना तो छोड़ो, जोर से फूंक मारो तो चारों खाने चित्त हो जाती हैं।"

मास्टर मजीद साहब ने चाय का घूंट भरते हुए चुटकी ली, "वेंकट भाई जान, आप फिक्र नक्को करो। भाभी जी बहुत समझदार हैं, उनको मालूम है कि आपकी गोद में बैठने से अच्छा है कि अपने मायके पैदल ही निकल लिया जाए। वैसे एक बात तो माननी पड़ेगी कि उस साहबजादे ने यह दास्तान सुना के देश के तमाम शौहरों के लिए एक नई मुसीबत खड़ी कर दी है। अब हर घर में शाम की ईरानी चाय पे यही सवाल उठेगा कि देखो जी, बड़े लोग कैसे प्यार जताते हैं, एक तुम हो कि खाना खाते वक्त भी मोबाइल या टीवी में घुसे रहते हो। ऊपर से सियासत के गलियारों में भी अब इस बात पर गहरी बहस छिड़ेगी कि किसकी कुर्सी कितनी मजबूत है और किसकी गोद में कितनी जगह बाकी है।"

उस्ताद रहमान ने एक और कप में गरम चाय उंडेलते हुए कहा, "अरे मास्टर साहब, मुसीबत सिर्फ शौहरों की नहीं है, जरा उन बावर्चियों और खानसामों की हालत सोचो जो उस वक्त खाना परोसते होंगे। बेचारे समझ ही नहीं पाते होंगे कि पहले साहब की प्लेट में बिरयानी डालें या मेमसाहब की प्लेट में। और अगर गलती से गरम निहारी या दाल का चम्मच छलक गया, तो दो-दो लोगों के एक साथ उछलने का जो मंजर बनता होगा, वह किसी सर्कस के खेल से कम न रहा होगा। ऊपर से बच्चों की मासूम निगाहें, जो यह समझती होंगी कि दुनिया में खाना खाने का यही एक शाही तरीका है और बगैर गोद के तो निवाला गले से नीचे उतरता ही नहीं।"

नवाब जहांगीर खान ने अपनी छड़ी हवा में घुमाई और दाढ़ी पर हाथ फेरते हुए बोले, "मियां, तुम लोग सिर्फ खाने की मेज की गोद देख रहे हो, मगर जरा जिंदगी के फलसफे पे गौर करो। इस दुनिया में हर इंसान किसी न किसी गोद की तलाश में भटक रहा है। बचपन में इंसान मां की गोद में सुकून पाता है, जहां न किसी बिल की फिक्र होती है न दुनियादारी की। जवानी आती है तो बंदा महबूबा की गोद के ख्वाब देखता है, जहां चांद-तारे तोड़ने के वादे होते हैं। फिर शादी के बाद आदमी जिम्मेदारियों की गोद में ऐसा जा गिरता है कि कमर सीधी करने की फुर्सत नहीं मिलती।

उधर हमारे सियासी रहनुमा हैं, जिन्हें जिंदगी भर सियासी कुर्सी और वोट बैंक की गोद ही सबसे प्यारी लगती है...एक बार उस गोद में बैठ जाएं तो फिर मजाल है कि कोई उन्हें हिला सके! और आखिर में, जब बुढ़ापा आता है, तो इंसान यादों की गोद में सिर रख के पुराने किस्से दोहराता है, ठीक वैसे ही जैसे उस साहबजादे ने अपने वालिदैन की मोहब्बत का किस्सा सुनाया।"

जहांगीर खान की इस गहरी बात पर कैफे में पल भर के लिए सन्नाटा सा छा गया, फिर सबने एक साथ "वाह-वाह, क्या बात कही नवाब साहब!" कह के मेज थपथपा दी। जहांगीर खान ने बात पूरी करते हुए कहा, "आजकल के नौजवान तो एक ही मेज पर आमने-सामने बैठ के भी एक-दूसरे को व्हाट्सएप पे मैसेज भेजते हैं और खाना ठंडा होने तक तस्वीरें खींचते रहते हैं। ऐसे दौर में अगर किसी ने अपने मां-बाप की इस अनोखी मोहब्बत को याद किया है, तो इसे सियासत की ऐनक से देखने के बजाय दिल की नरमी से देखना चाहिए। आखिर मोहब्बत के भी अपने अलग-अलग दस्तूर होते हैं। किसी को ताजमहल बनवाने में सुकून मिलता है, तो किसी को खाने की मेज पर अपनी शरीक-ए-हयात को गोद में बिठा के निवाला खिलाने में जन्नत नजर आती है।"

कैफे में महफिल का रंग पूरी तरह जम चुका था, बाहर हैदराबाद की धूप तेज हो गई थी और सब लोग अपने-अपने घरों की तरफ इस मीठी गुदगुदी और गोद के नए फलसफे को साथ लेके चल पड़े। जबकि रास्ते भर सेठ वेंकट राव पसीना पोंछते हुए ऊपर वाले से यही दुआ मांगते जा रहे थे कि हे भगवान, आज दोपहर के खाने में उनकी घरवाली का मूड बिल्कुल ठीक रहे और वे अपनी अलग, मजबूत कुर्सी पर ही बैठ के सुकून से बगारा बैंगन और रोटी का मजा लें!

विभिन्न विधाओं में युवाओं और महिलाओं ने दिखाई प्रतिभा, विजेता प्रतिभागी राज्य स्तरीय युवा उत्सव में लेंगे हिस्सा

एजुकेशन सिटी जावंगा में जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



गीदम, 22 नवंबर। राज्य खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग दंतेवाड़ा द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026 एवं महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन एजुकेशन सिटी जावंगा के ऑडिटोरियम तथा आस्था विद्या मंदिर इंग्लिश मीडियम स्कूल में किया गया। कार्यक्रम में जिले के युवाओं एवं महिलाओं ने अपनी कलात्मक, रचनात्मक एवं खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा जिला खेल अधिकारी एम. भार्गव के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना तथा खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों के प्रति प्रोत्साहित करना रहा।जिला स्तरीय युवा उत्सव में लोकनृत्य (समूह), लोकगीत (समूह), चित्रकला, कविता लेखन, पारंपरिक वेशभूषा, विकसित भारत चैलेंज ट्रैक, नुक्कड़ नाटक एवं क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज जैसी विधाओं को शामिल किया गया। प्रतिभागियों ने क्षेत्रीय भाषाओं में लोकगीत एवं लोकनृत्य प्रस्तुत कर बस्तर की समृद्ध लोकसंस्कृति की झलक दिखाई। चित्रकला प्रतियोगिता में नशामुक्त युवा एवं स्वस्थ जीवनशैली जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए गए। वहीं कविता लेखन में विकसित भारत, बस्तर की संस्कृति एवं प्रकृति से जुड़े विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दी गईं।पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता देखने को मिली। वहीं नुक्कड़ नाटक, विकसित भारत चैलेंज ट्रैक एवं क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज के माध्यम से युवाओं ने सामाजिक समस्याओं, प्रदेश के विकास और बस्तर की विरासत को रचनात्मक अंदाज में प्रस्तुत किया।कार्यक्रम सहायक खेल अधिकारी प्रदीप सिंह की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। विभिन्न विधाओं में निर्णायक की भूमिका सहायक प्राध्यापक सुरेश यादव, आस्था विद्या मंदिर जावंगा के प्राचार्य अंकित गुप्ता, व्याख्याता विश्वनाथ अमुजुरी, सक्षम अधीक्षक प्रमोद कर्मा, एकलव्य खेल परिसर अधीक्षक डिगेश्वर साहू, अधीक्षिका तृषा नायक, निलिमा कर्मकार, प्रभा यालम एवं प्रमोद साहू ने निभाई।वहीं महिला खेलकूद प्रतियोगिता में महिलाओं ने वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, फुटबॉल, खो-खो, हॉकी एवं बास्केटबॉल सहित विभिन्न खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार राशि के चेक एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर चंचल पैकरा, खंड शिक्षा अधिकारी भवानी पुनेम, रजनीश ओसवाल, श्रीकांत मोदी, विवेक कुमार, प्रकाश गुप्ता सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं पीटीआई उपस्थित रहे।प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में जिला स्तर पर विजेता रहे प्रतिभागी आगामी राज्य स्तरीय युवा उत्सव में रायपुर में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एक नजर

तीन किलो वजनी प्रेशर कुकर आईईडी बरामद

कांकेर, 22 नवंबर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के ग्राम मोरखंडी और हिंदुर के बीच जंगल-पहाड़ी इलाके में शनिवार को सुरक्षाबलों को सर्चिंग अभियान के दौरान जंगल-पहाड़ी क्षेत्र से करीब तीन किलो वजनी प्रेशर कुकर आईईडी बरामद किया गया। जवानों ने बरामद प्रेशर कुकर आईईडी को मौके पर ही सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए विस्फोट कर निष्क्रिय कर दिया। पूरी कार्यवाही में बीएसएफ 94वीं वाहिनी बादे के इंस्पेक्टर सुशील कुमार एवं बीडीएस टीम कमांडर मनोज कुमार का योगदान रहा।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिला पुलिस, बीएसएफ और बीडीएस की संयुक्त टीम सर्चिंग अभियान पर निकली थी। इसी दौरान टीम को संदिग्ध प्रेशर कुकर आईईडी मिला, जांच में इसका वजन करीब तीन किलो पाया गया। आईईडी बरामद होने के बाद बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) की टीम ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा मानकों के तहत उसे सुरक्षित तरीके से विस्फोट कर नष्ट कर दिया। फिलहाल इलाके में सुरक्षा बलों द्वारा सर्चिंग अभियान जारी है।

कचनार लैम्प्स की समिति प्रबंधक बी. ललिता राव निलंबित

जगदलपुर, 22 नवंबर। बस्तर जिले के कचनार लैम्प्स में खाद वितरण और किसानों के बैंक खातों में कथित गड़बड़ियों के मामले में पूर्व प्रभारी समिति प्रबंधक ललिता राव को निलंबित कर दिया गया है। किसानों का आरोप था कि समिति पहुंचने पर उन्हें खाद उपलब्ध नहीं होने की बात कहकर लौटा दिया जाता था, लेकिन दूसरी ओर उनके खातों में खाद के नाम पर कर्ज की प्रविष्टियां दर्ज मिल रही थीं। कुछ किसानों ने यह भी शिकायत की थी कि उनके फर्जी हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर खाद का उठाव दर्शाया गया है। कचनार लैम्प्स कार्यालय से जारी निलंबन आदेश में छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी सेवा नियम 2018 का उल्लेख किया गया है। आदेश के अनुसार, ललिता राव पर प्रबंधकीय कर्तव्य सूची में निर्धारित जिम्मेदारियों का सही ढंग से निर्वहन नहीं करने, काम में लापरवाही बरतने और बिना पूर्व सूचना कार्यस्थल से अनुपस्थित रहने जैसे आरोप लगाए गए हैं। जारी आदेश की प्रतिलिपि सहकारिता विभाग के उप आयुक्त एवं उप पंजीयक, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और बकावंड शाखा प्रबंधक को भी भेजी गई है।

सगीर खान को एक वर्ष के लिए किया जिलाबदर, 5 जिलों में प्रतिबंधित

कोंडागांव, 22 नवंबर। जिले के केशकाल क्षेत्र में लगातार आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहने वाले सगीर खान के खिलाफ केशकाल पुलिस की पहल पर जिला दण्डाधिकारी कोण्डागांव ने आरोपी को एक वर्ष के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत अब सगीर खान को कोण्डागांव समेत पांच जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर रहना होगा। केशकाल पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त और अशांति फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफआगे भी सख्त वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सगीर खान पिता शहजाद खान ;47 वर्षद्ध निवासी मौजमपारा केशकाल के खिलाफ वर्ष 2005 से 2023 के बीच केशकाल सहित अन्य थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें मारपीट, बलवाए शासकीय कार्य में बाधा पहुंचानेए धमकी देने सहित अन्य अपराध शामिल हैं। उसके खिलाफ समय.समय पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा चुकी है।

बच्चों में अच्छे संस्कारों का बीजारोपण आवश्यक:काशी प्रसाद तिवारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



कांकेर, 22 नवंबर। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़ पिछवाड़ी कांकेर में दो दिवसीय विषय आधारित प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ हुआ।

उद्घाटन अवसर पर विशेष अतिथि के रूप मे सरस्वती शिक्षा संस्थान के प्रादेशिक सचिव श्री लक्ष्मण राव मगर उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि शिशु मंदिरों के द्वारा अपने वैचारिक उद्देश्यों के तहत संस्कार पूर्ण व गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना हमारा उद्देश्य है। समाज में जो भी विकृतियां आई हुई हैं, उन्हें दूर कर एक संकल्पित भाव से अपने कार्यों में दक्षता हासिल कर निरंतर हम आगे बढ़ रहे हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय विभाग संचालक श्री काशी प्रसाद तिवारी ने कहा कि आचार्य पद गरिमा मय पद है। हम सबको अपना शिक्षकीय दायित्व सुंदर ढ़ंग से निभाना है। ताकि हम बच्चों में अच्छे संस्कारों का बीजारोपण कर सके।

विद्यालय के व्यवस्थापक व कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री अशोक राठी ने कहा कि समय समय पर शैक्षिक प्रशिक्षण आवश्यक होता है। इस प्रकार के प्रशिक्षण से पढ़ाने के कौशल में निखार आता है। गुणवत्ता पूर्ण प्रशिक्षण की महती भूमिका होती है। अतिथियों का आभार संस्थान प्रतिनिधि श्री विजय बेश्रा ने किया।विद्यालय के प्राचार्य श्री भूपेंद्र तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर श्री अजय जैन, श्री रामशरण जैन, विभाग समन्वयक श्री महेश भवसागर सहित समस्त प्रशिक्षक व प्रशिक्षार्थीगण उपस्थित थे।

मुक्ति रैली जन-जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कुरूद, 22 नवंबर। नशा मुक्ति रैली जन-जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया ग्राम मरौद में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के द्वारा बच्चों के द्वारा नशा मुक्ति जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया ग्राम मरौद में नशे के दुष्प्रभाव एवं दुष्परिणाम के प्रति जन जागरूकता फैलाने और नशा मुक्ति समाज के निर्माण का संदेश देने के उद्देश्य से जागरूकता रैली का आयोजन किया गया ।

इस रैली में समाज कल्याण विभाग जिला प्रशासन पुलिस विभाग बिहान स्व सहायता समूह नशा मुक्ति केंद्र कुरूद पंचायत प्रतिनिधियां विद्यालय के शिक्षक एवं स्कूली बच्चों ने उत्साह पूर्वक सहभागिता निभाई कार्यक्रम में पुलिस थाना कुरूद के थाना प्रभारी टीआई कमलेश ठाकुर विशेष रूप से सम्मिलित हुए रैली के माध्यम से ग्रामीणों को नशा से दूर रहने हैं युवाओं को नशा से बचाने एवं परिवार एवं समाज को नशा मुक्त बनाने का आवाहन किया गया वहीं नशा मुक्ति केंद्र के प्रबंधक लोमश बंजारे परामर्शदाता सुश्री कृतिका देवांगन एवं नर्स से यशोदा साहू ने सभी सहभागिता निभाई नशा केवल समाज में व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचता बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक व्यवस्था को प्रभावित करता है इस संदेश के साथ ग्रामीणों को नशा से दूर रहने और आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की गई रैली में विभिन्न संस्थाओं जनप्रतिनिधि महिलाएं और विद्यार्थियों का सामूहिक भागीदारी नहीं है संदेश दिया कि नशा मुक्त समाज का निर्माण केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है इस कार्यक्रम को सफल बनाने में बिहान के एसएसी सदस्य टिवंकल साहू कुरूद थाना के परामर्शदाता हेमाधि व ग्राम पंचायत मरौद के सरपंच राम सिंह पंच के श्री भार्गव स्कूल के अध्यक्ष हेमराज भार्गव उपाध्यक्ष भागीरथ भार्गव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मरोट के प्राचार्य एस एन राय निशा रानी वर्मा रीना मरकाम सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं बड़ी संख्या में इसको रैली में शामिल हुए नशा नाश का जड़ है भाई फल है इसका बड़े दुखदाई आदि तारों के माध्यम से स्लोगन के माध्यम से रैली स्कूल प्रांगण से प्रारंभ होकर पूरे ग्राम का भ्रमण किया गया औरअंत में सभा को नशा मुक्ति केंद्र के प्रबंधक लोमश बंजारे परामर्शदाता सुश्री कृतिका देवांगन के द्वारा संबोधित किया गया इस कार्यक्रम को पुलिस थाना कुरूद के थाना प्रभारी कमलेश ठाकुर द्वारा नशा के नुकसान के बारे में साथी साइबर क्राइम के बारे में यातायात व्यवस्था के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा किया गया।

स्कूल में नशा मुक्ति जन जागरूकता कार्यक्रम



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कुरूद, 22 नवंबर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डाही में कलेक्टर अविनाश मिश्रा की दिशा निर्देश में एवं डॉक्टर मनीषा पांडे के कुशल मार्गदर्शन में शांति मैत्री ग्रामीण विकास संस्थान एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा नशा मुक्ति जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव से अवगत कराया गया तथा इससे दूर रहने का सलाह दी। संस्था के प्रबंधक श्री लोमश बंजारे द्वारा नशे के दुष्प्रभाव से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया साथ ही इससे दूर रहने की सलाह दी। श्री बंजारे ने बताया कि नशा किस प्रकार हमारे युवा पीढ़ी को खोखला करते जा रहा है यह व्यक्ति को न सिर्फ शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचता है बल्कि उन्हें सामाजिक ,मानसिक, पारिवारिक और आर्थिक रूप से भी नुकसान पहुंचता है उन्होंने बताया कि युवा हमारे देश की रीढ़ है अतः वह नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन यापन करें और अपने भारत को विकसित करने में अपना विशेष योगदान प्रदान करें। संस्था की सामाजिक कार्यकर्ता हामनी यादव द्वारा विद्यार्थियों को गीत के माध्यम से नशे के दुष्प्रभाव से परिचित कराया गया साथ ही इससे दूर रहने को कहा। इसके साथ ही कार्यक्रम में संस्था की काउंसलर कृतिका देवांगन ने विद्यार्थीयों को नशे के प्रकार एवं अवस्था से अवगत कराया साथ ही बताया कि किस प्रकार नशा आज हमारे युवा पीढ़ी को बर्बाद करते चला जा रहा है। युवा हमारे देश की रीढ़ है अतः हमारे युवाओं को स्वस्थ रहना आवश्यक है साथ ही उन्होंने बताया कि हमारे देश में युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है अतः वह स्वस्थ जीवन व्यतीत कर विकसित भारत में अपना योगदान दे। देवांगन जी ने बताया कि हमारा देश 2047 को विकसित होने का संकल्प लिया है। लेकिन यह तभी संभव है जब हमारे युवा नशा से मुक्त हो अतः उन्होंने युवाओं से अपील की कि वह नशा मुक्ति रहकर विकसित भारत पर अपना योगदान प्रदान करें। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त शिक्षक गण मौजूद रहे साथ ही संस्था की सहायक नर्स यशोदा साहू एवं सहायक कार्यकर्ता सत्यम मनहरे व महेंद्र बंजारे भी उपस्थित रहे साथ ही विद्यार्थियों को नशा से दूर रहने का शपथ भी कराया गया।

गरीब बच्चों को शिक्षा से वंचित करना चाहती है सरकार

महासमुन्द, 22 नवंबर। आम आदमी पार्टी ने सरकार के उस निर्णय का विरोध किया है जिसमें सरकार सरकारी स्कूलों को निजी संस्थाओं को देने की तैयारी कर रही है। जिला संगठन मंत्री सकील खान ने कहा कि छत्तीसगढ़ में युक्ति युक्तकरण के नाम पर हजारों स्कूल को बंद कर देने के बाद अब सरकारी स्कूलों को 30 साल की लीज पर निजी संस्थाओं और एनजीओ को सौंपने की तैयारी पर उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा है कि आखिरकार सरकार सरकारी स्कूलों को मजबूत बनाने के बजाय उनके संचालन की जिम्मेदारी निजी हाथों में क्यों देना चाहती है? क्या सरकार यह मान चुकी है कि वह खुद बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दे सकती! सरकार शैक्षणिक सत्र 2027-28 से प्रदेश के 5 संभागों के 2007 सरकारी स्कूलों को पीपीपी मॉडल पर चलाना चाहती है इनमें 103 प्राथमिक और 104 पूर्व माध्यमिक विद्यालय हैं,इनका संचालन रखरखाव और प्रबंधन निजी हाथों में होगा।

बस्तर फाइटर्स के 79 पदों पर अब तक 1,100 से अधिक आवेदन जमा, अंतिम तिथि 12 दिसंबर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



जगदलपुर, 22 नवंबर। छत्तीसगढ़ पुलिस विशेष कार्यपालिक बल बस्तर फाइटर्स में आरक्षक बनने के लिए बस्तर जिले के युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। आरक्षक सेवा भर्ती ;भर्ती तथा सेवा की शर्तेद्ध नियम 2026 के तहत कुल 79 पदों के लिए चल रही प्रक्रिया में अब तक 1100 से अधिक युवा आवेदन जमा कर चुके हैं। 02 नवंबर 2026 से शुरू हुई इस भर्ती के लिए बस्तर जिले के स्थानीय निवासी पात्र अभ्यर्थी 12 दिसंबर की शाम 05 बजे तक आवेदन जमा कर सकते हैं।

स्थानीय युवाओं के बड़ी संख्या में फोर्स से जुड़ने से न केवल युवाओं को सम्मानजनक रोजगार मिल रहा है बल्कि में शांति और विकास कार्य की सुरक्षा बढ़ेगी। ग्ण् विकास परियोजनाओं और कैंपों की सुरक्षारू अंदरूनी इलाकों में बन रही सड़कोंए पुलोंए मोबाइल टावरोंए बिजली लाइनों और नए सुरक्षा कैंपों की निर्बाध सुरक्षा सुनिश्चित करना ताकि विकास कार्य बिना रुकावट पूरे हो सकें। सामुदायिक पुलिसिंग और सरकार का चेहराः दूरस्थ गांवों में शिक्षा स्कूल स्वास्थ्य केंद्र राशन दुकान और सरकारी योजनाओं को आम ग्रामीणों तक सुरक्षित पहुंचाने में प्रशासन और जनता के बीच सेतु ब्रिज का काम करना। आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास में सहयोगः मुख्यधारा में लौट रहे भटके हुए युवाओं के सामाजिक पुनर्वास और गांवों में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाना। पर्यटन और वनजीव संरक्षण की निगरानी नक्सलमुक्त बस्तर में ईको टूरिज्म तेजी से बढ़ रहा है। चित्रकोटए तीरथगढ़ से लेकर अंदरूनी जलप्रपातों व पर्यटन स्थलों पर आने वाले सैलानियों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था संभालना भी इनकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी।खोली और संस्कृति का सीधा जुड़ावः बस्तर के ग्रामीण इलाकों में गोंडीए हल्बीए भतरी और धुरवा जैसी स्थानीय बोलियां बोली जाती हैं। स्थानीय जवानों के होने से पुलिस और ग्रामीणों के बीच संवाद की खाई खत्म होगी और जनता का पुलिस पर भरोसा बढ़ेगा। चप्पे.चप्पे के भूगोल की सटीक समझः स्थानीय युवा अपने क्षेत्र के जंगलए पहाड़ए गर्दाडियों और नदी.नालों से भलीभांति परिचित होते हैं। इससे सुरक्षाबलों को दुर्गम इलाकों में मूवमेंट करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत नजर रखने में बड़ी रणनीतिक बढ़त मिलती है। उण् मजबूत खुफिया ;इंटेलिजेंसद्ध नेटवर्कः अपने ही समाज और गांवों से जुड़े होने के कारण स्थानीय जवानों को जमीनी स्तर की सटीक सूचनाएं आसानी से मिल पाती हैंए जिससे किसी भी आपराधिक या राष्ट्रविरोधी गतिविधि को शुरुआत में ही रोका जा सकता है। 4 रोजगार और पलायन पर रोकः दूरस्थ अंचलों के शिक्षित युवाओं को अपने ही जिले में सरकारी सेवा और वर्दी का सम्मान मिलने से बेरोजगारी घटेगी और युवा मुख्यधारा व राष्ट्र निर्माण से जुड़ेगी।पात्रता व अंतिम तिथिः केवल बस्तर जिले के स्थानीय निवासी पात्र हैं। आवेदन 12 दिसंबर 2026 की शाम 05 बजे तक कार्यालयीन समय में जमा किए जा सकेंगे। ध्क्षक के माध्यम से: पुलिस अधीक्षक ;एसपीद्ध कार्यालय जगदलपुर के पते पर पंजीकृत डाक से आवेदन भेजा जा सकता है। सीधे जमा करने के केंद्रए रक्षित केंद्र पुलिस लाइन जगदलपुर के अलावा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एसडीओपी कार्यालय केशलूरए लोहंडीगुड़ा और भानपुरी में भी सीधे आवेदन जमा किए जा रहे हैं। पारदर्शी चयनः पुलिस के अनुसार भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष पारदर्शी और योग्यता के आधार पर होगी।

शोएब ढेबर गिरफ्तारी की गोपनीय जानकारी लीक होने के मामले में नारायणपुर निरीक्षक निलंबित

नारायणपुर, 22 नवंबर। कांग्रेस नेता से 25 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में आरोपी शोएब ढेबर फरार चल रहा है। रायपुर पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए जुटी हुई है। साथ ही उस पर कुल 15 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है। इस मामले में शोएब की कथित मदद और गिरफ्तारी की गोपनीय जानकारी लीक होने के मामले में पुलिस विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए निरीक्षक विनीत दुबे को निलंबित कर दिया गया है। बस्तर आईजी बद्री नारायण मीणा ने निलंबन आदेश जारी किया है। यह कार्रवाई रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के 30 अक्टूबर को भेजे गए प्रतिवेदन के आधार पर की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार तेलीबांधा थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 403/2026 के मामले में निरीक्षक विनीत दुबे के संदिग्ध आचरण को निलंबन का आधार बनाया गया है। आरोप है कि फरार शोएब ढेबर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की ओर से बनाई गई योजना और गोपनीय जानकारी लीक हुई थी। बताया जा रहा है कि पुलिस ने खम्हारडीह इलाके में शोएब ढेबर की गिरफ्तारी के लिए दबिश देने की योजना बनाई थी, लेकिन कार्रवाई से पहले ही आरोपी वहां से निकल गया। इसके बाद गोपनीय सूचना लीक होने को लेकर पुलिस विभाग में जांच शुरू हुई। इस मामले में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट के आरक्षक शिवम द्विवेदी और राहुल सिंह गौतम को भी पहले ही निलंबित किया जा चुका है। अब नारायणपुर थाना निरीक्षक विनीत दुबे पर हुई कार्रवाई से मामला एक बार फिर चर्चा में है।

दरअसल, शोएब ढेबर कांग्रेस नेता आनंदमल कुकरेजा से 25 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। इससे पहले सेंट्रल डीसीपी की ओर से 05 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस तरह आरोपी की सूचना देने वाले के लिए कुल इनाम की राशि 15 हजार रुपये हो गई है। आरोपी की सूचना देने वाले व्यक्ति को घोषित इनाम की राशि दी जाएगी, पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई है। इस मामले में 14 सितंबर को प्रार्थी आनंदमल कुकरेजा के मोबाइल पर एक विदेशी नंबर से व्हाट्सऐप के जरिए धमकी भरे संदेश भेजे गए थे। संदेश भेजने वाले ने कथित तौर पर स्वयं को अमन साहू गैंग से जुड़ा बताते हुए 25 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। साथ ही प्रार्थी, उसके बेटे और परिवार के अन्य सदस्यों को जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। शिकायत के बाद तेलीबांधा थाने में अपराध दर्ज किया गया। मामले की जांच एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और तेलीबांधा पुलिस ने संयुक्त रूप से शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने शोएब ढेबर को पकड़ा था। उसके कब्जे से घटना से संबंधित पांच आईफोन जब्त किए गए थे, जिनकी कीमत करीब 05 लाख रुपये बताई गई थी। इसके बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया था। बाद में पुलिस ने मामले में दोबारा गिरफ्तारी की अनुमति के लिए अदालत का रुख किया था, जिसे मंजूरी मिल गई थी। इसके बाद से शोएब ढेबर पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। फिलहाल, फरार आरोपी शोएब ढेबर उसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

संघ के संरक्षकों ने पूर्व पदाधिकारियों को वित्तीय अनियमितता से बचाने चुनाव की घोषणा कर दी: मनीष राठौर

नारायणपुर, 22 नवंबर। जिले के नारायणपुर मालक परिवहन संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनीष राठौर संघ ने संरक्षकों की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि पूर्व पदाधिकारियों को वित्तीय अनियमितता के आरोपों से बचाने के लिए संरक्षकों ने आनन- फानन में चुनाव की अधिसूचना जारी की है। ताकि पूर्व पदाधिकारियों के सदस्यता समाप्ति के फैसले पर अनुमोदन न हो सके। इसके पूर्व भी 04 नवंबर को संरक्षकों ने यूनियन का कार्यभार अपने हाथों में ले लिया था, जबकि फर्म एवं संस्थाएं से पंजीकृत किसी भी संस्था में संरक्षकों को यह शक्तियां प्राप्त नहीं है। वर्तमान में पूर्व अध्यक्ष किशोर आर्य ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के निर्वाचन प्रक्रिया को अवैधानिक बताते हुये नये पदाधिकारियों और सहायक पंजीयक फर्म एवं संस्थाएं बस्तर संभाग के विरुद्ध रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं छत्तीसगढ़ में अपील प्रस्तुत की है,जिसकी अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। गौरतलब है कि



नारायणपुर मालक परिवहन संघ कार्यालय में 24 अक्टूबर को कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लेकर पूर्व अध्यक्ष किशोर आर्य,पूर्व सचिव कृष्ण कुमार गुप्ता और पूर्व कोषाध्यक्ष मुकेश पिंचा की सदस्यता समाप्त कर दी गई थी, जिसका अनुमोदन 14 नवंबर को होने वाले आमसभा में किया जाना तय था, लेकिन इस आमसभा से ठीक एक दिन पहले संघ के संरक्षकों ने 13 नवंबर की शाम चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी।

किसी भी पंजीकृत संस्था में वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर आमसभा आयोजित कर संघ के सदस्यों के समक्ष हिसाब किताब प्रस्तुत करने का नियम है, लेकिन पूर्व पदाधिकारियों द्वारा तय समय में सदस्यों के समक्ष हिसाब प्रस्तुत नहीं किया गया। साथ ही लगभग एक वर्ष पूर्व ट्रांसपोर्टर के साथ किए गए अनुबंध की जानकारी भी सदस्यों से अब तक छुपाई जा रही है। जिसे लेकर पूर्व पदाधिकारियों पर तरह-तरह के आरोप लग रहे हैं। बता दें वर्तमान में संघ के बैंक खाते में कुल 53 लाख ही जमा है, जबकि संघ के सदस्यों द्वारा जमा किये गए सदस्यता शुल्क की राशि ही 59,52,500/- रूपये है, इसके अतिरिक्त अनुमति मिलने के बाद जिन सदस्यों ने गाड़ी नहीं खरीदी, उनके द्वारा जमा किये गए 5-5 हजार की राशि को जोड़ा जाये तो ये आंकड़ा 60 लाख के पार हो जाता है। साथ ही प्रतिदिन प्रत्येक गाड़ी की लोडिंग के लिए काटी जाने वाली 100 रूपये की पर्ची से प्राप्त आय का भी संतुष्टिजनक हिसाब देने में पूर्व पदाधिकारी असफल रहे। लाखों रूपये की वित्तीय अनियमितता को छुपाने के लिए पूर्व पदाधिकारियों ने खर्च रुपयों को जनसरोकार का नाम देकर हिसाब को संतुलित करने का भरपूर प्रयास किया,लेकिन सदस्यों की जागरूकता के आगे पूर्व पदाधिकारी बेबस नजर आये।पूर्व पदाधिकारियों के रवैये से त्रस्त संघ के सदस्यों ने मई-जून से ही चुनाव की मांग शुरू कर दी थी,जिसके बाद तत्कालीन संरक्षकों राजेश दीवान, बृजमोहन देवांगन,धनराज जैन, विपुल सरकार और सोनाराम साहू ने 04 अगस्त को लिखित आदेश जारी किया। जिसमें उन्होंने लिखा कि चुनावी विषय पर संघ के विधि सलाहकार रवि भूषण राव से परामर्श ली गई, उन्होंने कहा कि सहायक पंजीयक फर्म एवं संस्थाएं बस्तर संभाग द्वारा अनुविभागीय दंडाधिकारी नारायणपुर को लिखित रूप से चुनाव कराने की अनुमति देने के बाद ही चुनाव कराया जायेगा। इसके बाद मजबूर सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव लाकर पूर्व पदाधिकारियों को पदच्युत कर दिया और इसके बाद नये पदाधिकारियों का निर्वाचन किया गया। लेकिन नये पदाधिकारियों के द्वारा कार्यभार संभालने के बाद से ही पूर्व पदाधिकारी सहित संरक्षक भी लगातार चुनाव करवाने को लेकर नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं।नारायणपुर मालक परिवहन संघ के बायलॉज पर नजर डाली जाए तो स्पष्ट है,कि संरक्षक बनने के लिए 30000 रूपये एकमुश्त या 01 साल में 12 किस्तों में देना अनिवार्य है, जबकि कुछ संरक्षक न ही यूनियन के सदस्य हैं और न ही उनके द्वारा उक्त राशि जमा की गई है। ऐसे में अब तय अहतार्ई को पूरा न कर पाने के कारण वर्तमान संरक्षकों के पद पर भी संकट मंडरा रहा है।नारायणपुर मालक परिवहन संघ के विधि सलाहकार रवि भूषण राव और शादान फारूकी ने कहा कि मालक परिवहन संघ के दोनों पक्ष के बीच चल रहा विवाद अभी थमा नहीं है। संघ के पूर्व पदाधिकारियों ने रजिस्ट्रार फर्म एवं संस्थाएं छत्तीसगढ़ के समक्ष अपना अपील प्रस्तुत किया है। नियमानुसार किसी भी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष मामला लंबित होते हुए चुनाव संभव ही नहीं है।

एक नजर

अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण से युवाओं को मिलेगा रोजगार का अवसर

रायगढ़, 22 नवम्बर। जिले के स्नातक एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण योजना संचालित की जा रही है। योजना के माध्यम से युवाओं को उद्योगों एवं विभिन्न प्रतिष्ठानों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे उन्हें कार्यक्षेत्र का अनुभव प्राप्त होने के साथ अपनी शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप रोजगार के अवसर हासिल करने में मदद मिलेगी।

योजना के तहत किसी भी संकाय से स्नातक एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण ऐसे युवा पात्र होंगे, जिन्होंने पिछले पांच वर्षों के भीतर अपनी परीक्षा उत्तीर्ण की है। पात्र युवा ग्रेजुएट एवं टेक्नीशियन अप्रेंटिस के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा अप्रेंटिसशिप इम्बेडेड डिग्री एवं डिप्लोमा प्रोग्राम के अंतर्गत अध्ययनरत विद्यार्थी भी निर्धारित शर्तों के अनुसार इसका लाभ ले सकेंगे। स्नातक एवं डिप्लोमा धारकों को प्रतिमाह मिलेगा स्टाइपेंड योजना के अंतर्गत ग्रेजुएट अप्रेंटिस को न्यूनतम 12 हजार 300 रुपये तथा डिप्लोमा अप्रेंटिस को न्यूनतम 10 हजार 900 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जाएगा। इसमें भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम स्टाइपेंड की 50 प्रतिशत राशि अधिकतम एक वर्ष तक प्रदान की जाएगी। यह सहायता राशि अप्रेंटिस के बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से भेजी जाएगी। तकनीकी स्नातक एवं डिप्लोमा धारकों के लिए प्रशिक्षण अवधि एक वर्ष निर्धारित है, जबकि गैर-तकनीकी स्नातक एवं डिप्लोमा धारकों के लिए छह माह से अधिकतम तीन वर्ष तक प्रशिक्षण का प्रावधान है। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग द्वारा प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा।योजना के क्रियान्वयन के लिए जिले के उद्योगों, एमएसएमई, स्टार्टअप, सार्वजनिक उपक्रमों, निजी संस्थानों, अस्पतालों, बैंकों एवं सेवा क्षेत्र से जुड़े प्रतिष्ठानों को अप्रेंटिस नियुक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे स्थानीय युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। योजना के माध्यम से युवाओं को उद्योगों की कार्यप्रणाली समझने, कार्य अनुभव हासिल करने और रोजगार के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों के पात्र स्नातक एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण युवाओं तक भी योजना की जानकारी पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है।

पुसौर के मेधावी विद्यार्थियों ने किया प्रतिष्ठित उच्च शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण



रायगढ़, 22 नवम्बर। विद्यार्थियों में उच्च शिक्षा के प्रति रुचि जागृत करने, उन्हें बेहतर शैक्षणिक अवसरों से परिचित कराने तथा भविष्य में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के उद्देश्य से विकासखण्ड पुसौर के मेधावी विद्यार्थियों एवं जिला स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया। भ्रमण में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के लगभग 100 प्रतिभावान विद्यार्थी शामिल हुए। विद्यार्थियों को प्रदेश के प्रतिष्ठित उच्च शैक्षणिक संस्थानों का प्रत्यक्ष अवलोकन कराते हुए वहां की शैक्षणिक व्यवस्था, अध्ययन सुविधाओं और करियर की संभावनाओं की जानकारी दी गई।शैक्षिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने नया रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचएनएलयू) तथा रायपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और नालंदा परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया, अध्ययन पद्धति, आधुनिक शैक्षणिक संसाधनों और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रतिष्ठित संस्थानों का प्रत्यक्ष अवलोकन विद्यार्थियों के लिए विशेष अनुभव रहा। उन्होंने संस्थानों की शैक्षणिक सुविधाओं, पुस्तकालयों, तकनीकी संसाधनों और अध्ययन वातावरण को करीब से देखा। जिन संस्थानों के बारे में विद्यार्थी अब तक पुस्तकों और इंटरनेट के माध्यम से जानकारी प्राप्त करते थे, उन्हें सामने देखकर उनके मन में उच्च शिक्षा के प्रति नई उत्सुकता और आत्मविश्वास का संचार हुआ। इस भ्रमण ने विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर दिया।

असामयिक वर्षा से फसल क्षति होने पर 72 घंटे के भीतर दें सूचना, टोल फ्री नंबर 14447 पर करें संपर्क

फसल बीमा के बीमित किसानों के द्वारा समय सीमा में जानकारी देने पर होगी कार्रवाई

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



गरियाबंद, 22 नवंबर। जिले में असामयिक वर्षा एवं प्रतिकूल मौसम के कारण प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमित किसानों की अधिसूचित फसलों को नुकसान होने पर किसान घटना के 72 घंटे के भीतर इसकी सूचना टोल फ्री नंबर 14447 पर दर्ज करा सकते हैं। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि फसल क्षति होने पर निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखें, ताकि नुकसान का सर्वेक्षण और नियमानुसार बीमा दावा प्रक्रिया पूरी की जा सके। उप संचालक कृषि ने बताया कि असामयिक वर्षा, जलभराव, ओलावृष्टि एवं अन्य स्थानीय आपदाओं के कारण मक्का, उड़द, मूंग, मूंगफली, अरहर, कोदो, कुटकी एवं रागी जैसी अधिसूचित फसलों को नुकसान होने पर संबंधित बीमित किसान तत्काल सूचना दर्ज कराएं।

धान की कटाई के बाद यदि फसल खेत में सुखाने के लिए रखी गई है और इस दौरान असामयिक वर्षा से नुकसान होता है, तो ऐसी स्थिति में भी घटना के 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर पर सूचना देना आवश्यक है। इस आदेश के बाद किसानों में नाराजगी है उनका कहना है 20 दिन पूर्व अनंब तूफान आकर जा चुका है उसके फसल नुकसान के लिए वे अब 20 दिन बाद कहां शिकायत करें बेहतर घंटे का समय को हुए कैसे वापस लाएं।

खरीफ मौसम 2026 के लिए 100 प्रतिशत फसल क्षति की स्थिति में प्रति हेक्टेयर धान सिंचित फसल के लिए 66 हजार रुपये तथा धान असिंचित फसल के लिए 49 हजार 500 रुपये की बीमा राशि निर्धारित की गई है। इसी प्रकार मक्का फसल के लिए 50 हजार 600 रुपये, अरहर के लिए 46 हजार 200 रुपये, उड़द एवं मूंग के लिए 27 हजार 500-27 हजार 500 रुपये तथा मूंगफली के लिए 51 हजार 700 रुपये प्रति हेक्टेयर बीमा राशि निर्धारित है। वहीं कोदो के लिए 19 हजार 800 रुपये, कुटकी के लिए 20 हजार 900 रुपये तथा रागी फसल के लिए 18 हजार 700 रुपये प्रति हेक्टेयर की बीमा राशि निर्धारित की गई है।

फसल क्षति की सूचना टोल फ्री नंबर 14447 पर दर्ज कराते समय किसानों को अपना नाम, मोबाइल नंबर, बैंक खाता विवरण, बीमित फसल का विवरण, पॉलिसी नंबर तथा फसल क्षति की घटना की तारीख और स्थान संबंधी जानकारी उपलब्ध रखनी होगी। इससे शिकायत दर्ज कराने और आगे की दावा प्रक्रिया में सुविधा होगी।

72 घंटे की समय-सीमा का रखें विशेष ध्यान -

कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि फसल क्षति की सूचना निर्धारित 72 घंटे की समय-सीमा के भीतर दर्ज कराना अत्यंत आवश्यक है। समय पर सूचना नहीं देने की स्थिति में बीमा दावा प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। अतः प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत पंजीकृत सभी किसान फसल को नुकसान होने पर बिना विलंब किए टोल फ्री नंबर 14447 पर संपर्क कर अपनी सूचना दर्ज कराएं, ताकि नियमानुसार सर्वेक्षण एवं दावा प्रक्रिया की जा सके।

20 दिन पूर्व अनंब तूफान से फसल का नुकसान,जानकारी देने समय दिया जाए

सरकार के द्वारा इस आदेश के बाद किसानों में आक्रोश देखा जा रहा है उनका कहना है कि पूर्व के अनंब चक्रवात के समय इस तरह के कोई आदेश जारी न होने के चलते किसानों में भ्रम की स्थिति थी और उन्होंने अपनी फसल के नुकसान की जानकारी प्रशासन तक पहुंचाने में असफल रहे थे अब इस तरह के सूचना आने के बाद वह 72 घंटा नहीं कई दिन पास हो चुके हैं ऐसी स्थिति में किसानों के लिए एक नई आफत आ गई है वहीं दूसरी ओर जो अनंब तूफान के समय फसल काटने के बाद खेतों में पड़े पड़े पानी में भीग गए थे, उसे भी किसान अपने खेतों से खलिहानों में ला चुके हैं उन किसानों के लिए भी अब बड़ी मुसीबत आ गई है किसानो की मांग है कि बीते 15 दिनों पूर्व जो अनंब तूफान आया था उसके बाद लोगों को राहत राशि दिया जाय और शिकायत के लिए 20 दिन का समय दिया जाए अन्यथा शासन का यह प्रयास व्यर्थ होगा इस मुद्दे को लेकर किसानों में जबरदस्त नाराजगी पनपना लगी है

तमनार आईटीआई में शुरू हुआ फिटर प्रशिक्षण, युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के नए अवसर

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



रायगढ़, 22 नवम्बर । मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी की पहल पर जिले के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा जिंदल पॉवर लिमिटेड के सहयोग से माइंस एवं प्लांट प्रभावित गांवों के युवक-युवतियों के कौशल विकास के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। तमनार आईटीआई में पहले इलेक्ट्रीशियन ट्रेड का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर सभी प्रशिक्षार्थियों का प्लेसमेंट कराया जा चुका है। अब इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए जिंदल फाउंडेशन के माध्यम से तीन माह का फिटर प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है। तमनार आईटीआई में आयोजित कार्यक्रम में नए प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ किया गया। एडीएम श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पो, ओपी जेसीसी के डायरेक्टर श्री जितेन्द्र कुमार सहित सहित उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम में इलेक्ट्रीशियन ट्रेड का प्रशिक्षण पूरा कर प्लेसमेंट प्राप्त कर चुके पूर्व प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं किट बैग प्रदान किए गए। वहीं, नए फिटर प्रशिक्षार्थियों को भी प्रशिक्षण के लिए बैग, सेफ्टी शूज सहित आवश्यक सामग्री वितरित की गई।

इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन और औद्योगिक संस्थान मिलकर काम कर रहे हैं। प्रशिक्षण को केवल प्रमाण-पत्र प्राप्त करने तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने भविष्य की मजबूत नींव बनाएं। पूरी लगन और गंभीरता से हुनर सीखें। नौकरी मिलने के बाद भी निरंतर मेहनत और अनुभव से आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं। अतिथियों ने प्रशिक्षार्थियों को उपलब्ध अवसर का पूरा लाभ उठाने की प्रेरणा दी। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान जिंदल के कुशल प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और आवागमन के लिए जिंदल पॉवर लिमिटेड द्वारा परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की सराहना की।

माइनिंग अधिकारी ने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को प्रशिक्षण देकर उनका कौशल विकास किया जा रहा है। इसके माध्यम से उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं को नौकरी मिलने पर उसे पूरी जिम्मेदारी से निभाने और अपने अनुभव को लगातार बढ़ाने की सलाह दी। ग्रुप सीएसआर हेड ने कहा कि लगन और मेहनत से सीखा गया हुनर जीवनभर काम आता है। उद्योगों में फिटर ट्रेड के कुशल युवाओं की अच्छी मांग है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद प्रशिक्षार्थियों को प्लेसमेंट का अवसर भी उपलब्ध कराया जाएगा। जीएम माइंस ने भी प्रशिक्षार्थियों को ईमानदारी एवं अनुशासन के साथ प्रशिक्षण लेने की बात कही। कार्यक्रम में आईटीआई प्राचार्य ने आभार व्यक्त किया।

फिटर प्रशिक्षण में छह युवतियां भी दिखाएंगी हुनर

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक खास उपलब्धि यह है कि क्षेत्र की छह युवतियों ने भी फिटर ट्रेड सीखने में रुचि दिखाई है। वे अन्य युवक-युवतियों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी। इससे तकनीकी प्रशिक्षण और औद्योगिक रोजगार के क्षेत्र में युवतियों की भागीदारी को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रशिक्षण में लिवरा, धौरभांठा, बिजना, जांजगीर, नागरमुड़ा, भालूमुंडा, झिकाबहाल, बरकसपाली एवं कोड़केल सहित आसपास के गांवों के युवक-युवतियां शामिल हो रहे हैं।

मेधावी विद्यार्थियों को मिला सफलता का मंत्र, ओपी चौधरी ने किया प्रेरित



तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 22 नवम्बर। विकासखंड पुसौर के लगभग 100 मेधावी विद्यार्थियों के लिए प्रदेश के वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी से मुलाकात प्रेरणादायी और यादगार अनुभव बन गई। शैक्षिक भ्रमण पर रायपुर पहुंचे विद्यार्थियों ने वित्त मंत्री श्री चौधरी के निज निवास पर उनसे आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान श्री चौधरी ने विद्यार्थियों से खुलकर संवाद किया और शिक्षा, करियर चयन, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा जीवन में सफलता के विभिन्न पहलुओं पर उनका मार्गदर्शन किया।

संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा के अवसरों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर चयन और लक्ष्य निर्धारण से जुड़े कई सवाल पूछे। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने उनकी जिज्ञासाओं का सहजता से समाधान करते हुए कहा कि जीवन में बड़े सपने देखना जरूरी है, लेकिन उन्हें साकार करने के लिए स्पष्ट लक्ष्य, नियमित अध्ययन, अनुशासन और निरंतर मेहनत भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और समय का सदुपयोग करने की सीख दी। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हुए कहा कि शिक्षा जीवन में आगे बढ़ने और बेहतर भविष्य बनाने का मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि सफलता की राह में आने वाली असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उनसे सीख लेकर नए उत्साह के साथ आगे बढ़ना चाहिए। आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने अपने अनुभव भी विद्यार्थियों के साथ साझा किए और उन्हें अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

वित्त मंत्री श्री चौधरी का सहज और आत्मीय संवाद विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से प्रेरणादायक रहा। उन्होंने न केवल विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया, बल्कि उनके साथ आत्मीयता से समय भी बिताया। इस अवसर पर उन्होंने अपने निज निवास पर सभी विद्यार्थियों के लिए भोजन की व्यवस्था भी कराई। उनके इस स्नेहपूर्ण व्यवहार से विद्यार्थी काफी उत्साहित और अभिभूत नजर आए। पुसौर विकासखंड के मेधावी एवं जिला स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों के लिए यह मुलाकात केवल एक औपचारिक भेंट तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्हें जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और सफलता के लिए निरंतर प्रयास करने की नई प्रेरणा दे गई।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में रायगढ़ के युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

रायगढ़, 22 नवम्बर। छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में 20 नवंबर को रायगढ़ में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया। उत्सव में जिले के युवाओं ने लोककला, साहित्य, संगीत और रचनात्मक अभिव्यक्ति से जुड़ी विभिन्न विधाओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में लोकनृत्य, लोकगीत, एकांकी नाटक, कविता लेखन, चित्रकला एवं पारंपरिक वेशभूषा जैसी विधाएं शामिल रहीं।कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण श्रीमती प्रतिमा सागर, सहायक क्रीड़ा अधिकारी श्री जीवनलाल नायक तथा उपस्थित निर्णायकों ने मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात लोकनृत्य की प्रस्तुति के साथ युवा उत्सव की प्रतियोगिताओं का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता के परिणामों में लोकनृत्य विधा में धरमजयगढ़ की हरावती एवं समूह ने प्रथम, रायगढ़ के मनीष कुमार एवं समूह ने द्वितीय तथा रितिका भगत एवं समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बेलमेटल शिल्पकारों को मिला आधुनिक औजारों का संबल, आत्मनिर्भरता की राह होगी आसान

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 22 नवम्बर। छत्तीसगढ़ की पारंपरिक हस्तशिल्प कला को प्रोत्साहन देने और शिल्पकारों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी कड़ी में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय, नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से संचालित डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी विकास प्रशिक्षण के तहत रायगढ़ जिले के शिल्पकारों को उन्नत औजार-उपकरण एवं आर्थिक सहायता प्रदान की गई। चक्रधरनगर स्थित सिंधु भवन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष (राज्यमंत्री दर्जा) श्रीमती शालिनी राजपूत ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर नगर निगम रायगढ़ के महापौर श्री जीवधर्न चौहान भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड पुसौर के ग्राम एकताल में बेलमेटल शिल्प से जुड़े 30 महिला एवं पुरुष शिल्पकारों को तीन माह का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद प्रत्येक प्रशिक्षित शिल्पकार को 10 हजार रुपये मूल्य के उन्नत औजार-उपकरण निःशुल्क प्रदान किए गए। इसी तरह विभागीय योजना के तहत ग्राम टेंगापाली के अनुसूचित जाति वर्ग के 15 महिला एवं पुरुष शिल्पकारों तथा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम कटैल के अनुसूचित जनजाति वर्ग के दो शिल्पकारों को औजार-उपकरण खरीदने के लिए प्रति हितग्राही 5 हजार रुपये के चेक वितरित किए गए।



इस अवसर पर बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत पारंपरिक शिल्पकारों की कला और हुनर को नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। शिल्पकारों को आधुनिक प्रशिक्षण, उन्नत टूलकिट और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही उनके उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक हस्तशिल्प केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे संरक्षित करने के साथ नई तकनीक और बाजार की मांग के अनुरूप विकसित करना जरूरी है।श्रीमती राजपूत ने इस अवसर पर गत दिवस राष्ट्रपति भवन में आयोजित विशेष कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि रायगढ़ जिले के 13 शिल्पकारों को राष्ट्रपति से भेंट एवं आत्मीय संवाद का अवसर मिला। यह छत्तीसगढ़ के हस्तशिल्प और यहां के शिल्पकारों के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस तरह के अवसर स्थानीय कलाकारों का मनोबल बढ़ाने के साथ उनकी कला को व्यापक पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के सहायक प्रबंधक श्री राखी राम भगत ने विभागीय योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण, उन्नत औजार-उपकरण और आर्थिक सहायता के माध्यम से शिल्पकारों की कार्यक्षमता बढ़ाने तथा पारंपरिक कला को आजीविका के बेहतर अवसरों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य एवं पार्षद श्रीमती पूनम सोलंकी, एल्डरमेन श्री प्रदीप श्रृंगी, श्रीमती मंजूलता पटेल, जिला पंचायत सभापति जांजगीर-चांपा श्रीमती मोहन कुमारी, हस्तशिल्प संवर्धन अधिकारी जगदलपुर श्री विकास कुमार, श्री मनोज श्रीवास्तव, पार्षद श्री केशव प्रसाद जायसवाल सहित विभागीय कर्मचारी श्री जयसिंह सिदार, श्री कालिया कान्हू सिदार एवं श्री घनश्याम सिंह उपस्थित रहे।

शाउमावि अंवरी में बाल मेले का आयोजन बच्चों ने लगाए स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल

अंवरी, 22 नवंबर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंवरी में बाल मेले का आयोजन उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बाल मेले का मुख्य उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, आत्मनिर्भरता, व्यावहारिक ज्ञान एवं व्यवसायिक कौशल का विकास करना रहा।

मेले में बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों में कई तरह के पकवान, नाश्ता एवं अन्य खाद्य सामग्री आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यार्थियों ने स्वयं व्यंजनों की तैयारी कर उन्हें आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया तथा ग्राहकों को बेचने का कार्य भी किया। इस दौरान बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।बाल मेले के माध्यम से विद्यार्थियों को खरीद-बिक्री, हिसाब-किताब, लेन-देन, टीम भावना एवं आपसी सहयोग जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां सीखने का अवसर मिला। बच्चों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने-अपने स्टॉल का संचालन किया। मेले में पहुंचे शिक्षकों एवं अन्य लोगों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उनके प्रयासों की सराहना की।विद्यालय में आयोजित इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक जीवन का अनुभव भी प्राप्त होता है। कार्यक्रम ने विद्यालय परिसर में मेले जैसा खुशनुमा माहौल बना दिया।

समाचार संक्षेप

सीएम हेल्पलाइन 1076: पेयजल संकट से मिली राहत, ग्रामीणों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

रायगढ़, 22 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर शासन द्वारा शुरू की गई सीएम हेल्पलाइन 1076 आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मददगार साबित हो रही है। इसका एक सकारात्मक उदाहरण रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम चूहकीमार में देखने को मिला, जहां खराब पड़े सोलर ड्यूल पंप की शिकायत दर्ज होते ही उक्त समस्या को शीघ्र दूर कर दी गई। पंप के दोबारा चालू होने से अब ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल मिलने लगा है।उल्लेखनीय है कि ग्राम चूहकीमार में आंगनबाड़ी के पास जल जीवन मिशन योजना के तहत ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोलर ड्यूल पंप स्थापित किया गया था। लेकिन तकनीकी खराबी आने के कारण पंप ने काम करना बंद कर दिया था। इसके चलते गांव के लोगों को पेयजल की परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। समस्या से परेशान ग्राम के श्री रामपाल राठिया ने अपनी शिकायत सीएम हेल्पलाइन 1076 पोर्टल पर दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही जिला कार्यालय रायगढ़ के अधिकारी श्री विक्रम वर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संज्ञान लिया। उनके द्वारा ग्राम चूहकीमार में स्थापित सोलर ड्यूल पंप का क्रेडा के मैकेनिक से जांच कराया गया। जांच में तकनीकी खराबी पाए जाने पर तत्काल सुधार कार्य कराते हुए बंद पड़े पंप को पुनः चालू करा दिया गया।सोलर ड्यूल पंप के दुरुस्त होते ही गांव की पेयजल व्यवस्था फिर से सुचारू हो गई है। वर्तमान में पंप पूरी तरह कार्यशील है और इसके माध्यम से ग्रामीणों को दिन-रात शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। पंप चालू होने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। सीएम हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से शिकायत का निराकरण होने से ग्रामीणों में संतोष का माहौल है। वहीं शिकायतकर्ता श्री रामपाल राठिया ने संतुष्टि व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री जी के प्रति धन्यवाद एवं आभार जताया।

विद्यार्थियों को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों की दी गई जानकारी



रायगढ़, 22 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज किरोड़ीमल पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में स्वास्थ्य विभाग द्वारा तंबाकू नियंत्रण एवं नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने सहभागिता की।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रंजना पैकरा, तंबाकू एवं गैर संचारी रोग (एनसीडी) कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. जाविद मारिकर तथा आईडीएसपी नोडल अधिकारी डॉ. सुमित कुमार सहित संबंधित अधिकारियों ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों की जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से शरीर पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों को विस्तार से समझाया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करती है। साथ ही नशे की आदत से छुटकारा पाने के लिए उपलब्ध नशा मुक्ति केंद्रों की सेवाओं और वहां मिलने वाली सहायता के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग एवं पुलिस विभाग के समन्वय से किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्रीमती सीमा बरेठ, कार्यक्रम सहायक का विशेष योगदान रहा। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत युवाओं और आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती: रिक्त पदों पर दावा-आपत्ति 29 नवंबर तक

रायगढ़, 22 नवम्बर। एकीकृत बाल विकास परियोजना रायगढ़ (ग्रामीण) के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र गोरखा क्रमांक-02, वार्ड क्रमांक 43, नगर निगम रायगढ़ में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त एक पद पर भर्ती के लिए प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर अनंतिम मूल्यांकन सूची जारी कर दी गई है। अनंतिम मूल्यांकन पत्रक (परिशिष्ट-4) विभागीय ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने के साथ ही परियोजना कार्यालय के सूचना पटल पर भी चस्पा किया गया है। आवेदिकाएं अनंतिम मूल्यांकन सूची के संबंध में किसी प्रकार की लिपिकीय त्रुटि होने पर अपना दावा-आपत्ति विभागीय ऑनलाइन पोर्टल awww.e-bharti.in पर 29 नवंबर तक लिखित में प्रस्तुत कर सकती हैं।

एक नजर

अतिथि व्याख्याता हेतु आवेदन 28 नवम्बर तक

बलौदाबाजार, 22 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सत्र 2026-27 में अध्यापन कार्य हेतु राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय, सिमगा में अतिथि व्याख्याता (वाणिज्य 1 पद) एवं अतिथि क्रीड़ाधिकारी (1 पद) के लिए यूजीसी विनियम 2018 के अनुरूप अर्हताधारी आवेदकों से आवेदन आमंत्रित हैं। इच्छुक आवेदक समस्त दस्तावेजों सहित 28 नवम्बर 2026 को सायं 05:00 बजे तक केवल पंजीकृत डाक या स्वयं कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी वेबसाइट www.govtcollegesimga.ac.in एवं महाविद्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

सड़क निर्माण में देरी से नाराज ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

तिल्दा-नेवरा, 22 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। समाहोला से सांकरा तक बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य में लगातार हो रही देरी से नाराज ग्राम पंचायत सरोरा के ग्रामीणों का आक्रोश आखिरकार सड़क पर दिखाई दिया। सरपंच उमेश्वरी विश्राम साहू के नेतृत्व में ग्रामीणों ने चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया। चक्काजाम के चलते सड़क पर घंटों यातायात प्रभावित रहा और राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

नए साल के स्वागत में शतरंज की बिसातः डोंगरगढ़ में 31 दिसंबर से शुरू होगा सेमिनार



डोंगरगढ़ 22 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। एन.आर.सी.ए.संस्था के संयोजक मतीन खान ने बताया कि 31 दिसंबर से 3 जनवरी तक डोंगरगढ में अयोजित शतरंज सेमिनार में संस्था के प्रतिभावान शतरंज खिलाड़ी वृमेन इंटरनेशनल मास्टर कु. स्नेहा हल्दर का स्वागत संस्था के द्वारा किया जाए गा. वही डोंगरगढ के छुरिया तहसील की आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल की कक्षा 9 वी की छात्रा कु.राहत कुरैशी को भी संस्था द्वारा प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्मृति चिन्ह वा मोमेन्टो प्रदान किया जाएगा.वा इस सेमिनार मे प्रशिक्षको वा इंटरनेशनल शतरंज खिलाड़ी का मार्गदर्शन दिया जाएगा.....उक्त जानकारी संस्था के संयोजक मतीन खान ने दी है...

शासकीय महिला आईटीआई कांकेर में पांचवां दीक्षांत समारोह संपन्न

कांकेर, 22 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शासकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कांकेर में पांचवां दीक्षांत समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री भोजराज नाग ने सत्र 2025-26 में उत्तीर्ण 124 छात्राओं को अंकसूची एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सांसद श्री भोजराज नाग ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने छात्राओं को अपने हुनर का उपयोग स्वरोजगार एवं बेहतर करियर निर्माण में करने के लिए प्रेरित किया। संस्था के प्रभारी प्राचार्य ने बताया कि संस्था के छह व्यवसायों कोपा, स्टेनोग्राफर हिंदी, विद्युतकार, ड्रेस मेकिंग, हॉस्पिटल हाउसकीपिंग एवं स्विंग टेक्नोलॉजी में कुल 124 छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है। विभिन्न व्यवसायों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

महिला प्राचार्य से अभद्रता पर भी खाकी खामोश, निगरानी बदमाश पर कार्रवाई से क्यों कतरा रही पुलिस

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 22 नवंबर। पुलिस की निगरानी सूची में दर्ज एक हिस्ट्रीशीटर पर शासकीय स्कूल में जबरन घुसकर महिला प्रभारी प्राचार्य से अभद्रता करने, कार्यालय में हंगामा करने, नारेबाजी करने, जबरन वीडियो बनाने और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। मामले को लेकर महिला प्राचार्य सिटी कोतवाली में शिकायत देकर कार्रवाई और सुरक्षा की मांग कर चुकी हैं। इसके बावजूद अब तक संबंधित हिस्ट्रीशीटर के विरुद्ध ठोस कार्रवाई सामने नहीं आने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

इस पूरे मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि जिस व्यक्ति पर महिला प्राचार्य ने गंभीर आरोप लगाए हैं, उसकी तस्वीर आज भी सिटी कोतवाली बलौदाबाजार में निगरानी गुंडा-बदमाश के रूप में लगी होने की जानकारी है। यानी पुलिस रिकॉर्ड में उसकी पहचान और निगरानी की स्थिति दर्ज है। इसके बावजूद संबंधित व्यक्ति की पुलिस संवाद के व्हाट्सएप रुप में मौजूदगी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

चर्चा तो यहां तक है कि कुछ पुलिसकर्मियों के साथ उसके मधुर संबंध हैं और उसे अक्सर कुछ पुलिसकर्मियों के साथ बैठा भी देखा गया है। यदि इन बातों में सच्चाई है तो यह जांच का विषय है कि एक निगरानी बदमाश को पुलिस व्यवस्था से जुड़ी ऐसी गतिविधियों में जगह कैसे मिली और उसकी गतिविधियों की निगरानी किस प्रकार की जा रही है?

शिकायत के अनुसार 17 सितंबर को स्कूल में सेवा संकल्प कार्यक्रम की तैयारियों के दौरान हिस्ट्रीशीटर आशीष शुक्ला कथित तौर पर प्राचार्य के कार्यालय में जबरन प्रवेश कर गया। प्राचार्य ने बाहर जाने के लिए कहा, लेकिन आरोप है कि इसके बावजूद नारेबाजी और वीडियो बनाने का सिलसिला जारी रहा। कार्यालय में मौजूद नाबालिग छात्र-छात्राओं की भी जबरन फोटो एवं वीडियो बनाए जाने का आरोप लगाया गया है।

एक महिला अधिकारी के कार्यालय में इस तरह प्रवेश करने, अभद्रता करने और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने जैसे आरोपों के बाद भी यदि पुलिस कार्रवाई में देरी करती है, तो स्वाभाविक रूप से पुलिस की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे। सोशल मीडिया पर संबंधित घटनाक्रम के वीडियो प्रसारित होने की बात भी सामने आई है। ऐसे में पुलिस के लिए उपलब्ध वीडियो और अन्य साक्ष्यों की जांच करना भी जरूरी है।

जब किसी व्यक्ति की तस्वीर थाने में निगरानी बदमाश के रूप में दर्ज है, उसके खिलाफपूर्व में पुलिस द्वारा जिला प्रशासन को इस्तगासा भेजे जाने का उल्लेख शिकायत में है और अब एक महिला प्राचार्य ने गंभीर आरोपों के साथ शिकायत प्रस्तुत की है, तो फिर कार्रवाई में देरी क्यों?

क्या पुलिस इस मामले को सामान्य शिकायत मानकर नजरअंदाज कर रही है? क्या किसी हिस्ट्रीशीटर के प्रभाव के आगे कानून की कार्रवाई धीमी पड़ गई है? या फिर पुलिस के कुछ जिम्मेदार लोगों की कथित नजदीकियां निष्पक्ष कार्रवाई के रास्ते में बाधा बन रही हैं? ये सवाल अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बनते जा रहे हैं।

महिला प्राचार्य द्वारा बार-बार शिकायत कर कार्रवाई और सुरक्षा की मांग करना इस मामले की गंभीरता को दर्शाता है। यदि एक शासकीय स्कूल की महिला प्रभारी प्राचार्य ही अपने कार्यालय और कार्यस्थल पर असुरक्षित महसूस कर रही हैं, तो यह प्रशासन के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है।

अब जरूरत केवल शिकायत की जांच तक सीमित रहने की नहीं, बल्कि यह भी स्पष्ट करने की है कि निगरानी गुंडा-बदमाश के विरुद्ध अब तक क्या कार्रवाई हुई, पुलिस संवाद रुप में उसकी मौजूदगी किस आधार पर है और संबंधित पुलिसकर्मियों से उसकी नजदीकियों की शिकायतों में कितनी सच्चाई है। सवाल सीधा है—जब पुलिस के रिकॉर्ड में हिस्ट्रीशीटर की पहचान दर्ज है, शिकायत में गंभीर आरोप हैं और साक्ष्यों की जांच की मांग की जा रही है, तो फिर कार्रवाई के लिए पुलिस किसका इंतजार कर रही है? क्या कानून सबके लिए बराबर है या फिर कुछ लोगों के लिए नियम अलग हैं?

मुख्यमंत्री ने किया उड़ान दिव्यांग बहुउद्देशीय सहकारी समिति के लोगो का विमोचन

समावेशी विकास की दिशा में अग्रणी पहल,राष्ट्रीय स्तर पर सहकारी उद्यमिता का अनूठा एवं अनुकरणीय मॉडल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 22 नवंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा की उपस्थिति में जिला प्रशासन बलौदाबाजार-भाटापारा की अभिनव पहल 'उड़ान दिव्यांग मल्टीपरपज कोऑपरेटिव सोसाइटी' के आधिकारिक लोगो का विमोचन किया। यह पहल दिव्यांगजनों के आर्थिक सशक्तीकरण, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की दिशा में समावेशी विकास का एक नया प्रतिमान प्रस्तुत करती है।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा के नेतृत्व एवं विशेष प्रयासों से इस अभिनव अवधारणा को धरातल पर साकार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को केवल सरकारी योजनाओं का लाभार्थी न रखकर उद्यमों का स्वामी, संचालक, उत्पादक और रोजगार सृजित करने वाला उद्यमी बनाना है।'उड़ान' दिव्यांगजनों के आर्थिक सशक्तीकरण, ग्रामीण उद्यमिता, पर्यावरण संरक्षण और सहकारी विकास का राष्ट्रीय स्तर पर एक अग्रणी एवं अनुकरणीय मॉडल बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

'उड़ान' अपने स्वरूप, स्वामित्व, प्रबंधन और बहुउद्देशीय उद्यम संरचना के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर एक अनूठा एवं विशिष्ट सहकारी मॉडल बनने की क्षमता रखता है। इसे ऐसी जिला-स्तरीय



बहुउद्देशीय सहकारी समिति के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसमें सदस्य, स्वामी और संचालक स्वयं दिव्यांगजन होंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों के दिव्यांगजन सदस्य बनकर सामूहिक रूप से उद्यमों का स्वामित्व, प्रबंधन एवं संचालन करेंगे। इस पहल की विशेषता यह है कि दिव्यांगजन केवल रोजगार पाने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले उद्यमी बनेंगे। सामूहिक स्वामित्व, दिव्यांगजनों के नेतृत्व में प्रबंधन और अनेक आजीविका एवं रोजगार सृजन उद्यमों को एक सहकारी ढांचे में जोड़ना इसकी विशिष्ट पहचान है।यह मॉडल देश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणादायक एवं अनुकरणीय बन सकता है और सहकारिता के माध्यम से दिव्यांगजनों के आर्थिक सशक्तीकरण की एक नई दिशा प्रस्तुत कर सकता है।

शुरुआत के पहले ही महीने में लगभग 15 लाख रुपये का कारोबार-'उड़ान' सहकारी समिति ने दिवाली गिफ्टिंग एवं कॉर्पोरेट गिफ्ट हैम्पर्स के निर्माण और आपूर्ति से अपनी व्यावसायिक गतिविधियां शुरू कीं। शुरुआत के पहले ही महीने में समिति ने लगभग 15 लाख रुपये का कारोबार किया। यह समिति की व्यावसायिक क्षमता और सदस्यों की उद्यमशीलता का उत्साहजनक उदाहरण है।

विभिन्न उद्यमों के माध्यम से रोजगार एवं पर्यावरण संरक्षण-'उड़ान' के अंतर्गत कई बहुउद्देशीय उद्यम विकसित किए जा रहे हैं जिनमें सीमेंट संयंत्रों में उपयोग किए जा चुके फिल्टर बैग के कपड़े से बैग एवं अन्य उपयोगी उत्पादों का निर्माण, पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर प्लांट, स्थानीय कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं पैकेजिंग, उड़ान कैफे,कॉमन सर्विस सेंटर

स्टेशनरी, प्रिंटिंग एवं पैकेजिंगः सरकारी, संस्थागत एवं कॉर्पोरेट आवश्यकताओं के अनुरूप सेवाएं, गिफ्ट हैम्पर्स, मोमेंटो, टी-शर्ट, कैप एवं अन्य प्रचार सामग्री का निर्माण और आपूर्ति प्रमुख हैं। सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता का नया मॉडल-'उड़ान' की मूल सोच दिव्यांगजनों को रोजगार मांगने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले उद्यमी के रूप में स्थापित करना है। इसमें सदस्य उद्यमों के विकास, उत्पादन, विपणन, प्रबंधन और निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। इससे उन्हें सम्मानजनक आजीविका, आर्थिक स्वतंत्रता और सामूहिक उद्यमता के अवसर प्राप्त होंगे। लोगो विमोचन के अवसर पर सहकारी समिति की अध्यक्ष राधा निषाद, मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. मयूर गुप्ता ने समिति की ओर से मुख्यमंत्री को समिति के सदस्यों द्वारा तैयार उत्पादों से युक्त विशेष उपहार हैम्पर भी भेंट किया गया।

पर्यावरण उल्लंघन पर गौरी गणेश इस्पात पर 3.60 लाख रुपये का जुर्माना, मंडल ने की कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा 22 नवंबर। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के क्षेत्रीय कार्यालय ने ग्राम मढ़ी स्थित मेसर्स गौरी गणेश इस्पात प्राइवेट लिमिटेड पर पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन के मामले में 3 लाख 60 हजार रुपये का पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति जुर्माना लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीएम हेल्पलाइन नंबर 1076 के शिकायत पोर्टल के माध्यम से शिकायतकर्ता ने उद्योग के विरुद्ध पर्यावरण प्रदूषण संबंधी शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल की टीम ने उद्योग का निरीक्षण किया।

निरीक्षण प्रतिवेदन के अनुसार उद्योग में जल प्रदूषण नियंत्रण के लिए एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) एवं न्यूट्रलाइजेशन सह सेटलिंग व्यवस्था स्थापित एवं संचालित पाई गई। निरीक्षण के दौरान शून्य निस्सारण की स्थिति भी दर्ज की गई। वहीं वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए ईएसपी एवं बैग फिल्टर तथा धूल उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए वाटर स्प्रिंकलर स्थापित पाए गए।

निरीक्षण के समय उद्योग में जल एवं वायु प्रदूषण की स्थिति नहीं पाई गई तथा परिस्थितियां सामान्य दर्ज की गईं। हालांकि, पूर्व में प्राप्त शिकायत और निरीक्षण के दौरान समने आई परिस्थितियों के संबंध में उद्योग को वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम 1981 की धारा 31 के तहत नोटिस जारी किया गया। उल्लंघन अवधि के लिए उद्योग पर 3 लाख 60 हजार रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति अधिरोपित की गई है।

शिवांगी दीवान के शोध से सुरक्षित होगा मातृत्व



रायपुर 22 नवंबर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), रायपुर के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की शोधार्थी शिवांगी दीवान ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक ऐसा महत्वपूर्ण शोध कर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है, जिसका सीधा लाभ भविष्य में आम परिवारों और गर्भवती महिलाओं को मिलेगा। उन्होंने एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मृदु साहू के मार्गदर्शन में फिटल इकेट्रोकार्डियोग्राम सिग्नल एनालिसिस यूजिंग इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग टेक्निक्स विषय पर यह शोध पूरा किया है, जिससे गर्भस्थ शिशु की धड़कनों की जांच पहले से कहीं अधिक आसान, सुरक्षित और किफ़यती होगी। अक्सर गर्भावस्था के दौरान मां की धड़कन और अन्य शारीरिक गतिविधियों के कारण गर्भस्थ शिशु की हृदय गति का स्पष्ट डेटा मिलना चुनौतीपूर्ण होता है। शिवांगी के इस शोध की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी भी तरह की इनवेसिव प्रक्रिया यानी चीरे व दर्द के बिना, केवल गर्भवती महिला के पेट पर लगे सामान्य इलेक्ट्रोड की मदद से शिशु की हृदय गतिविधियों का अध्ययन किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग की मदद से यह तकनीक शिशु के कमजोर संकेतों को स्पष्ट रूप से अलग कर लेती है, जिससे गर्भ में पल रहे बच्चे की सेहत की पल-पल की सही जानकारी मिल सकेगी। आम लोगों के लिए इस शोध का सबसे बड़ा फ़यदा यह है कि इससे गर्भस्थ शिशु में होने वाली किसी भी हृदय संबंधी समस्या या अनियमित धड़कन की पहचान शुरुआती चरण में ही हो सकेगी। जोखिमपूर्ण गर्भावस्था यानी हाई रिस्क प्रेगनेंसी के मामलों में डॉक्टरों को समय रहते सटीक जानकारी मिलने से वे तुरंत सही इलाज शुरू कर पाएंगे। इससे प्रसव के दौरान होने वाली जटिलताओं और शिशु मृत्यु दर को कम करने में बड़ी मदद मिलेगी।

दृष्टि हेल्पलाइन की सूचना पर बड़ी कार्रवाई अवैध शराब के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 22 नवंबर। पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के कुशल निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना दृष्टि हेल्पलाइन प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी दृष्टि हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। ÷दृष्टि हेल्पलाइन÷ के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी तारतम्य में आज दिनांक



21.11.2026 को दृष्टि हेल्पलाइन में प्राप्त सूचना के आधार पर थाना लवन की पुलिस टीम द्वारा दो अलग-अलग मामलों में ग्राम धारासिव एवं ग्राम लाहोद मेनरोड में घेराबंदी कर अवैध रूप से बिक्री करने वाले कुल 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से कुल ?11,700 कीमत मूल्य का 2.5 लीटर अवैध महुआ शराब एवं 97 पाव देसी मसाला शराब, गैस सिलेंडर, चूल्हा, बर्तन आदि जप्त किया गया है। साथ ही ग्राम लाहोद में दो आरोपियों से अवैध रूप से शराब परिवहन में प्रयुक्त बाईक Rm. CG11 A 2078 भी जप्त किया गया है। आरोपियों के विरुद्ध थाना लवन में धारा 34(ए) एवं 34(2) आबकारी एक्ट के तहत दो अलग-अलग प्रकरण पंजीबध्द कर आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक का आयोजन 23 एवं 24 नवम्बर को

कांकेर, 22 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला मुख्यालय कांकेर में 23 एवं 24 नवम्बर को जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक में कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, फुटबॉल, हॉकी, रस्साकसी, बैडमिंटन, तीरंदाजी, कराते, वेटलिफ्टिंग एवं एथलेटिक्स सहित कुल 11 खेल विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिता के अंतर्गत 23 नवम्बर को जूनियर वर्ग तथा 24 नवम्बर को सीनियर वर्ग के मुकाबले होंगे। प्रतियोगिताओं के सुचारू संचालन के लिए खेलवार आयोजन स्थल भी निर्धारित किए गए हैं। कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, रस्साकसी, एथलेटिक्स, हॉकी, कराते एवं वेटलिफ्टिंग की प्रतियोगिताएं शासकीय नरहरदेव उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान में होंगी।

जिले में उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 22 नवंबर। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में आज जिला मुख्यालय कांकेर में जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री भोजराज नाग ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर विधायक कांकेर श्री आशाराम नेताम, अंतागढ़ विधायक श्री विक्रम देव उसेंडी, बस्तर संभाग गोंडवाना समाज के अध्यक्ष श्री सुमेर सिंह नाग सहित जनप्रतिनिधि, सामाजिक पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग उपस्थित रहे।

जनजातीय गौरव दिवस में शामिल होने कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आदिवासी समाज के आंगादेव का परंपरानुसार पूजा अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने भगवान बिरसा मुंडा के अदम्य साहस, त्याग, तपस्या और संघर्ष का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि झारखंड के एक गरीब परिवार में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व करते हुए जनजातीय समाज को एकजुट करने का कार्य किया। उन्होंने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों तथा आदिवासी समाज के हितों के लिए संघर्ष किया। उनके योगदान और बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ के वीर शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर एवं शहीद गैंदसिंह के योगदान का भी उल्लेख किया। श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की, ताकि देश के जनजातीय नायकों के योगदान, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं को राष्ट्रीय पहचान मिल सके।

छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के मीडिया प्रकोष्ठ की 64 सदस्यीय कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

रायपुर 22 नवंबर। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ ने संगठनात्मक मजबूती और सामाजिक गतिविधियों को व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में मीडिया प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू की अनुशंसा पर प्रदेश संयोजक, प्रदेश महामंत्री सहित कुल 64 पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस विस्तार में प्रदेश के विभिन्न जिलों और शहरों में कार्यरत पत्रकारों को शामिल किया गया है।

मीडिया प्रकोष्ठ में दिलीप कुमार साहू को प्रदेश संयोजक और अशोक कुमार साहू को प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों पदाधिकारियों के समन्वय से प्रदेश कार्यकारिणी की गतिविधियों को गति देने, विभिन्न जिलों के पत्रकारों के बीच संपर्क मजबूत करने और संगठन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर जोर रहेगा। सलाहकार के रूप में कौशल स्वर्णबेर, चंदन साहू, प्रदीप साहू, कमलेश साहू और राहुल सोन को शामिल किया गया है। सभी रायपुर से हैं। इनके अनुभव से मीडिया प्रकोष्ठ को निरंतर मार्गदर्शन मिलेगा।

प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में संतोष साहू (रायपुर), राकेश साहू (गरियाबंद), दीनदयाल साहू (भिलाई), अनंतराम साहू (रायपुर), संदीप साहू (राजनांदगांव), संतोष साहू (कसडोल), सतीश साहू (जगदलपुर), चूड़ामणि साहू (रायगढ़), डॉ. भूपेंद्र कुमार साहू (धमतरी) और महेंद्र साहू (रायपुर) को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रदेश कोषाध्यक्ष के पद पर पवन कुमार साहू (रायपुर) और सह-कोषाध्यक्ष के पद पर वाकेश साहू (रायपुर) को नियुक्त किया गया है। दोनों पदाधिकारी संगठन के वित्तीय कार्यों से संबंधित दायित्वों का निर्वहन करेंगे। प्रदेश सचिव के रूप में खोमन साहू (रायपुर), राममिलन साहू (धमतरी), थानेश्वर साहू (गरियाबंद), विश्वनाथ साहू (रायपुर), नीरा साहू (राजनांदगांव), पुरेन्द्र साहू (गरियाबंद), संतराम साहू (रायपुर), प्रमोद साहू (रायपुर), राम साहू (रायपुर), श्याम कुमार साहू (भिलाई), संजय साहू (रायपुर), राजकुमार साहू (जांजगीर), रेखराज साहू (महासमुंद), दानवीर साहू (बालोद) और गितेंद्र साहू (धमतरी) को शामिल किया गया है। प्रदेश सह-सचिव के रूप में देवेश साहू (बलौदाबाजार), रिया साहू (रायपुर), नोहर सिंह साहू (झलपा), अशोक कुमार साहू (रायपुर), गोपी कृष्ण साहू (रायपुर), हीरालाल साहू (रायपुर), नीलम साहू (मगरलोड), ज्ञानेश्वर साहू (बिलासपुर), आशीष साहू (बिलासपुर) और जीवन साहू (कवर्धा) को जिम्मेदारी दी गई है।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में टामन लाल साहू (रायपुर), सीमा साहू (रायपुर), पीलूराम साहू (रायपुर), नागेन्द्र साहू (रायपुर), पुष्पांजलि साहू (रायपुर), मौसम साहू (रायपुर), योगेश्वर साहू (कुरुद), गोस्वामी साहू (रायपुर), शशिकांत साहू (रायपुर), नमित साहू (रायपुर), लोकेश साहू (महासमुंद), हेमकुमार साहू (पलारी), विनय साहू (आरंग), तेज साहू (रायपुर), प्रवीण साहू (नवापारा-राजिम), टुमेश साहू (रायपुर), महावीर साहू (रायपुर), सोमनाथ साहू (भिलाई), महेश साहू (रायपुर) और पारस साहू (रायपुर) को शामिल किया गया है। मीडिया प्रकोष्ठ की विस्तारित कार्यकारिणी में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पत्रकारों को शामिल करने का उद्देश्य संगठन की पहुंच को व्यापक बनाना और सामाजिक गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को प्रभावी बनाना है। नई टीम से सामाजिक एकता, जनजागरूकता, प्रतिभाओं के प्रोत्साहन और समाजहित के विषयों को प्रमुखता देने की अपेक्षा की जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू की अनुशंसा पर गठित यह कार्यकारिणी संगठनात्मक समन्वय और मीडिया संवाद को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। अब सभी पदाधिकारियों के सामने संगठन की गतिविधियों को जनसामान्य तक पहुंचाने और समाज के सकारात्मक कार्यों को व्यापक मंच प्रदान करने की जिम्मेदारी होगी।

कृषि विभाग की एडवाइजरीः अकवान से हुए फसल नुकसान की 72 घंटे में देनी होगी सूचना

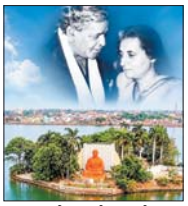
■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 22 नवंबर। चक्रवाती तूफान ÷अकवान÷ के कारण बारिश फसल नुकसान के सम्बन्ध मे कृषि विभाग द्वारा किसानों के लिये एडवाइजरी जारी किया गया है।जिले के किसानों से अपील किया गया है कि अति गंभीर चक्रवाती तूफान ÷अकवान÷ से फसल क्षति की जानकारी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल नुकसान की सूचना अनिवार्य रूप से 72 घंटे के भीतर बीमा कंपनी द्वारा जारी टोल फ्री नं. 14447 कृषि रक्षक पोर्टल या क्रॉप इन्श्योरेन्स एप pmfby.gov.in पर सूचना देना अनिवार्य है।

बीमा कंपनी एचडीएफसी एर्गो द्वारा 10 दिनों के भीतर सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाएगा।फसल कटाई के बाद खेत में रखी फसल (करपा) को बेमौसम वर्षा, चक्रवात से क्षति पर 14 दिवस के लिए लागू होगा। वर्तमान में खड़ी फसल पर जल प्लावन की स्थिति निर्मित होने पर योजनांतर्गत फसल कटाई प्रयोग पर प्राप्त आंकड़ों के आधार पर बीमा दावा भुगतान की गणना की जाएगी। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने संयुक्त रूप से राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को खेतों का भ्रमण कर क्षति का आंकलन रिपोर्ट यथाशीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं।

उप संचालक कृषि दीपक नायक ने बताया कि किसानों को टोल फ्री नंबर 14447 पर सूचना देते समय किसान का नाम एवं मोबाइल नंबर, बीमा पालिसी नंबर, नुकसान का विवरण, दिनांक, ग्राम, तहसील एवं जिला का नाम, खसरा नंबर एवं बीमित फसल का नाम आदि जानकारी अनिवार्य रूप से अपने पास रखे जिससे जानकारी पोर्टल पर दर्ज हो सके। अकवान तूफान से असामयिक वर्षा हुई है। ऐसी स्थिति में घबराए नहीं। यदि फसल को भारी नुकसान हुआ है तो तुरंत सूचना राजस्व विभाग के पटवारी तथा ग्रामीण विकास के कृषि विस्तार अधिकारी को दें। कटी हुई या खड़ी फसल की फोटो-वीडियो अक्षांश-देशांश के साथ बना लें। नुकसान के 72 घंटे के भीतर सूचना नहीं देने पर बीमा क्लेम के लिये कृष्क पात्र नहीं होंगे।

यहां गुनाह हवा के छिपाये जाते हैं, चिराग खुद नहीं बुझते, बुझाये जाते हैं



छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर बनने से पहले तक यह तालाबों की नगरी कहलाती थी, न कभी नलों में पानी की कमी रहती थी और न ही आंख मेंज। लेकिन अलग राज्य क्या बना, शहर को बहुत दफ्तर, घर,सड़क की जरूरत हुई, देखते-ही-देखते ताल-तलैयों की बलि चढ़ने लगी। कोई 181 तालाबों वाले शहर में बमुश्किल एक दर्जन ही बचे हैं और वे भी हांफ रहे हैं अस्तित्व बचाने के लिये ऊ? वैसे यहां भी सुप्रीम कोर्ट आदेश दे चुकी है, तालाबों को उनका समृद्ध अतीत लौटाया जाए लेकिन लगता है, गुमनामी की उन गलियों में खो चुके हैं और लौटना लगभग नामुमकिन है। जीई रोड पर समानांतर तालाबों की श्रंखला है। खासियत है निचले हिस्से में बहने वाले पानी को यूशेप का तालाब बना रोका गया, ब्लाक सिस्टम के तहत हांडी, कारी धोबनी, घोडारी, आमातालाब, राम कुंड , कर्बला, चौबे कालोनी के तालाब जुड़े हुए हैं। बूढ़ा बंधवा तालाब के ओवरफ्लो का पानी खारून नदी में मिलना विरली पुरानी तकनीक रही है। बेतर तीब निर्माण तालाबों के अंतसंबंधों, नहरों, जल आवक रास्तों को ही निरूद्ध नहीं किया, अपनी तकदीर पर भी सूखे को जन्म दिया। बूढ़ा तालाब शहर का बड़ा बूढ़ा हुआ करता था, 1402 मेंराजा ब्रम्हदेव ने रायपुर शहर की स्थापना की थी, तभी यह ताल बना। वैसे इसे लेकर भी पूरे देश की तरह बंजारों, मछुआरों की कहानियां मशहूर हैं। बूढ़ातालाब पहले इस तरह अन्य तालाबों से जुड़ा था, इसका पानी लबालब होते ही महा राजबंध तालाब जाने लगता था और उसके आगे अन्य किसी मेंड़! तालाब श्रँखलाओं के कारण न तो रायपुर कभी प्यासा रहता, न ही तालाब सिंचाई, मछली, सिंघाड़ा आदि के चलते भूखा! कहते हैं कि इस तालाब किनारे कोलकाता-मुंबई, जगन्नाथपुरी जाने के रास्ते निकलते थे। 1950 में पृथ्वी थियेटर के बैनर में 'काबुली वाला नाटक' मंचन के सिलसिले में पृथ्वीराज कपूर भी रायपुर आये थे, पृथ्वीराज कपूर तो बूढ़ा तालाब को देख मंत्रमुग्ध हो गए थे। जितने दिन भी यहां रहे, हर रोज नहाने आते थे। आज तालाब जाहिर तौर पर कूड़ा फेंकने व गंदगी उड़ेलने की जगह बन गया है। नाम विवेकानंद तालाब हो गया, क्योंकि बीचों-बीच विवेकानंद की एक प्रतिमा स्थापित की गई , लेकिन जानना जरूरी है, बूढ़ा से विवेकानंद तालाब बनने की प्रक्रिया में 150 एकड़ से घटकर 60 एकड़ हो गया। बताते हैं जब स्वामी विवेकानंद 14 साल के थे, रायपुर आये थे, तैरकर तालाब के बीच में बने टापू तक जाते थे, पर जल कुंभी से पटे तालाब के बड़े हिस्से पर लोग कब्जा कर चुके हैं, यही कहानी दीगर तालाबों की है, दलदल, बदबू, सूखा, कचरा! शहर के कई तालाब देखते-देखते ही ओझल हो गए। रजबंधा तालाब का फैलाव भी 7.975 हेक्टेयर था, आज वहाँ चौरस मैदान है। प्रेस काम्प्लेक्स बन गया है। 6 हेक्टेयर से भी बड़े सरजूबंधा को पुलिस लाइन लील गई तो डेढ़ हेक्टेयर के विशाल खेतो तालाब पर शक्तिनगर कालोनी बन गई। पचारी, नया तालाब, गो गांव तालाब उद्योग विभाग के हवाले कर दिया गया, ढाबा (कोटा) डबरी तालाब (खम्हारडीह) पर कब्जे हो गए। कंकाली तालाब, ट्रस्ट तालाब, नारून तालाब आदि दसियों पर या तो कब्जे हो गए या फिर सिकुड़ कर शून्य की ओर ही बढ़ रहे हैं। बानगी है कि शहर के बीच तालाब किस



तरह शहरीकरण की चपेट में आए। यहां छत्तीसगढ़ में तालाब लोक परंपरा, सामाजिक दायित्व रहा है।लोनिया, सबरिया, बेलदार, राम नामी जैसे समाज, पीढ़ियों से ही तालाब गढ़ते आये हैं। अंग्रेज शासन के समय भीषण अकाल के दौरान खूब तालाब खुदवाये थे और कई सौ तालाब 'लंकेटर तालाब' के नाम से आज भी विद्यमान हैं। 'छत्तीस गढ़ मित्र' को पहली हिंदी की पत्रिका कहा जाता है। इसके मार्च-अप्रैल 1900 के अंक में प्रकाशित एक आलेख गवाह है कि उस काल में भी समाज तालाबों को ले कर कितना गंभीर, चिंतित था। आलेख कुछ इस तरह था। रायपुर आमातालाब प्रसिद्ध है इसे शोभाराम साव रायपुर निवासी के पूर्वजों ने बनवाया था, अब तो पानी सूखकर खराब हो गया है,सावजी ने मरम्मत पर ?17 हजार खर्च करने का निश्चय किया है। काम भी जोर शोर से जारी हो गया है।सरकार को चाहिए कि इस ओर ध्यान देवे।' खैर उसी रायपुर का तेली बांधा तालाब, भ्रष्टाचार, लापरवाही, संवेदनहीनता की बानगी बना, 1929 -30 के राजस्व रिकार्ड में इसका रकबा 35 एकड़ था लेकिन आज आधे पर पानी नहीं है। रजीई रोड का गौरवपथ तालाब पर है अलावा जलविहार कालोनी की सड़क, बगीचा, आरडीए परिसर, लायंस क्लब का सभागार भी पानी की जगह पर बना है। यहां 12 एकड़ जमीन खाली करवा बसे लोगों को बोरियाकला में विस्था पित किया गया। जब जमीन खाली हुई, करीब 2 एकड़ जमीन पर नगर निगम मकान बनानेमांगा था । वह तो भला हो जन वरी 2011 में सुप्रीमकोर्ट ने जगपाल सिंह बनाम पंजाब मुकदमें के फैसले का..! जिसमें अदालत ने सभी राज्यों कोआदेश दिया था कि तालाब के पानी, निस्तार की जमीन पर कोई भी निर्माण न हो।छग सरकार ने तेली बांधा से हटाए लोगों को उनकी ही पुरानी जगह पर 720 मकान बना दे दिया है। भीमा तालाब में अब नया रायपुर बन गया है, जो अभनपुर के सामने तक फैला थाऔर इसको बनाने में ना जाने कितने ताल-तलैया जोहड़, नाले दफ्न हो गए हैं। नया रायपुर में खूब चौड़ी सड़कें हैं, भवन चमचमाते हुए हैं, सब उजला है, सवाल खड़ा है कि इस नई बसाहट के लिए पानी कहां से आएगा।

सुबोध और निहारिका एसीएस पदोन्नत



छत्तीसगढ़ सरकार में 1997 बैच के दो आई एएस को प्रमुख सचिव से पदोन्नत कर अपर मुख्य सचिव बनाया है। सुबोध कुमार सिंह प्रमुख सचिव सीएम और ऊर्जा विभाग को अब अपर मुख्य सचिव बनाकर उन विभागों में पदस्थ किया गया है। प्रमुख आवासीय आयुक्त छत्तीसगढ़ का प्रभार भी देखते रहेंगे।

निहारिक बारिक प्रमुख सचिव गृह एवं जेल को भी पदोन्नत कर इन्हीं विभागों का अपर मुख्य सचिव ही बनाया गया है। राज्य सरकार ने वर्ष 2002 बैच के आईएएस डॉ. रोहित यादव और स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह को भी पदोन्नति दी है। दोनों अधिकारियों को प्रमुख सचिव वेतनमान (पे मैट्रिक्स लेवल 15) में प्रमोट किया गया है।

परिसीमन हुआ तो 6 लोकसभा बढ़ेगी छग में



देश में यदि परिसीमन होता है तो छत्तीसगढ़ में 6 लोकसभा सीटें और बढ़ जाएंगी। यानि 11 से बढ़कर 17 लोकसभा सीटें हो जाएंगी।जबकि राज्यसभा की सीटें 07 हो जाएंगी केंद्र में छग का प्रतिनिधित्व 24 हो जाएगा। सवाल ये है 6 बढ़ेंगी तो कौन सी हो सकती हैं। एक लोस में 4-5 विधानसभा सीटें ही आएंगी या राज्य विधान सभा में भी सीटें बढ़ाई जाएंगी। अभी 11 सीटों में 8 विधानसभा सीटों काऔसत है। यूपी जैसे बड़े राज्य में यह औसत 5 सीटों का है, विधान सभा सीटें बढ़ाए बिना लोकसभा क्षेत्र बढ़ाए जाते हैं तो कौन सी 6 नई सीटें बन सकती हैं।अभी छत्तीसगढ़ में सरगुजा,रायगढ़ जांज गौर,बिलासपुर, कोरबा, रायपुर,महासमुंद, दुर्ग, राजनांदगांव, कांकेर और बस्तर लोकसभा सीटें हैं। 17 कुलसीट होने की स्थिति में 6 कौन सी सीटें बनेंगी। बड़े शहरों, आबादी क्षेत्रों को देखें तो इनके संभा वित नाम खोजे जा सकते हैं। सरगुजा 6 सीटें (प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी,लुंड्रा, अंबिका पुर, सीतापुर) कोरिया 5 सीटें (कोरिया, भरत पुर, मनेंद्रगढ़, प्रेमनगर, भटगांव) कोरबा 5 सीटें (कोरबा,कटघोरा,पाली-तानाखार,रामपुर, मर वाही) जांजगीर 6 सीटें (अकलतरा, जांजगीर, सक्ती, जैजैपुर,कसडोल, पामगढ़) रायगढ़ 5 सीटें (जशपुर,पत्थल गांव, कुनकुरी, लैलुंगा रायगढ़) सारंगढ़ 5 सीटें (सारंगढ़, खरसिया, धरमजयगढ़, चंद्रपुर और बिलाईगढ़) बिलासपुर 5 सीटें (मस्तूरी, बेलतरा, बिल्हा, तखतपुर, बिलासपुर) कवर्धा 5 सीटें (कोटा, मुंगेली, लोरमी, पंडरिया कवर्धा) राजनांदगांव 6 सीटें (खैरागढ़, डोंगर गढ़, डोंगरगांव, राजनांदगांव, साजा, अहिवारा) दुर्ग 6 सीटें (पाटन, दुर्गसिटी, दुर्ग ग्रामीण, भिलाई नगर, वैशाली नगर) रायपुर 5 सीटें (रायपुर (प.), रायपुर (उ.) रायपुर (द.) रायपुर ग्रामीण अभनपुर) कौशल्या चंदखुरी 5 सीटें (बलौदा बाजार, भाटापारा, बेमेतरा, नवागढ़ और धरसींवा) महासमुंद 5 सीटें (सरायपाली,बसना, खल्लारी,महासमुंद, आरंग) धमतरी 5 सीटें (धमतरी, कुरुद, सिहावा, राजिम, बिंद्रा नवागढ़) कांकेर 5 सीटें(कांकेर भानुप्रताप पुर, केशकाल, कोंडा गांव, अंतागढ़) बस्तर 6 सीटें (जगदलपुर, कोंटा, बस्तर, चित्रकोट, बीजापुर, दंतेवाड़ा) नारायणपुर 5 सीटें (नारायणपुर, खुज्जी, मोहला-मानपुर, डोंडी लोहारा एवं संजारी) ।

डमरू फिर चर्चा में आया

बलौदाबाजार जिले के प्राचीन ऐतिहासिक ग्राम डमरू को पुरातात्विक पहचान दिलाने और यहां मौजूद प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के लिए पहल शुरू की है। कले क्टर ने डमरू में प्राचीन मंदिरों, पुरातात्विक स्थलों अवशेषों का निरी क्षण किया। धरोहरों के सुव्यवस्थित संरक्षण के लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजने और पूर्व में किए गए उत्खनन कार्य को दोबारा शुरू कराने की दिशा में आवश्यक कार् वाई के निर्देश दिए। उत्खनन के दौरान भग वान बुद्ध के चरण चिह्न मिलने की जानकारी सामने आई थी। मध्य भारत में इस प्रकार की महत्वपूर्ण पुरातात्विक खोज बताया गया है। पुरातत्व विभाग के अनु सार यहां मिले अवशेषों से डमरू के पहली से पांचवीं शताब्दी के बीच हीनयान बौद्ध समुदाय के प्रमुख केंद्र होने की संभावना व्यक्त की गई है। डमरू के महामाया मंदिर परिसर में प्रस्तर निर्मित चबूतरे परप्राचीन शिव मंदिर स्थित है। पूर्वाभिमुख मंदिर लंबे समय तक जर्जर रहा, जिसके बाद वर्ष 2012-13 में विभाग ने इसकी रिसेटिंग कार्य कराया था। मंदिर परिसर में नंदी, जलाधारी योनि पीठ सहित अन्य प्राचीन अवशेष मौजूद हैं। उत्ख नन के दौरान त्रिविक्रम, विष्णु, सूर्य, शिव ब्रह्मा, मय, चामुंडा, पार्वती, अंबिका, चंवरधारिणी सहित विभिन्न प्रतिमाएं कुछ मिथुन प्रतिमाएं वर्तमान में शिव मंदिर परिसर में नवनिर्मित महामाया देवी मंदिर की दीवारों में संरक्षित हैं। प्राचीन मंदिर लगभग 12वीं शताब्दी के कल चुरी कालीन स्थापत्य से संबंधित माना जाता है। यहां प्राप्त प्रतिमाएं पुरा तत्व की दृष्टि से महत्व पूर्ण हैं।

और अब बस..

» छग में दीपावली के 5 दिनों में शराब की बिक्री ने नया रिकार्ड बनाया। 5 से 9नवंबर के बीच प्रदेश में ?546.07 करोड़ की शराब बिकी हुई , पिछले साल की अवधि के मुकाबले ?38.10 करोड़ अधिक है। यानी शराब कारोबार में 7.5फ़ की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

» छत्तीसगढ़ में बैगा जनजाति की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जानने अमेरिका से पहुंचे अतिथियों ने दुगली के बूटीगढ़ का दौरा किया।

सुहास देशपांडे बने लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश अध्यक्ष

रायपुर 22 नवंबर। लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने बताया की लोकतंत्र सेनानी संघ



आपातकाल में जेल गये आपातकाल की प्रताड़नाओं के आपातकाल योद्धाओं का राष्ट्रीय संगठन है,जिसकी देश के सभी राज्यों में सक्रिय संगठन इकाइयां कार्यरत हैं। निर्धारित समयावधि में या अन्य कारणों से संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार मनोनयन कर कार्यकारिणी गठन की कार्यवाही संपादित की जाती है।उसी कड़ी में लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व संसद कैलाश सोनी ने छत्तीसगढ़ लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश अध्यक्ष पद पर दिवाकर तिवारी के स्थान पर वरिष्ठ सेनानी सुहास देशपांडे, रायपुर को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।उक्त जानकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने को प्रेषित नियुक्ति आदेश में दी है।उपासने ने नियुक्तमान प्रदेशअध्यक्ष का आभार व नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को शुभकामनाएं दी हैं।

प्रशासन की संलिप्तता से अस्पतालों से नवजात शिशुओं की खरीद-फरोख्त: कांग्रेस

रायपुर 22 नवंबर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में हाल ही में सामने आए नवजात शिशुओं की खरीद-फरोख्त के बड़े गिरोह के खुलासे और प्रदेश में महिलाओं व बच्चियों की बढ़ती गुमशुदगी के आंकड़ों को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि अंतरराज्यीय बच्चा चोर गिरोह से जुड़े तथ्य बेहद चौंकाने वाले हैं। निजी अस्पतालों में फर्जी डिस्चार्ज टिकट का उपयोग कर 26 बच्चों के फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र जारी किए गए। सौदे की दरें और अंतरराज्यीय नेटवर्क वाला यह गिरोह आर्थिक रूप से कमजोर और मजबूर महिलाओं को निशाना बनाता था। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाया कि पूरा सिंडिकेट सत्ता के संरक्षण में चल रहा है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार इस गिरोह का जाल छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर के अलावा 8 राज्यों-ओडिशा, तेलंगाना (हैदराबाद), गुजरात (अहमदाबाद), महाराष्ट्र (मुंबई, नागपुर), कर्नाटक (बेंगलुरु), तमिलनाडु (चेन्नई), मध्य प्रदेश और राजस्थान तक फैला पाया गया है। नवजात बच्चों को 5 लाख से 12 लाख रुपये तक में बेचा जाता था। बिना डिलीवरी के अस्पतालों से फर्जी डिस्चार्ज टिकट और नगर निगम के रिकॉर्ड में सीधे खरीदारों के नाम से जन्म प्रमाण-पत्र बनने रहे थे। यह स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन की घोर लापरवाही या मिलीभगत को दर्शाता है। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि भाजपा सरकार के पिछले तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ में 10,753 बालिकाएं लापता हुईं और 11,825 को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले दर्ज हुए। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच केवल एक साल के भीतर ही लापता हुए 982 बच्चों में से 400 अब तक बरामद नहीं हुए हैं, जिनमें 14 से 17 वर्ष की किशोरियां सर्वाधिक हैं। वर्ष 2023 से जनवरी 2026 के बीच प्रदेश से कुल 36,662 महिलाएं और बच्चियां गायब हुईं, जिनमें से 7,188 का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। सरगुजा, जशपुर, कोरबा, बलरामपुर और बस्तर जैसे आदिवासी और सीमावर्ती जिले मानव तस्करी के सबसे संवेदनशील केंद्र बने हुए हैं।

पवन साहू बने प्रदेश साहू संघ के कोषाध्यक्ष

रायपुर 22 नवंबर। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ ने संगठनात्मक मजबूती और सामाजिक गतिविधियों को व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में मीडिया प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया है। प्रदेश



अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू की अनुशंसा पर प्रदेश संयोजक, प्रदेश महामंत्री सहित कुल 64 पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस विस्तार में पवन साहू को प्रदेश कोषाध्यक्ष बनाया गया है। मीडिया प्रकोष्ठ में दिलीप कुमार साहू को प्रदेश संयोजक और अशोक कुमार साहू को प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों पदाधिकारियों के समन्वय से प्रदेश कार्यकारिणी की गतिविधियों को गति देने, विभिन्न जिलों के पत्रकारों के बीच संपर्क मजबूत करने और संगठन की योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर जोर रहेगा।

महादेवघाट पुन्नी मेला: जोन-8 कमिश्नर ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा, सफाई व पेयजल दुरुस्त रखने के निर्देश

रायपुर 22 नवंबर। आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम



जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल ने जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत महादेवघाट की व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण दिनांक 24 नवम्बर 2026 मंगलवार को होने जा रहे पुन्नी मेला में रायपुर नगर निगम की ओर से शीघ्र आवश्यक तैयारियां करने के सम्बन्ध में किया और महादेवघाट पुन्नी मेला स्थल पर नगर निगम जोन 8 के माध्यम से श्रद्धालुओं और नागरिकों हेतु सफाई, पेयजल और स्ट्रीट लाईट प्रबंधन की पुख्ता व्यवस्था प्रशासनिक तौर पर प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करवाने के सम्बंधित जोन 8 अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए. इस दौरान नगर निगम जोन 8 जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री संदीप वर्मा, स्वच्छता निरीक्षक श्री राकेश बंजारे, वार्ड सफाई सुपरवाइजर श्री निखिलेश डहरिया की उपस्थिति रही।

कार्तिक पुन्नी स्नान एवं दीपदान में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल होंगे मुख्य अतिथि

रायपुर 22 नवंबर। छत्तीसगढ़ की प्राचीन धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से कार्तिक पुन्नी मेला आयोजन समिति द्वारा रायपुर के ऐतिहासिक महादेव घाट स्थित खारून नदी के पावन तट पर 23 एवं 24 नवंबर 2026 को भव्य कार्तिक पुन्नी मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर 24 नवंबर, मंगलवार को सुबह 5 बजे कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर पुन्नी स्नान एवं दीपदान का भव्य आयोजन होगा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री भूपेश बघेल जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। साथ ही पूर्व विधायक श्री विकास उपाध्याय जी भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी एवं विकास उपाध्याय जी खारून नदी में पुन्नी स्नान कर भगवान श्री हाटकेश्वरनाथ महादेव की पूजा-अर्चना एवं दर्शन करेंगे तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करेंगे।

ॐ शांति ॐ
॥ शोक संदेश ॥
अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि
मेरी धर्मपत्नी
श्रीमती मंजू मित्रा
का निधन दिनांक 14/11/2026 को हो गया है।
जिनकी आत्मा की शांति हेतु
दशगात्र एवं तेरहवीं का कार्यक्रम निम्नानुसार रखा गया है।
दशगात्र कार्यक्रम
दिनांक : 23 नवंबर 2026
स्थान : राजिम
तेरहवीं कार्यक्रम
दिनांक : 26 नवंबर 2026
पूजन एवं शांति भोज
समय : प्रातः 11:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक
स्थान : निवास स्थान
LIG 634, दीनदयाल नगर, सेजबहार, रायपुर
आप सभी स्नेहीजनों एवं आत्मीय स्वजनों से विनम्र निवेदन है कि कार्यक्रम में उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करें एवं शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करें।
शोकाकुल
अशोक कुमार मित्रा एवं समस्त मित्रा परिवार

॥ ॐ तत् सत् ॥
आमंत्रण
शिवधाम
(अघोरेश्वर महादेव मंदिर)
ग्राम-तुलसी (पाटन), छत्तीसगढ़
महानिर्वाण दिवस
दिनांक : 29.11.2026, रविवार
कार्यक्रम
पूज्य अघोरेश्वर जी का पूजन-हवन
सुबह : 11:30 बजे
प्रसाद वितरण
दोपहर : 01:00 बजे
वृद्ध जनों के लिए
सम्मान भोज एवं कंबल वितरण
निवेदक
अघोरेश्वर महादेव मंदिर, शिवधाम
ग्राम तुलसी-पाटन (दुर्ग)
संपर्क : 9826174789, 8889334400

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26